आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
16.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.28
सूर्यास्त 05.29

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

मुरादाबाद

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष एकादशी 07:31 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 2 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 215, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

भारत-रूस संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाले आदेश पारित नहीं करना चाहते : सुप्रीम कोर्ट- 12

त्योहारी सीजन व जीएसटी में राहत से यात्री वाहनों की बंपर बिक्री - 12

एशिया प्रशांत क्षेत्र के विकास के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण - 13

तीसरा टी20 मैच आज : हेजलवुड की अनुपस्थिति में भारतीय बल्लेबाजों को मिलेगी राहत - 14

महिला विश्व कप: इतिहास रचने की दहलीज पर भारत और दक्षिण अफ्रीका

विश्वकप ट्रॉफी के साथ भारत और साउथ अफ्रीका टीम की कप्तान।

नवी मुंबई। आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में रविवार को यहां जब मैदान पर उतरेगी तो उसे पिछले सात में से छह मैच जीत कर पहली बार इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंची दक्षिण अफ्रीका की कड़ी चुनौती से पार पाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाना होगा। यह मुकाबला सिर्फ एक खिताब के लिए जंग नहीं है, बल्कि महिला क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय लिखने जा रहा है, क्योंकि इस फाइनल से नया विश्व चैंपियन मिलने वाला है। भारतीय टीम तीसरी बार (2005 और 2017 के बाद) इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है, जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार खिताबी मुकाबले में पहुंची है।

लखनऊ यूनेस्को के रचनात्मक शहरों की सूची में शामिल

- समृद्ध और विविध पाक कला विरासत के चलते मिला स्थान, भारत के स्थायी प्रतिनिधिमंडल ने कहा- यह गर्व का क्षण

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

लखनऊ को उसकी समृद्ध और विविध पाककला विरासत के लिए यूनेस्को के रचनात्मक शहरों की सूची में शामिल किया गया है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की महानिदेशक ऑड्रे अजोले ने 58 शहरों को यूनेस्को के रचनात्मक शहरों के नेटवर्क के नए सदस्य के रूप में नामित किया है। इस सूची में अब 100 से अधिक देशों के 408 शहर शामिल हैं। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को पाक कला श्रेणी में मान्यता दी गई है।

यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, भारत के लिए गर्व का क्षण। लखनऊ की समृद्ध पाककला विरासत को अब वैश्विक मंच पर पहचान मिली है! प्रतिनिधिमंडल ने कहा, विश्व नगर दिवस 2025 (30 अक्टूबर) के अवसर पर लखनऊ को 'यूनेस्को क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' नामित किया गया है। लखनऊ के साथ 58 नए शहरों को 'यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क' (यूसीसीएन) में स्थान मिला है। यूसीसीएन में अब 100 से अधिक देशों के 408 शहर शामिल हैं। लखनऊ अपने समृद्ध और पारंपरिक लजीज व्यंजनों के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें चाट से लेकर अवधी व्यंजन और स्वादिष्ट मिठाइयां शामिल हैं। विश्व नगर दिवस पर घोषित यह सम्मान शहरों को सतत शहरी विकास के प्रेरक के रूप में रचनात्मकता को बढ़ावा देने की उनकी प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित करता है। अजोले ने कहा, यूनेस्को के रचनात्मक शहर दर्शाते हैं कि संस्कृति और रचनात्मक उद्योग विकास के ठोस प्रेरक हो सकते हैं। हम 58 नए शहरों का स्वागत करके एक ऐसे नेटवर्क को मजबूत कर रहे हैं जहां रचनात्मकता स्थानीय पहलों का समर्थन करती है, निवेश आकर्षित करती है और सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा देती है। वर्ष 2004 में स्थापित यूसीसीएन का उद्देश्य उन शहरों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है जो समावेशी और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए संस्कृति और रचनात्मकता का लाभ उठाते हैं।

मोदी ने की विश्व भर के लोगों से लखनऊ आने की अपील

नई दिल्ली। यूनेस्को द्वारा उत्तर प्रदेश की राजधानी को 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' की सूची में शामिल किए जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को दुनिया भर के लोगों से लखनऊ आकर इस शहर की विशिष्टता को जानने की अपील की। मोदी ने कहा कि लखनऊ जीवंत संस्कृति का पर्याय है, जिसके मूल में एक शानदार पाककला संस्कृति है। उन्होंने केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के एक पोस्ट के जवाब में कहा कि लखनऊ को यूनेस्को द्वारा 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' घोषित किया जाना इसकी विशिष्ट पाककला विरासत और भारत की समृद्ध पाककला परंपराओं में इसके अमूल्य योगदान को मान्यता देना है।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, बच्चों में बढ़ता जा रहा सिक्स पॉकेट सिंड्रोम व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

आंध्र के वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़ आठ महिलाओं समेत नौ की मौत

भीड़ उमड़ने के कारण सीढ़ियों के पास लगी लोहे की ग्रिल टूटने से हुआ हादसा

- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया दुख, पुलिस बंदोबस्त के लिए नहीं किया गया था आवेदन

काशीबुग्गा (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा में एक मंदिर में भगदड़ मचने से आठ महिलाओं और एक लड़के समेत कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। शनिवार को एकादशी और कार्तिक मास का अवसर होने के कारण मंदिर में भारी भीड़ उमड़ने से यह घटना हुई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इससे पहले श्रीकाकुलम जिला कलेक्टर ने मृतकों की संख्या 10 बताई थी।

श्रीकाकुलम के पुलिस अधीक्षक केवी महेश्वर रेड्डी ने बताया, नौ लोगों की मौत हुई है। एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। उसकी मौत नहीं हुई है। 12 साल के एक लड़के की मौत हुई है। बाकी सभी मृतक महिलाएं हैं। यह एक निजी मंदिर है। यह कोई सरकारी मंदिर नहीं है। इसका निर्माण हाल ही में हुआ है। काशीबुग्गा उपमंडल प्रभारी डीएसपी लक्ष्मण राव ने बताया कि भगदड़ पूर्वाह्न करीब 11:30 बजे काशीबुग्गा शहर के वेंकटेश्वर मंदिर में हुई। रेड्डी ने कहा कि हादसा सीढ़ियों के पास लगी लोहे की ग्रिल के गिरने से हुआ, जिसके बाद लोग डर गए और उन्हें लगा कि कुछ गिर रहा है। उन्होंने कहा, घबराहट के कारण वे लगभग छह फुट की ऊंचाई से गिर गए। चूंकि यह छह फुट की ऊंचाई से गिरा था, इसलिए एक व्यक्ति दूसरे पर गिर गया और इसी वजह से यह हादसा हुआ। यह पूरी तरह से एक दुर्घटना है और मालिक की गलती के कारण ऐसा हुआ है। उन्होंने पुलिस बंदोबस्त के लिए आवेदन नहीं किया था, इसके लिए कोई अनुमति भी नहीं ली गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस घटना पर दुख जताया और मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये और घायलों को 2,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। साथ ही घायलों के स्वस्थ होने की कामना की। वहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी घटना पर दुख जताया।

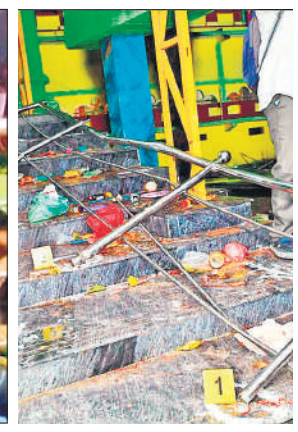

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर मंदिर में मची भगदड़। दाएं : टूटी पड़ी रेलिंग जो हादसे का कारण बनी।

हादसे के जिम्मेदार लोगों पर होगी कार्रवाई : नायडू

घटना पर दुख व्यक्त करते हुए, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा वेंकटेश्वर मंदिर में हुई भगदड़ से मुझे बहुत दुख हुआ है। नायडू ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों और स्थानीय नेताओं को भगदड़ स्थल पर राहत कार्यों की निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। हादसे के जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वी. अनीता ने कहा कि मृतकों में कम से कम सात की उम्र 35-40 वर्ष के बीच है। गृह मंत्री के अनुसार, मंदिर पहली मंजिल पर ऊंचाई पर स्थित है और जब श्रद्धालु चढ़ रहे थे, तो रेलिंग टूट गई, जिससे एक कोने में खड़े लोग गिर गए और कुछ लोग उनके ऊपर गिर पड़े।

दिल्ली में बीएस-4 से निचली श्रेणी के वाहनों की एंट्री बैन

नई दिल्ली, एजेंसी

- बाहरी वाणिज्यिक मालवाहक वाहन को प्रवेश नहीं, 23 टीमें गठित की गईं

राष्ट्रीय राजधानी में बीएस-3 या उससे कम उत्सर्जन मानकों वाले दिल्ली से बाहर पंजीकृत सभी वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध शनिवार को लागू हो गया। परिवहन विभाग ने प्रतिबंध सुनिश्चित करने के लिए यातायात पुलिस के सहयोग से 23 टीम गठित की हैं।

जिन 23 स्थान पर इन टीम को तैनात किया गया है उनमें कुंडली बॉर्डर, रजोकरी बॉर्डर, टिकरी बॉर्डर, आया नगर बॉर्डर, कालिंदी कुंज बॉर्डर, औचंदी बॉर्डर, मंडोली, कापसहेड़ा और बजघेड़ा टोल/द्वारका एक्सप्रेसवे आदि शामिल हैं। अनुमानित 50 से 70 हजार वाहन बीएस-4 से कम उत्सर्जन मानकों वाले हैं। दिल्ली में पंजीकृत वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों, बीएस-4 वाहनों, या सीएनजी, एलएनजी एवं बिजली से चलने वाले वाहनों के प्रवेश पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने 17 अक्टूबर को हुई बैठक में शहर में प्रदूषण की समस्या के मद्देनजर दिल्ली में प्रदूषण फैलाने वाले वाणिज्यिक वाहनों के प्रवेश पर एक नवंबर से व्यापक प्रतिबंध लगाने को मंजूरी दे दी थी।

वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में बरकरार

नई दिल्ली। दिल्ली की वायु गुणवत्ता शनिवार को भी 'खराब' श्रेणी में रही और समग्र एक्यूआई थोड़ा बढ़कर 251 हो गया जो एक दिन पहले 218 था। आठ केंद्रों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 'बेहद खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया। समीर ऐप के अनुसार, वजीरपुर में सबसे अधिक 333 एक्यूआई दर्ज किया गया।

ब्रीफ न्यूज

विमान ईंधन महंगा वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर सस्ता

नई दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार से विमान ईंधन के दाम बढ़ा दिए हैं जबकि 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत में पांच रुपये की कटौती की गई है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में आज से विमान ईंधन की कीमत 777 रुपये (0.83 प्रतिशत) बढ़कर 94,543.02 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। इससे पहले, अक्टूबर में इसकी कीमत तीन प्रतिशत से ज्यादा बढ़ाकर 93,766.02 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई थी।

नक्सल और माओवादी आतंक को खत्म करने की ओर अग्रसर भारत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्मृति चिह्न देते छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष रमन सिंह।

- प्रधानमंत्री ने कहा- लाल झंडे की जगह शान से आज लहरा रहा तिरंगा
- छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में की शिरकत, 14,260 करोड़ के उद्घाटन शिलान्यास किए

नवा रायपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत नक्सलवादी और माओवादी आतंक को खत्म करने की ओर अग्रसर है और आतंकवाद के विनाश की प्रतिज्ञा करके आतंकियों की कमर तोड़ रहा है। लाल झंडे की जगह शान से आज तिरंगा लहरा रहा है। मोदी ने नवा रायपुर, अटल नगर में छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत आतंकवाद के विनाश की प्रतिज्ञा करके आतंकियों की कमर तोड़ रहा है। भारत आज नक्सलवाद, माओवादी आतंक को भी समाज से खत्म करने की दिशा में बढ़ रहा है। भारत अभूतपूर्व विजय के गर्व से भरा हुआ है और गर्व की यही भावना छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए परिसर में चारों तरफ दिख रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा केवल कानून बनाने का स्थान नहीं बल्कि राज्य के भाग्य निर्धारण का केंद्र है। सभी को सुनिश्चित करना होगा कि यहां से निकलने वाले हर विचार में जनसेवा की भावना हो, विकास का संकल्प हो तथा भारत को नयी ऊंचाइयों तक ले जाने का विश्वास हो। उन्होंने कहा, नई विधानसभा भवन के उद्घाटन का असली महत्व हमारे इस सामूहिक संकल्प में है कि हम अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाएं और लोकतंत्र की भावना को बनाए रखें। उन्होंने 14,260 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया।

नागरिक देवो भव: हमारे सुशासन का मंत्र : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना है, एक ऐसे छत्तीसगढ़ की नींव रखनी है जो विरासत से जुड़कर विकास के पथ पर आगे बढ़ सके। नागरिक देवो भव : हमारे सुशासन का मंत्र है, इसलिए विधानसभा के हर निर्णय में जनता के हित को ध्यान में रखकर काम करना होगा। मोदी ने कहा कि कानून ऐसे बनाए जाएं जो सुधारों को गति दें जिससे लोगों का जीवन आसान हो। प्रधानमंत्री ने इस दौरान आतंकवाद और वामपंथी उग्रवाद से निपटने में भारत की सफलता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, पिछले 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने जो परिवर्तन देखा है वह प्रेरणादायी है। कभी यह राज्य नक्सलवाद और पिछड़ेपन से पहचाना जाता था, आज वही राज्य समृद्धि, सुरक्षा और स्थायित्व का प्रतीक बन गया है। विकास की लहर और मुस्कान नक्सल प्रभावित इलाकों तक पहुंच गई है।

छोटे, कम जोखिम वाले व्यवसायों को तीन दिनों में मिलेगा जीएसटी पंजीकरण

नई दिल्ली। छोटे और कम जोखिम वाले व्यवसायों को तीन कार्य दिवसों के भीतर जीएसटी पंजीकरण मिल जाएगा। जीएसटी विभाग शनिवार से छोटे और मझोले व्यवसायों के लिए एक सरल जीएसटी पंजीकरण योजना शुरू कर रहा है।

छोटे और कम जोखिम वाले ऐसे व्यवसाय, जिन्हें वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली डेटा विश्लेषण के आधार पर पहचानती है, वे इस योजना का विकल्प चुन सकते हैं। इसके अलावा ऐसे आवेदक जो खुद आकलन करते हैं कि उनकी कर देयता 2.5 लाख रुपये प्रति माह से अधिक नहीं होगी, वे भी इस योजना के लिए पात्र हैं। केंद्र और राज्य के वित्त मंत्रियों वाली जीएसटी परिषद ने तीन सितंबर की अपनी बैठक में सरलीकृत पंजीकरण योजना को मंजूरी दी थी। इस योजना में स्वैच्छिक रूप से शामिल होने और इससे बाहर निकलने का विकल्प होगा। गाजियाबाद में सीजीएसटी भवन के उद्घाटन के अवसर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि एक नवंबर से शुरू होने वाली सरलीकृत जीएसटी पंजीकरण योजना से 96 प्रतिशत नए आवेदकों को लाभ होने की उम्मीद है।

हमने कभी नमाज के वक्त हमला नहीं किया

रीवा (मप्र), एजेंसी

- सेना प्रमुख ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर सिद्धांतों और तकनीक की मिली-जुली ताकत से किया गया

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सिद्धांतों और तकनीक की मिली-जुली ताकत से लड़ाई लड़ी और पाकिस्तान में नागरिक या सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं ने यह सुनिश्चित किया कि जब प्रार्थना या नमाज अदा की जा रही हो तो कोई कार्रवाई न की जाए।

हमने उन जगहों पर हमला किया जहां आतंकवादी मौजूद थे। हमने ऑपरेशन सिंदूर में अपना लक्ष्य हासिल किया और पाकिस्तान को यह संदेश दिया कि हम उनके जैसे नहीं हैं। मध्यप्रदेश के रीवा जिले में जनरल द्विवेदी ने पत्रकारों से कहा कि भारत ने पड़ोसी देश में सिर्फ आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया। पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने छह और सात मई की दरम्यानी रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया। इन हमलों के कारण चार दिनों तक जबरदस्त झड़पें हुईं जो 10 मई को सैनिक कार्रवाई रोकने की सहमति के साथ खत्म हुईं। जनरल द्विवेदी ने अपने पुराने स्कूल, रीवा सैनिक स्कूल में एक सभा को भी संबोधित किया।

मार्गदर्शन | मुख्यमंत्री ने बच्चों को दीं पुस्तकें और की भावनात्मक अपील, गोरखपुर विश्वविद्यालय में शुरू हुआ नौ दिनी पुस्तक महोत्सव

युवाओं से योगी बोले- स्मार्टफोन की जगह पढ़ें अच्छी पुस्तकें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं से अपील की कि वे स्मार्टफोन पर समय व्यर्थ न करें और अपने समय का उपयोग पुस्तकों में करें। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन पर निर्भरता युवाओं में अवसाद और विचलन बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री मोदी की पुस्तक 'एग्जाम वारियर्स' छात्रों के लिए उपयोगी मार्गदर्शक है।

वे शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित गोरखपुर पुस्तक महोत्सव 2025 की शुरूआत करने के बाद बोल रहे थे। यह नौ दिनी मेला 1 से 9 नवंबर तक चलेगा। नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) और डीडीयू विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस आयोजन में 200 से अधिक स्टॉलों पर विभिन्न विषयों की पुस्तकें उपलब्ध हैं।

गोरखपुर में पुस्तक मेले की शुरुआत करने के बाद छात्राओं को किताबें भेंट करते सीएम योगी।

हर ग्राम पंचायत में पुस्तकालय स्थापित कर रही सरकार

योगी ने कहा कि पुस्तकें नई प्रेरणा देती हैं, इसलिए हर किसी को उनसे जुड़ना चाहिए। सरकार ग्राम पंचायत में पुस्तकालय स्थापित कर रही है। 57,600 पंचायतों में ग्राम सचिवालयों के साथ पुस्तकालय बने हैं और 1.36 लाख प्राथमिक विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी की व्यवस्था की गई है ताकि बच्चों में पढ़ने की संस्कृति विकसित हो।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों से संवाद किया और उन्हें पुस्तकें भेंट कीं। योगी ने कहा कि अच्छी पुस्तकें व्यक्ति की सच्ची साथी और सही मार्गदर्शक होती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों ने ज्ञान को लिपिबद्ध कर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की परंपरा विकसित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का उल्लेख करते हुए सीएम ने कहा कि जब नागरिक पढ़ते हैं तभी देश आगे बढ़ता है। उन्होंने गीता प्रेस, फिराक गोरखपुरी, मुंशी प्रेमचंद और श्रीराम दरस मिश्र का स्मरण करते हुए कहा कि गोरखपुर की भूमि साहित्यिक चेतना से संपन्न है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देवोत्थान एकादशी का शुभ दिन है। भगवान विष्णु की कृपा से यह पुस्तक महोत्सव पूरे प्रदेश में ज्ञान और पढ़ने की संस्कृति के विस्तार का प्रतीक बनेगा।

अमृत विचार
मुरादाबाद , रविवार,2 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

रंग लाई कुंदरकी विधायक की पहल, बाढ़खंड के दो कार्य स्वीकृत

मुरादाबाद, अमृत विचार : कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र में बाढ़ से सुरक्षा के लिए बाढ़खंड के दो कार्य हुए शासन ने स्वीकृत कर दिया है। इसके लिए कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह ने मुख्यमंत्री और शासन स्तर पर पहल की थी। शासन ने 28 अक्टूबर को हुई बैठक में बीकनपुर व लोधीपुर बासु की 400 मीटर कटाव निरोधक कार्य और ग्राम चतरपुर नकटाखेड़ा व भईया नगला की 200 मीटर कटाव निरोधक कार्य की परियोजना को मंजूरी दे दी। क्षेत्र में बाढ़ से हर साल कई गांव के हजारों लोगों की फसलें बर्बाद होती हैं और क्षेत्रवासियों को पानी भरने के कारण हुई गंदगी से बीमारियों का सामना करना पड़ता है। जिसे देखते हुए कुंदरकी विधायक ने मुख्यमंत्री से मिलने के अलावा शासन स्तर पर प्रयास किया था। विधायक रामवीर सिंह ने आगे बताया कि बाढ़ की समस्या को लेकर अभी कुछ अन्य परियोजनाओं के लिए प्रयास कर रहे हैं।

श्री बांकेलाल मेमोरियल पीजी कॉलेज में रोजगार मेला 6 नवंबर को

मुरादाबाद, अमृत विचार : भगतपुर विकास खंड के श्री बांकेलाल मेमोरियल पीजी कॉलेज गढी चांदपुर के परिसर में 6 नवंबर को सुबह 10 .30 बजे से क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय की ओर से एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन होगा। सहायक निदेशक सेवायोजन रत्नेश चंद्र ने बताया कि मेले में निजी क्षेत्र की कंपनियों को आमंत्रित किया गया है। किसी भी ट्रेड में आईटीआई/ डिप्लोमा प्रमाण/हाईस्कूल/इण्टर/स्नातक/ परास्नातक आदि प्रतिभाग कर सकते है। मेले में सम्मिलित होने के लिए सेवायोजन विभाग की वेबसाइट पर अभ्यर्थी पंजीकरण ऑनलाइन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8005383887 अथवा किसी भी कार्य दिवस में क्षेत्रीय कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

युवक गिरफ्तार, 10 किलो गांजा बरामद

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : शनिवार को कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति गांजा लेकर शरीफनगर मार्ग से नागनाथ मंदिर तिराहे की ओर जा रहा है। उपनिरीक्षक कुलदीप कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घेराबंदी कर एक अभियुक्त को पकड़ लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अतुल पुत्र महिपाल सिंह निवासी ग्राम रतुपुरा थाना ठाकुरद्वारा के रूप में हुई है। जबकि उसका साथी कमल पुत्र राकेश, निवासी रतुपुरा, फरार बताया गया है। पुलिस ने कब्जे में भरा 10 किलोग्राम गांजा, एक मोबाइल और बाइक बरामद की।

100 से अधिक जर्जर भवनों में चल रहे बेसिक के विद्यालय

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- **ऑपरेशन कायाकल्प के 19 पैरामीटर के अनुरूप बेसिक के विद्यालयों में संसाधन नहीं**
- **समीक्षा में सामने आए आंकड़े 256 जर्जर भवनों के सापेक्ष 150 को किया जा चुका धवस्त**

अमृत विचार: जिले में बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में आपरेशन कायाकल्प के 19 पैरामीटर के अनुसार विद्यालयों में महत्वपूर्ण संसाधन भी मौजूद नहीं हैं। कई साल के प्रयास के बाद भी अभी 100 से अधिक विद्यालय जर्जर भवनों में संचालित हो रहे हैं। इसकी हकीकत समीक्षा में आंकड़ों के माध्यम से सामने आई।

जिले में बेसिक शिक्षा परिषद के 1403 स्कूल संचालित होते हैं। सीडीओ मृणाली अविनाश जोशी की समीक्षा में बीएसए विमलेश कुमार ने स्वीकार किया कि कुल चिह्नित 256 जर्जर भवनों में से 150 भवनों का ध्वस्तीकरण कराया जा चुका है। शेष 106 में अभी कार्रवाई चल रही है।

वहीं विद्यालयों को निजी स्कूलों की तर्ज पर विकसित करने के विभागीय अधिकारियों व सरकार के दावे की कलई भी खुली। जिसमें ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आदित्य श्रीवास्तव के निरीक्षण में हकीकत सामने आई थी कि एस्ट्रोनॉमी लैब और पुस्तकालयों में पुस्तकों के रखरखाव की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। जिस पर उन्होंने इस बिंदु पर विशेष ध्यान देने की जरूरत बताई। सीडीओ ने सभी बीईओ को निर्देश दिया है कि वह विद्यालयों में पैरेंट्स टीचर मीटिंग नियमित रूप से कराएं।

अमानगढ़ टाइगर रिजर्व खुला, आज से जंगल सफारी का रोमांच उठाएंगे पर्यटक

पर्यटकों को सुनाई देगी बाघ की दहाड़, हाथी की चिंघाड़

कार्यालय संवाददाता मुरादाबाद

अमृत विचार : मुरादाबाद मंडल के बिजनौर जिले का प्रसिद्ध अमानगढ़ टाइगर रिजर्व शनिवार से फिर खुल गया है। पहले दिन विधायक कुंवर सुशांत सिंह और उनकी पत्नी सीपी सिंह ने वन विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में उद्घाटन किया। पर्यटकों को रविवार से प्रवेश दिया जाएगा। यह सफारी अब अगले साल जून तक चलेगी। अधिकारियों के अनुसार फिलहाल तिथि निर्धारित नहीं की गई है। जंगल प्रेमी और पर्यटक यहां वन्यजीवों के रोमांच को करीब से महसूस कर सकेंगे।

अमानगढ़ में रॉयल बंगाल टाइगर की दहाड़, हाथियों की चिंघाड़ और चीतलों के झुंड हर आगंतुक को आकर्षित करते हैं। इस बार सफारी

उद्घाटन करते विधायक कुंवर सुशांत सिंह व वन विभाग के अधिकारी। ● अमृत विचार

- **बिजनौर जिले में स्थित टाइगर रिजर्व का विधायक कुंवर सुशांत सिंह ने किया उद्घाटन**

तय समय से पहले शुरू की गई है। आमतौर पर यह 15 नवंबर से प्रारंभ होती थी, लेकिन इस वर्ष पर्यटकों की सुविधा के लिए पहले ही शुरू कर दी गई। सफारी का समय शीतकालीन सत्र (नवंबर से मार्च): सुबह 7 बजे से 10 बजे तक, शाम 2 बजे से 5 बजे तक और ग्रीष्मकालीन सत्र (अप्रैल से जून): सुबह 6 बजे से साढ़े 9 बजे तक, शाम 3 बजे से सूर्यास्त तक है।

सफारी की व्यवस्था

वन संरक्षक रमेश चंद्र ने बताया कि पर्यटकों के लिए सुबह और शाम की दो शिफ्ट रखी गई हैं। दोनों शिफ्टों में कुल दस जिप्सी जंगल में प्रवेश करेंगी। अभी किराए और ट्रैक में कोई बदलाव नहीं किया गया है। 32 किलोमीटर लंबा यह रोमांचक सफर प्रवेश द्वार से झीरना गेट तक चलता है। बीच में तीन वाटर होल हैं, जहां वन्यजीवों को पानी पीते देखना आम नजारा है।

बेहतर सुविधाएं और तैयारियां : वन विभाग ने पर्यटकों की सुरक्षा के लिए ट्रैक के दोनों ओर व्यू लाइन को साफ कर दिया है और रास्तों की मरम्मत भी की गई है। कैफेटेरिया और कैंटीन में नाश्ते की भी व्यवस्था की गई है।

डीएफओ, बिजनौर जय सिंह कुशवाहा ने बताया कि रविवार से पर्यटकों को प्रवेश दिया जाएगा। उम्मीद है कि इस सत्र में पहले से अधिक सैलानी अमानगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने पहुंचेंगे।

किराया और प्रवेश शुल्क

- जिप्सी शुल्क : 2,280 रुपये
- गाइड शुल्क : 400 रुपये
- वाहन प्रवेश शुल्क : 300 रुपये प्रति व्यक्ति
- प्रवेश चार्ज : 100 रुपये

4340 ने दी पुलिस भर्ती परीक्षा, 6222 रहे अनुपस्थित

पहले दिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ नकलविहीन और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराई परीक्षा, 26 केंद्रों पर पंजीकृत थे 10,560

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : पुलिस विभाग में कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए की भर्ती परीक्षा शनिवार को जिले के 26 केंद्रों पर कराई गई। पुलिस के कड़े पहरे में पंजीकृत 10562 परीक्षार्थियों में 4340 ने परीक्षा दी जबकि 6220 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। उपस्थित का प्रतिशत सिर्फ 41.09 प्रतिशत रहा। रविवार को दूसरे दिन एसआई, एएसआई एम और एएसआई) लेखा अधिकारी तथा ऑफिस स्टाफ पद की परीक्षा कराई जाएगी।

शनिवार को पुलिस भर्ती की परीक्षा के लिए 26 केंद्रों पर प्रबंध किए गए थे। केंद्रों के बाहर सुबह आठ बजे से ही लंबी कतारों में परीक्षार्थी खड़े दिखाई दिए। परीक्षा के लिए 10560 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। बाहर से आए बहुत से परीक्षार्थी शुक्रवार की रात ही पहुंच गए थे। इसलिए वह सुबह जल्दी केंद्रों पर पहुंच गए। कई केंद्रों पर सुबह 4 बजे ही परीक्षार्थी खड़े दिखे। गहन तलाशी के बाद परीक्षार्थियों को केंद्र में प्रवेश दिया गया। परीक्षा

परीक्षा केंद्र से परीक्षा देकर बाहर आते परीक्षार्थी। ● अमृत विचार

- **आज एसआई, एएसआई एम, एएसआई, लेखा अधिकारी की होगी परीक्षा**

के नोडल एसपी लाइन सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि सुबह 10 बजे से 12 बजे तक एक पाली में कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए तथा ऑफिस स्टाफ की परीक्षा पुलिस सुरक्षा के बीच हुई। इसके लिए 10,560 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था। उन्होंने बताया कि 6220 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ी है, मात्र 4340 परीक्षार्थी परीक्षा में बैठे हैं। परीक्षा देकर लौट रहे छात्र-छात्राओं ने बताया की प्रश्न पत्र में आए 160 सवालों में 80 कंप्यूटर, 40 सवाल सामान्य ज्ञान और 40 सवाल रिजनिंग के थे। कुछ छात्रों ने जीके के सवालों को कठिन बताया तो कुछ ने रीजनिंग के सवालों में उलझने की बात की। केंद्र से बाहर आते हुए कुछ के चेहरे पर पेपर ठीक न होने की झलक थी तो कुछ के चेहरे खिले हुए थे। परीक्षा के नोडल सुभाष गंगवार ने बताया कि सभी केंद्रों पर परीक्षा सकुशल संपन्न हुई, कहीं से भी किसी सॉल्वर या नकलची के पकड़े जाने की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि 2 नवंबर (रविवार) को सुबह 10 बजे से 12:30 बजे तक एसआई (गोपनीय), एएसआई (लिपिक) और एएसआई (लेखा) पदों के लिए परीक्षा होगी। इसके लिए 24 केंद्र बने हैं। जिन पर 9,840 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे।

एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि परीक्षा के दौरान सभी सीओ और एसएचओ अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण करते रहे। केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था पर पुलिस की नजर बनी रही। बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हुई। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए ई-रिक्शा की व्यवस्था भी की गई थी, जिससे वह समय पर केंद्र तक पहुंच सकें। परीक्षा नकलविहीन और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराई गई।

प्रत्येक केंद्र पर लगी थी 20 से 22 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी

परीक्षा की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक केंद्र पर 20 से 22 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। कुल 1,100 पुलिसकर्मी परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में लगाए गए थे। सभी परीक्षा केंद्रों की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की गई थी। हर केंद्र पर एक-एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट, जबकि सेक्टर और जोन स्तर पर मजिस्ट्रेट भी मौजूद रहे।

सॉल्वर गैंग पर विशेष निगरानी

अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए ई-रिक्शा की व्यवस्था भी की गई है ताकि वे समय पर परीक्षा केंद्र तक पहुंच सकें। एसपी सिटी ने बताया कि परीक्षार्थियों को कल भी परीक्षा में शामिल होना है जिसके लिए परीक्षार्थी मुरादाबाद जिले में आश्रय लिए हैं। उन्होंने बताया कि परीक्षा नकलविहीन और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराई गई। सॉल्वर गैंग पर विशेष निगरानी रखी गई है, हालांकि (एसआई, एएसआई और एएसआई) परीक्षा बाकी है।

प्रश्न पत्र में जीके के सवाल एवरेज से ऊपर थे, वहीं कंप्यूटर और रीजनिंग के सवाल आसान थे। सभी सवाल हल किए है। मैंने कंप्यूटर आपरेटर के पद के लिए परीक्षा दी है। परीक्षा में निगेटिव मार्किंग नहीं होने के कारण सभी सवाल हल किए हैं। – पंकज कुमार, एटा

मुझे सभी 160 सवालों में रीजनिंग के सवालों में परेशानी नहीं हुई। जीके से संबंधित सवाल थोड़े मुश्किल थे, लेकिन फिर भी 110 सवाल हल किए है। प्रश्न पत्रा आसान था कुछ कंप्यूटर से संबंधित सवालों ने परेशान कर दिया। – वैभव सिंह, बुलंदशहर

बरेली से परीक्षा देनी आई हूं, जीके सवाल कुछ ज्यादा पुराने थे जिन्होंने कुछ देर परेशान लेकिन 40 सवालों में 35 सवाल हल किए है। कंप्यूटर से संबंधित 80 सवालों में 60 सवाल हल किए हैं। परीक्षा में नेगेटिव मार्किंग न होने के कारण अधिक सवाल करना आसान रहा। – संचिता सिंह

पेपर बहुत आसान था साथ ही निगेटिव मार्किंग न होने कारण अधिक सवाल करने में डर नहीं लगा। जीके सवाल जरूर कुछ पुराने थे। लेकिन तैयारी करने वाले रीजनिंग और जीके दोनों विषय के सवाल आसान थे। – आकाश कुमार, सहारनपुर

एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि परीक्षा के दौरान सभी सीओ और एसएचओ अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण करते है। केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था पर पुलिस की नजर बनी रही। बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हुई।

युवती से दुष्कर्म के दोषी को 10 वर्ष का कारावास

रामपुर, अमृत विचार : शादी के नाम पर युवती से दुष्कर्म करने में एफटीसी प्रथम कोर्ट ने दोषी को 10 वर्ष की सजा और 11 हजार का जुर्माना लगाया है।

बिलासपुर थाना क्षेत्र के गांव निवासी युवती का कहना था कि उसके पिता बिलासपुर में काम किया करते थे। वह भी अपने पिता के पास रहने चली जाती थी। वहां उसका रिश्तेदार इमरान भी रहता था। उसका घर पर आना जाना था। उसने अकेला पाकर युवती को शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाए। बाद में शादी से इंकार किया। इस मामले में बिलासपुर थाने में तहरीर दी गई थी। जिसके बाद पुलिस ने इमरान, शकीला, सबीना और रफी पर रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। चार्जशीट आरोपी इरफान के खिलाफ आई थी। जिसकी सुनवाई एफटीसी प्रथम की कोर्ट में हो रही थी। शनिवार को न्यायिक अधिकारी सुमित पवार ने दोषी को 10 साल की सजा सुनाई। एडीजीसी कुमार सौरभ ने बताया कि दुष्कर्म में दोषी इमरान को 10 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 25000 का जुर्माना, 504 में 1 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000 जुर्माना की सजा सुनाई। जुर्माना की धनराशि की 50 प्रतिशत राशि पीड़िता को दी जाएगी।

हाईकोर्ट बेंच के लिए वकीलों की नारेबाजी

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : बार एसोसिएशन के बैनर तले अधिवक्ता शनिवार को बार सभागार में एकत्रित हुए। अधिवक्ताओं ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना को लेकर विचार रखे।

शनिवार को बार अध्यक्ष सतनाम सिंह मट्टू के नेतृत्व में बार सभागार में एकत्र अधिवक्ताओं ने गेट पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना को लेकर आक्रोश जताया। कलेक्ट्रेट पहुंचे और प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम अजय कुमार द्विवेदी को सौंपा। कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट प्रयागराज में है। जिसकी एक बेंच लखनऊ में है। जहां आसपास के 15 जिलों का क्षेत्राधिकार दिया गया है, लेकिन पश्चिमी के सभी 22 जिलों का क्षेत्राधिकार इलाहाबाद दिया गया है। सुगम एवं सुलभ न्याय पाना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन सहारनपुर से इलाहाबाद हाईकोर्ट की दूरी 850 किमी. से अधिक है। प्रयागराज से सबसे नजदीक जनपद

बार सभागार के गेट पर मौजूद अधिवक्ता। ● अमृत विचार

- **प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा**

रामपुर व आगरा पड़ते हैं उनकी भी दूरी 500 किमी. से अधिक है, ऐसे में प्रयागराज जाकर पैरवी करना बहुत मुश्किल है। पश्चिमी उप्र की सीमा से सटा दिल्ली हाईकोर्ट है और उत्तर प्रदेश की सीमा से उत्तराखंड हाईकोर्ट नैनीताल मात्र 90 किमी है। शिमला हाईकोर्ट मात्र 150 किमी है। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट चंडीगढ़ प्रदेश की सीमा से मात्र 80 किमी. की दूरी पर है, लेकिन पश्चिमी के अधिवक्ताओं व वादकारियों के साथ यह अन्याय है कि उनका हाईकोर्ट इलाहाबाद उनसे 500 से 850 किमी. की दूरी पर स्थित है। प्रदेश में अधिवक्ताओं के साथ आएदिन अप्रिय घटनाएं घटती हैं। ज्ञापन के माध्यम से मांग उठाई कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अधिवक्ताओं व वादकारियों को राहत देने के लिए पश्चिमी में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना, अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने करने की मांग की। इस मौके पर ठाकुर कौशलेंद्र सिंह, जाहिद अली, रिजवान अली, रईस अहमद, रोहित कुमार शर्मा, फारूक अहमद, राहुल गुप्ता, रोहित कुमार आदि मौजूद रहे।

341 करोड़ की कर चोरी में 9 लोगों पर केस पंजीकृत

कार्यालय संवाददाता,मुरादाबाद

- **सचल दल ने फर्जी जीएसटी पंजीकरण से कई प्रांतों में राज्य कर चोरी का पकड़ा था नेटवर्क**
- **कांठ में रोके गए मालवाहक वाहन में लदे लोहे के स्क्रैप के दस्तावेजों में मिली थी गड़बड़ी**

अमृत विचार: राज्य कर विभाग की सचल दल इकाई द्वितीय मुरादाबाद ने फर्जी जीएसटी पंजीकरण से किए जा रहे कर चोरी के बड़े नेटवर्क का खुलासा जांच के दौरान किया। टीम ने कांठ रोड पर मालवाहक वाहन को रोका, जिसमें लदे लोहे के स्क्रैप से संबंधित दस्तावेजों में भारी गड़बड़ी मिली। जिसमें राज्य कर सचल दल की ओर 9 लोगों के खिलाफ 341 करोड़ की धोखाधड़ी में अभियोग पंजीकृत करा दिया। जिसके बाद अब पुलिस जांच में जुट गई है।

राज्य कर विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अंकित कुमार पुत्र राजेन्द्र कुमार, निवासी लखनऊ ने कर चोरी की नीयत से जालसाजी कर फर्जी रेंट एग्रीमेंट तैयार कराया और उसके आधार पर एके इंटरप्राइजेज के नाम से पंजीकरण कराने के मामले में अब पुलिस जांच करेगी। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि अंकित कुमार के मोबाइल नंबरों 7678311461 और 8092054537 से देशभर में 124 फर्जी जीएसटी फर्में पंजीकृत की गई हैं। जिसमें कई प्रांतों में 341 करोड़ राज्य कर चोरी में जांच के लिए टीम गठित की गयी है। प्रकरण में राज्य कर विभाग की तहरीर पर थाना सिविल लाइन्स, मुरादाबाद में अंकित कुमार, वाहन चालक सुहैल पुत्र नूर हसन, ट्रांसपोर्ट कंपनी के स्वामी विपिन कपूर व फर्जी क्रेता फर्म के स्वामी सौरभ मिश्रा के विरुद्ध धोखाधड़ी में दर्ज मुकदमे से संबंधित दस्तावेजों की जांच की जाएगी। जांच में दोषी मिलने पर कार्रवाई होगी।

सोलर पावर प्लांट लगवाने में मंडल में रामपुर प्रथम

रामपुर, अमृत विचार : पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत जिले में बेहतर कार्य करते हुए शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य 1959 के सापेक्ष अब तक 2500 से अधिक सोलर पावर प्लांट की स्थापना की गई है।

मंडल में बेहतर प्रदर्शन करते हुए जिले को प्रथम स्थान मिला है। जनपदवार सोलर पावर प्लांट संयंत्र स्थापना में अमरोहा में 452, संभल में 938, मुरादाबाद में 2303, बिजनौर में 2439 के सोलर पावर प्लांट स्थापित किए हैं। जनपद में रामपुर में अब तक 2556 सोलर पावर प्लांट की स्थापना की जा चुकी है। जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी परियोजना अधिकारी यूपीनेडा सूर्य प्रकाश ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशन में सभी बैंकर्स, विद्युत विभाग एवं अधिकृत वेंडर्स के सहयोग से निर्धारित लक्ष्य से अधिक संयंत्रों की स्थापना की गई है।

बिहार में इंडिया गठबंधन के लिए चुनाव अहम : इकरा

आजम खां और उनके परिवार के साथ सांसद इकरा हसन व विधायक नाहिद हसन।

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- **शुक्रवार रात आजम खां से मिलने रामपुर आईं सांसद इकरा**

अमृत विचार : सपा विधायक कमाल अख्तर के पिता की मौत में शामिल होने के बाद कैराना सांसद शुक्रवार शाम शहर के मोहल्ला मीरबाज खां स्थित आजम खां के आवास पर पहुंचीं। उन्होंने कहा कि बिहार के लिए यह चुनाव जरूरी है। इंडिया गठबंधन के लिए भी अहम है कहा कि जनता जागरूक है और सही फैसला लेगी।

सांसद इकरा हसन ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वह पूर्व मंत्री का हालचाल लेने आईं हैं। राजनीतिक नहीं पारिवारिक मुलाकात थीकैराना सीट से विधायक उनके भाई नाहिद हसन साथ रहे। पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम, पूर्व सांसद डॉ. तजीन फातिमा से भी मुलाकात की। इसके बाद मीडिया से बातचीत में सांसद ने कहा कि आजम खां उनके परिवार के सदस्य हैं। 2027 के चुनाव पर बोलीं यह पार्टी की बात है। बिहार में प्रचार करेंगी। पूर्व मंत्री आजम बोले, सभी का स्वागत है।

परेशानी | 20 से 25 मरीज रोज मंकी बाइट के पहुंच रहे

आतंक : रोजाना 80 से अधिक लोगों को काट रहे कुत्ते

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : जिले में कुत्तों का आतंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है। हर रोज कुत्ते लोगों को काट कर जख्मी कर रहे हैं। कुत्तों के काटने से पीड़ित प्रतिदिन 70-80 लोग जिला अस्पताल में एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने के लिए पहुंच रहे हैं। वहीं, 20 से 25 मरीज रोज मंकी बाइट के भी आ रहे हैं।

गली-मोहल्ले, कॉलोनियों में लोगों के लिए कुत्ते परेशानी का सबब बने हुए हैं। हाल यह है कि जिला अस्पताल में एंटी रेबीज वैक्सीन (एआरवी) लगवाने के लिए मरीजों की सुबह से ही कतार लगनी शुरू हो जा रही है। ठीक यही स्थिति सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की है।

कुत्ते महिलाओं और बच्चों पर अधिक हमला कर रहे हैं। गांव में बढ़ती इनकी संख्या इसका मुख्य कारण है। एआरवी कक्ष में प्रभारी डॉ. मोनिका ने बताया कि कुत्तों के पास से गुजरते समय उन्हें खुद पर हमले की आशंका होती है तो अपने बचाव के लिए वे लोगों पर हमला कर देते हैं। हालांकि, अस्पताल में एआरवी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

जिला अस्पताल में एआरवी लगवाने के लिए लगी मरीजों की लाइन। ● अमृत विचार

- **जिला अस्पताल के एआरवी विभाग की ओपीडी में सुबह से लग रही मरीजों की कतार**

काट ले तो क्या करें

डॉ. मोनिका ने बताया कि घाव को अच्छी तरह से धोएं। घाव पर कम से कम 10-15 मिनट पानी की धार डालें। घाव पर पट्टी बांधकर तत्काल नजदीक के डॉक्टर के पास पहुंचे। 24 घंटे के भीतर एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाएं।

तिगरी गंगा मेले के लिए विशेष बसों की व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता,मुरादाबाद

- **परिवहन निगम की 155 बसें श्रद्धालुओं को लाने और ले जाने की व्यवस्था में रहेंगी**

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश सड़क राज्य परिवहन मुरादाबाद परिक्षेत्र की ओर ये गंगा मेले पर यात्रियों को लाने ले जाने के लिए सारी तैयारी कर ली हैं। सभी डिपो से तिगरी मेले में जाने वाले यात्रियों के बसों के आवंटन कर दिए गए है। मुरादाबाद परिक्षेत्र के सभी डिपो 155 बसों को तिगरी मेले के लगाया गया है। कार्तिक पूर्णिमा पर्व पर अमरोहा की तहसील धनौरा स्थित गंगा तट तिगरी पर लगने वाला प्रसिद्ध मेला इस वर्ष 28 अक्टूबर से 6 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है।

शनिवार को मुख्य सेवा प्रबंधक रोडवेज परीक्षेत्र अनुराग यादव ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। मेला संचालन की जिम्मेदारी अमरोहा डिपो को सौंपी गई है। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक कृष्ण चन्द्र को तिगरी मेला अधिकारी नामित किया गया है, जबकि सहायक लेखाधिकारी नवीन गुप्ता सहयोगी मेला अधिकारी रहेंगे। वरिष्ठ लिपिक नाजिर हुसैन को मेला प्रभारी बनाया गया है तथा बुकिंग लिपिक शैलेन्द्र कुमार उनके साथ तैनात रहेंगे।

मेले में जाम न लगे, इसके लिए अस्थायी बस स्टेशन, कंट्रोल रूम, और मार्ग चेकिंग दल तैनात रहेंगे। नजीबाबाद, चांदपुर, धामपुर, बिजनौर, पीतल नगरी, चंदौसी संभल , मुरादाबाद और अमरोहा डिपो से यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी। सभी संबंधित डिपो में 3 नवंबर से 6 नवम्बर तक 24 घंटे सक्रिय कंट्रोल रूम बनाए जा रहे हैं। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक अमरोहा डिपो द्वारा मेले में अस्थायी बस स्टेशन, हैंडपंप, उद्घोषणा यंत्र, टेंट, प्राथमिक उपचार किट, अग्निशमन यंत्र और पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था कराई जा रही है। इस वर्ष मेले में विभिन्न डिपो से कुल 155 बसें लगाई गई हैं। परिवहन निगम प्रशासन ने बताया कि बसों के संचालन पर निगरानी रखने के लिए नियंत्रण कक्ष बनाए गए हैं।

कहां के लिए चलेंगी कितनी बसें

मुरादाबाद तिगरी के लिए 50 बसें, 20 बसें और रामपुर डिपो ली गई है। पीतलनगरी डिपो से 20 बसें चलाई जाएंगी। चंदौसी–संभल से तिगरी मार्ग पीतल नगरी 05 बसों का संचालन किया जाएगा। अमरोहा तिगरी के लिए अमरोहा डिपो से 40 बसों का संचालन किया जाएगा। इसके अलावा धामपुर तिगरी के धामपुर डिपो की 15 बसें और चांदपुर से तिगरी के लिए चांदपुर डिपो की 5 बसें श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए लगाई गई हैं। कुल मिलाकर 155 बसें गंगा तिगरी मेले में विशेष रूप से तैनात की गई हैं।

तिगरी मेले में जाने के निर्धारित किराया

- चंदौसी से तिगरी 90 किलोमीटर का किराया 125 रुपये
- अमरोहा से तिगरी 39 किलोमीटर का किराया 60 रुपये
- मुरादाबाद से जिगरी 95 किलोमीटर का किराया 158 रुपये

न्यूज ब्रीफ

अलग-अलग दुर्घटनाओं में दो लोग घायल

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : अलग-अलग दुर्घटनाओं में दो बाइक सवार घायल हो गए। कोतवाली क्षेत्र के गांव कमलापुरी निवासी नासिर पुत्र इबीले हसन बाइक से ठाकुरद्वारा लौट रहे थे। गांव के निकट पहुंचे तभी सामने से तेज रफ्तार ट्रैक्टर चालक ने बाइक में टक्कर मार दी जिससे नासिह घायल हो गया। परिजनों ने सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। दूसरे हादसे में दोपहर बाद कमलापुरी निवासी सुरेश कुमार पुत्र सांवले सिंह बाइक से ठाकुरद्वारानगर में रामपाल द्वारा जा रहे थे। बाइक उनकी ब्लॉक के निकट पहुंची तभी पीछे से तेज रफ्तार डंपर चालक ने टक्कर मार दी जिसमें वह गिरकर घायल हो गए। घटना के बाद डंपर चालक डंपर सहित फरार हो गया। घायल को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल को हायर सेंटर रेफर कर दिया।

विंटर कप ताइक्वांडो प्रतियोगिता आज

मुरादाबाद, अमृत विचार : 2 नवंबर को आरएसडी एकेडमी में जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अंतर्गत एक दिवसीय द्वितीय विंटर कप ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसमें मुरादाबाद मंडल के लगभग 15 विद्यालयों के 250 से अधिक खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव शाहवेज़ अली ने बताया कि यह प्रतियोगिता खिलाड़ियों को ताइक्वांडो खेल में उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए आयोजित की जाती है। प्रतियोगिता का शुभारंभ रविवार सुबह 10:00 बजे व समापन शाम 5:00 बजे मुख्य अतिथि द्वारा किया जाएगा।

चोरी का आरोपी गिरफ्तार बाइक बरामद

पाकबड़ा, अमृत विचार : पाकबड़ा थाने की पुलिस ने शनिवार को एक चोर को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक लोहे की प्लेट और घटना में प्रयुक्त काले रंग की बाइक बरामद की है। स्थानीय थाने के अन्तर्गत दिल्ली हाईवे पर सीएनजी पंप के पास ओवरब्रिज के कार्य में लगे कंपनी के सामान चोरी हुई थी। कमल सिंह पुत्र खेमसिंह निवासी ग्राम सुल्तानपुर फलैदा थाना पाकबड़ा की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज की थी। शनिवार को पुलिस ने चोरी के आरोपी सुनील कुमार पुत्र सुरेंद्र शर्मा निवासी ग्राम लोधीपुर थाना पाकबड़ा को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक लोहे की प्लेट, 2 सरिया लम्बाई करीब 2 फिट और घटना में प्रयुक्त काले रंग की प्लेटिना बाइक बरामद की गई।

मैसूर के रेवन सिद्ध नागराज ने दिल्ली के चंद्रभूषण को हराया

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

विजेता को ट्रॉफी देते अतिथि।

अमृत विचार : डॉ भीमराव आंबेडकर अकादमी में चड्ढा इंफ्राटेक द्वारा छह दिन से चल रहे टेनिस टूर्नामेंट के अंतिम दिन शनिवार को एक मैच 60 आयु वर्ग का मैसूर के रेवन सिद्ध नागराज और दिल्ली के चंद्रभूषण के बीच खेला गया।

सुबह 8:30 बजे मुंबई से आए टूर्नामेंट रेफरी एंट्रेंस डिसूजा ने मैच की उद्घोषणा कर मैच प्रारंभ कराया। प्रारंभ से ही रेवंत सिद्ध नागराज ने जबरदस्त तरीके से चंद्रभूषण के खिलाफ खेल जारी रखते हुए पहले मैच में 6- 1 के स्कोर से पराजित किया। ब्रेक लेने के 8 मिनट बाद दूसरा मैच शुरू हुआ। इसमें चंद्र भूषण स्पोर्ट्स स्टेडियम के सीनियर कोच ने वापसी करते हुए 2- 1 से बढ़त

- टेनिस टूर्नामेंट का समापन

हासिल की। लेकिन समय नागराज के साथ था और उन्होंने 6-2 से सीधे सेट में चंद्रभूषण को पराजित कर एमटी 200 सिंगल्स के विजेता का ताज हासिल कर लिया। इस दौरान टूर्नामेंट डायरेक्टर अवनीश रस्तोगी, राहुल अग्रवाल, राजेंद्र सिंह, कुलदीप कुमार, डॉ. मनु, डॉ. पीके गुप्ता, संजीव जैन, करनवीर, अवनीश आदि मौजूद रहे।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में डीएम ने मातहतों को दिए दिशा-निर्देश

निष्क्रिय आशाओं को नोटिस जारी कर पद से हटाएं

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : डीएम अनुज सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट में जिला स्वास्थ्य समिति की मासिक समीक्षा बैठक हुई। उन्होंने स्थागत प्रसव कराने में उदासीनता बरतने वाली आशाओं को चिह्नित कर उनको नोटिस जारी कर पद से हटाने की कार्रवाई करने का निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि 75 आशाएं ऐसी हैं जिन्होंने अप्रैल से अब तक एक भी संस्थागत प्रसव नहीं कराया है। जिस पर नाराजगी जताते हुए डीएम ने आशाओं को नोटिस जारी कर पद से हटाने के निर्देश दिए। जिले में ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में 135 आशा कर्मी के रिक्त पदों पर चयन की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा। ग्रामीण क्षेत्रों में वजन मशीन और अन्य उपकरणों की उपलब्धता की समीक्षा के दौरान सीएमओ ने बताया कि 170 आंगनबाड़ी केंद्रों पर उपकरण खरीदकर आपूर्ति का लक्ष्य था, जिसके सापेक्ष 128 केंद्रों के लिए खरीद व आपूर्ति प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। शेष 42 के संबंध में खरीद प्रक्रिया जारी है। निर्देश दिया कि जिले के निजी अस्पतालों में होने वाले प्रसव का विवरण एचएमआईएस और सीआरएस पोर्टल पर दर्ज करना होगा। इसे सख्ती से प्रभावी बनाएं।

पोषण पुनर्वास केंद्र गंभीर अति कुपोषित बच्चों (सैम श्रेणी) को भर्ती करके उन्हें सुपोषण की श्रेणी में लाने के लिए संचालित है। उन्होंने चिकित्साधिकारियों और जिला कार्यक्रम अधिकारी को जरूरतमंद बच्चों को एनआरसी में भर्ती कराने में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी, डीपीआरओ आलोक शर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारी आदि मौजूद रहे।

स्वास्थ्य उप केंद्र के लिए भूमि चिन्हांकन को तहसील से बनाएं समन्वय

जिले में 102 स्वास्थ्य उप केंद्र भवनों के निर्माण के लिए भूमि का चिन्हांकन किया जाना है जिसके सापेक्ष अब तक 12 स्थानों का चयन किया गया है। इस पर डीएम ने कहा कि संबंधित हसील प्रशासन से समन्वय कर स्थान चयन में तेजी लाएं।

साक्षात्कार के माध्यम से कर रहे चिकित्साधिकारियों का चयन

वाक इन इंटरव्यू के माध्यम से चिकित्साधिकारियों के चयन की समीक्षा के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि अब तक 39 का चयन किया जा चुका है। शेष 12 रिक्त पदों पर चयन के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

जन औषधि केंद्रों पर रहे पर्याप्त दवा

जिले में संचालित जन औषधि केंद्रों पर दवाओं की उपलब्धता के बारे में जिलाधिकारी ने नोडल अधिकारी से जानकारी ली। कहा कि निर्धारित गाइडलाइन के अनुरूप जन औषधि केंद्रों पर दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराना विभागीय अधिकारियों की जिम्मेदारी है, जिससे आमजन को इसका लाभ मिल सके।

उठो देव जागो देव से गूंजे घर-आंगन

देवोत्थान एकादशी पर व्रत कर श्रद्धालुओं ने जगाए देव, तुलसी-शालिग्राम विवाह कराया

दीनदयाल नगर स्थित शिव दुर्गा संकट मोचन मंदिर पर दीपदान करतीं महिलाएं।

तुलसी शालिग्राम विवाह उत्सव में भव्य शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालु।

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : उठो देव... बैठो देव... जागो देव... दूध कटोरा पियो देव... की स्तुति के साथ शनिवार को देवोत्थान एकादशी पर घर-घर में सोये हुए देवों को जगाया गया। विधि विधान के साथ भगवान विष्णु की आराधना की गई। इसके साथ ही मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो गई। कुछ लोग रविवार को भी एकादशी का व्रत रखेंगे।

चार महीने से शयन कर रहे देव (श्रीहरि विष्णु) देवोत्थान एकादशी पर जागे। तुलसी-शालिग्राम का विवाह कराया गया। मंदिरों और घरों में भी विशेष पूजा-अर्चना की गई। सिंघाड़े, गन्ना और मूंगफली से भगवान को भोग लगाया गया। भगवान विष्णु देवशयनी एकादशी पर शयन के लिए चले गए थे, इसलिए चार महीने तक शादी आदि मांगलिक कार्य ठप पड़े हुए थे। अब देवोत्थान एकादशी पर विवाह के शुभमुहूर्त एवं अन्य शुभ कार्यों की भी विधिवत रूप से शुरुआत हो गई। हालांकि इस बार सहालग काफी कम हैं, इसलिए देवोत्थान के दिन शहर और देहात क्षेत्र में करीब 450 से अधिक नए जोड़े विवाह के पवित्र बंधन में बंधे। इस दौरान शहनाई गूंजी और बैंडबाजे बजे। स्थिति यह है कि महानगर का कोई भी होटल, फार्म हाउस, मैरिज होम, गेस्ट हाउस, धर्मशाला खाली नहीं है।

ज्योतिषाचार्य पंडित दीपक कृष्ण उपाध्याय ने बताया कि पंचांग के अनुसार भगवान श्री लक्ष्मीनारायण की पूजा के लिए समर्पित देवोत्थान (देवउठनी) एकादशी शनिवार व रविवार दोनों दिन मनाई जाएगी।

तुलसी शालिग्राम विवाह में निकाली गई वर यात्रा

देवोत्थान एकादशी पर शनिवार को तुलसी-शालिग्राम विवाह उत्सव में वर यात्रा कोर्ट रोड प्राचीन श्री दुर्गा मंदिर से निकाली गई। इसमें श्रद्धालुओं ने शामिल होकर सहयोग किया। श्री इंद्रेश हंसराज वाल्मीकि सेवा अभियान की ओर से वर यात्रा का स्वागत पुष्प वर्षा से किया गया। श्रद्धालुओं को जलपान और व्रत प्रसाद वितरित किया गया। मुख्य आयोजिका लक्ष्मी देवी ने कहा कि धार्मिक मान्यता के अनुसार देवोत्थान एकादशी का विशेष महत्व होता है। कार्तिक मास से इस दिन से ही शुभ कार्यों की शुरुआत होती है। इस दिन बिन सुझाए विवाह होते हैं। प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय योगी सेना आशीष हंसराज ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस दौरान संगठन के मंडल अध्यक्ष पंकज महंत, महानगर प्रभारी धर्मेंद्र के अलावा संजू वाल्मीकि, धर्मयज्ञ रामकिशोर, एडवोकेट इंद्रालता, सुरेंद्र गुप्ता, राहुल जाटव आदि मौजूद रहे।

त्रिपर्शा योग में मनेगी देवउठनी एकादशी

इस बार 2 नवंबर को देवउठनी एकादशी त्रिस्पर्शा योग में मनाई जाएगी। एक ही दिन में एकादशी, द्वादशी और त्रयोदशी तीनों तिथियां स्पर्श करेंगी। ज्योतिषाचार्य पंडित केदार मुरारी ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की तिथि 1 नवंबर को सुबह 09:11 मिनट पर शुरू होकर इसका समापन 2 नवंबर को सुबह 07:31 मिनट पर होगा। उदया तिथि में इस साल देवउठनी एकादशी 2 नवंबर को मनाई जाएगी। इस बार देवोत्थान एकादशी त्रिस्पर्शा योग में मनाई जाएगी। त्रिस्पर्शा योग एक दुर्लभ संयोग है जब एक ही दिन में एकादशी, द्वादशी और रात्रि के अंतिम पहर में त्रयोदशी तिथि आती है। इसे पद्म पुराण में वर्णित एक विशेष योग बताया गया है।.

होटल से लेकर बैंक्वेट हॉल सब बुक

महानगर में 50 से अधिक होटल, 250 बैंक्वेट हॉल, 20 फार्म हाउस, 250 छोटे-बड़े मैरिज होम हैं। देवोत्थान एकादशी के दिन सभी बुक रहे। कुछ लोगों ने बुकिंग न मिलने के चलते खुले में टेंट लगाकर मांगलिक कार्यक्रमों को किया।

विश्वकल्याण और मोक्ष दायनी है श्रीराम कथा

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

कथा सुनाते कथा वाचक व्योम त्रिपाठी।

- पुलिस लाइन मंदिर में संगीत मय नवदिवसीय श्रीराम कथा का सातवां दिन

अमृत विचार: कुंज बिहारी महिला मंडल के तत्वावधान में सिविल लाइन स्थित पुलिस लाइन मंदिर में चल रही संगीतमय नवदिवसीय श्री राम कथा के सातवें दिन शनिवार को कथावाचक आचार्य व्योम त्रिपाठी ने राम वनवास संवाद का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि हम कथा में प्रतिदिन बैठ रहे और कथा हमारे अंदर कितनी बैठ रही है इस पर चिंतन करना चाहिए। घर में कथा की याद आ रही है यह बहुत ही श्रेष्ठ है, लेकिन कथा में बैठे हैं और घर की याद आ रही है यह सही नहीं है। उन्होंने कहा कि श्रीराम कथा विश्वकल्याण दायनी हैं इसका ध्यानपूर्वक मन लगाकर श्रवण करें। श्रीरामचरित मानस में गुरु, माता-पिता, पुत्र-पुत्री, भाई, मित्र, पति-पत्नी आदि का कर्तव्य बोध व सदाचरण की सीख हमें मिलती है।

कथा व्यास ने कहा कि आप बिहारी जी के घर चले जाओ यह कथा की कृपा नहीं है। बिहारी जी आपके घर आ जाएं यह कथा की कृपा होती है। इसीलिए तब तक कथा का श्रवण करते रहें जब तक स्वयं भगवान आपके घर ना आ जाएं। उन्होंने कथा में वर्णन किया कि अयोध्या के कोप भवन में कैकेयी ने राजा दशरथ से दो वचन मांगे। जिस पर राजा दशरथ ने कहा कि रघुकुल रीति सदा चल आई, प्राण जाई पर वचन न जाई यह सुनते ही कैकेयी ने दशरथ से दो वचन मांग लिए। श्रीराम पिता का वचन निभाने को खुशी-खुशी तैयार हो गए। मुख्य यजमान डॉ. शशि अरोड़ा व अशोक अरोड़ा रहे। इस दौरान निमित जायसवाल, नीलम अग्रवाल, मीरा गुप्ता, शिक्षा गोयल, मोनिका अग्रवाल, अनिल भगत, सनी भारद्वाज, रोहिणी कंसल, अंजू मेहरोत्रा शालिनी अग्रवाल, किरन सिक्का, शिवानी शर्मा, मानवी आदि मौजूद रहे।

सड़क पर नो पार्किंग में खड़े वाहन के खिलाफ कार्रवाई करती टीम।

स्टेशन रोड और बुध बाजार स्मार्ट रोड से हटाया अतिक्रमण

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

जब्त सामान को ले जाती टीम।

- आवंटित दुकान के स्वरूप को शर्तों का उल्लंघन कर बदला, सील
- फुटपाथ व साइड पटरी पर रखे सामानों को किया जब्त

अमृत विचार: नगर निगम का अतिक्रमण हटाने का अभियान शनिवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। टीम ने स्टेशन रोड और बुध बाजार स्मार्ट रोड पर फुटपाथ और सड़क की साइड पटरी से अतिक्रमण हटवाकर यहां रखे दुकानदारों के सामान को जब्त कर लिया। वहीं नगर निगम के आवंटित दुकान का अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन कर परिवर्तन कराने वाले दुकानों को टीम ने सील कर दिया। इसको लेकर दुकानदारों से नोकझोंक भी हुई।

अपर नगर आयुक्त अजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में निगम की टीम व प्रवर्तन दल ने स्टेशन रोड व बुध बाजार स्मार्ट रोड पर अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। यह मार्ग महानगर का प्रमुख वाणिज्यिक क्षेत्र है। यहां फुटपाथ और सड़कों की साइड पटरी पर अतिक्रमण से यातायात भी बाधित हो रहा था। नाले पर अतिक्रमण से सफाई में अवरोध उत्पन्न हो रहा था। टीम ने स्टेशन रोड और बुध बाजार से अतिक्रमण हटवाते हुए फुटपाथ और साइड पटरी पर रखे सामानों को जब्त कर निगम के वाहन में लादकर स्टोर में लाकर जमा करा दिया। चेतावनी दी कि जब्त सामान को किसी भी कीमत पर वापस नहीं किया जाएगा। सड़कों पर नो पार्किंग में खड़े चार पहिया वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई।

सड़क पर रखे साइनबोर्ड, बैनर, डिस्प्ले सामग्री और प्रचार बोर्ड को भी हटाकर निगम के स्टोर में जमा कराया गया। अभियान में विशेष रूप से मुरली ढाबा की दो दुकानों को बार-बार चेतावनी देने के बावजूद अतिक्रमण न हटाने पर सील कर दिया गया। कमल आहूजा को नगर निगम द्वारा आवंटित दुकानों को भी सीज किया गया, क्योंकि चेतावनी देने के बाद भी उनके द्वारा साइड पटरी व फुटपाथ पर कब्जा किया गया था। इसके साथ ही टीम ने निगम से आवंटित दुकान के स्वरूप को अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करते हुए मनमाने ढंग से परिवर्तित करने वालों की दुकान भी सील कर दिया। स्मार्ट रोड पर अवैध रूप से पार्क किए गए वाहनों को भी टीम ने जब्त कर लिया।

अभियान में अपर नगर आयुक्त अजीत कुमार सिंह, उपनगर आयुक्त रामपाल, सहायक नगर आयुक्त विशाल सिंह, प्रवर्तन दल प्रभारी अविनाश कुमार गौतम और निर्माण विभाग की टीम व प्रवर्तन दल के सदस्य शामिल रहे।

साइबर क्राइम से बचाव की जानकारी दी

मुरादाबाद, अमृत विचार: भारतीय स्टेट बैंक की रेलवे स्टेशन शाखा द्वारा रेलवे के पेंशनर्स खाताधारकों के लिए डीआरएम कार्यालय में पेंशनर कनेक्ट और जीवन प्रमाण पत्र एकत्रीकरण के लिए शिविर लगाया गया। इसका उद्घाटन क्षेत्रीय प्रबंधक संतोष कुमार ने किया।

पेंशनर खाताधारकों को ऋण और जमा योजनाओं की जानकारी देकर खातों में नामांकन का महत्व समझाया। शाखा प्रबंधक हिमांशु चौहान ने सभी को साइबर क्राइम से बचाव हेतु जागरूक किया। हाल ही में बैंक और रेलवे विभाग के मध्य हुए रेलवे सैलरी पैकेज एमओयू की जानकारी दी गई। नए करार में पेंशनर्स भी शामिल किए गए है। उनके खातों पर दुर्घटना बीमा एवं अन्य सुविधाएं बताई। मुख्य प्रबंधक डिपोजिट वरुण यादव ने बताया कि शिविर रेलवे विभाग के खाताधारकों और पेंशनर्स की सुविधा को पूरे नवंबर कार्य करेगा जिसमें बैंकिंग सेवाओं और जीवन प्रमाण पत्र संबधी कार्य होते रहेंगे।

साहित्यकार डॉ. रामदरश मिश्र के निधन पर साहित्य जगत में शोक

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- कविता, कहानी, उपन्यास संस्मरण और समीक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान अविस्मरणीय

अमृत विचार: हिंदी साहित्य जगत के वरिष्ठतम साहित्यकार डॉ. रामदरश मिश्र नहीं रहे। वह न केवल हिंदी कविता के सशक्त स्वर थे, बल्कि कहानी, उपन्यास, संस्मरण और समीक्षा के क्षेत्र में भी उनका योगदान अविस्मरणीय है। शुक्रवार को उनके निधन पर मुरादाबाद के साहित्य जगत में शोक है।

साहित्यिक मुरादाबाद शोधालय के संस्थापक डॉ. मनोज रस्तोगी ने कहा कि डॉ. रामदरश मिश्र ने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज की विडंबनाओं और जीवन के संघर्षों को अत्यंत संवेदनशीलता से उकेरा। मानवीय संवेदना, लोकभाषा की सहजता और मानवीय करुणा उनके साहित्य की पहचान रही। उनका पूरा साहित्य एक ऐसे रचनाकार का साक्षी है जो जन से जुड़कर जन के लिए लिखने में विश्वास रखता था। वे जीवन के अंत तक सृजनशील रहे और नई पीढ़ी को सिखाते रहे कि साहित्य का मर्म मनुष्य की पीड़ा और उसकी आशा में बसता है।

उनका जाना हिंदी साहित्य के आकाश से एक सूर्य का अस्त होना है। सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके शब्दों की उस सादगी और मनुष्यता को अपने जीवन और लेखन में जीवित रखें।

हालात नहीं सुधरे तो सड़कों पर उतरेगा किसान

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद,

- खाद की किल्लत से भड़के किसान अधिकारियों पर लगाया गड़बड़ी का आरोप

अमृत विचार: जनपद के किसानों में सहकारी समितियों पर खाद वितरण में अनियमितताओं को लेकर भारी रोष है। आरोप है कि सरकार द्वारा भेजी गई खाद पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रही है और कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से ब्लैक कराई जा रही है।

शनिवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैत के मूंढापांडे ब्लॉक अध्यक्ष चौधरी धर्मेश सिंह ने बताया कि तीन दिन पहले मूंढापांडे सहकारी समिति पर 800 बोरी खाद आई थी, लेकिन किसानों को मात्र 100 बोरी भी नहीं दी गई। बाकी खाद कहां गई, इसकी जानकारी किसी के पास नहीं है। उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व को इस गड़बड़ी की सूचना भेज दी गई है। किसान नेताओं का कहना है कि जिले के कृषि अधिकारी किसानों के साथ अन्याय कर रहे हैं और मनमाने तरीके से खाद का वितरण किया जा रहा है। भाकियू (टिकैत) ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही स्थिति नहीं सुधरी तो 7 नवंबर को महापंचाय की जाएगी।

डीएपी ओवर रेट में बेचने पर हंगामा

डिलारी, अमृत विचार : नगर पंचायत ढकिया में शनिवार को खाद की दुकान पर उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब किसानों ने डीएपी ओवर-रेट में बेचे जाने का आरोप लगाया। गेहूं की बुवाई के चलते बड़ी संख्या में किसान नगर व आसपास के गांवों से डीएपी खरीदने के लिए लाइसेंस धारक विक्रेता मोहम्मद हनीफ की दुकान पर पहुंचे थे। आरोप है कि दुकानदार द्वारा डीएपी खाद का बोरा सरकारी रेट के बजाय 2600 से 3000 तक में बेचा जा रहा था। ओवर-रेटिंग का विरोध करने पर किसानों और खाद विक्रेता के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। दुकानदार द्वारा किसानों के साथ अभद्रता किए जाने की बात सामने आई, जिसके बाद किसानों में आक्रोश फैल गया और हंगामा शुरू हो गया। विरोध करने वालों में सिब्ते हसन, महफूज़ अली हैदर, कासिम, शकीरा, मुकर्रम, कल्लन सहित कई किसान शामिल रहे। किसानों ने आरोपित खाद विक्रेता का लाइसेंस निरस्त करने व सख्त कार्रवाई की मांग की।

किसान दिवस में भी खाद की परेशानी का मुद्दा उठाया गया था। किसान दिवस में सक्षम अधिकारी भी मौजूद थे, लेकिन बावजूद इसके अभी तक खाद वितरण में अधिकारियों ने कोई हस्तक्षेप नहीं किया। किसान अब और शोषण बर्दाश्त नहीं करेंगे। जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं होने पर व्यापक आंदोलन होगा। - **शुभम राठी,** निवर्तमान युवा प्रदेश प्रभारी भाकियू टिकैत

जिले में कभी खाद की किल्लत नहीं हुई लेकिन सरकार की ओर से दी जाने वाली खाद अमरोहा और संभल जिले में आलू के बड़े किसानों को ब्लैक कर दी गई। 2500 रुपये खाद का बैग बिकने की संगठन के किसानों दोनों जनपदों से जानकारी जुटा ली है। इसको लेकर अधिकारियों को घेरा जाएगा। - **डॉ. नौ सिंह,** राष्ट्रीय सचिव, भारतीय किसान यूनियन टिकैत

रोज की परेशानी

महंगी सब्जियों ने सहालग से पहले ही बिगाड़ा रसोई का बजट

सब्जियों के बढ़े भाव, मटर बिक रही 250 रुपये किलो

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- स्थानीय स्तर पर सब्जियों की पैदावार अभी कम
- बाहर से आने पर परिवहन में आता है ज्यादा खर्च

छोटी मंडी में दुकान पर रखी सब्जियां।

अमृत विचार : मौसम के बदले मिजाज के कारण अक्टूबर का अंतिम सप्ताह शुरू होते ही हरी सब्जियों के भाव घटने की जगह बढ़ने लगे थे। सहालग सीजन से पहले ही सब्जियों की कीमतों में आए उछाल से घरों की रसोई का बजट गड़बड़ा गया है। हरी मटर 250 रुपये तो शिमला मिर्च 140 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव से बिक रही है।

बाजारों में खरीदारी करने पहुंच रहीं गृहणियां महंगाई से परेशान हैं। कटघर छोटी सब्जी मंडी में गृहिणी सावित्री ने बताया कि महंगाई के कारण सब्जी खरीदने से पहले पर्स टटोलना पड़ता है। महंगाई ने बचत की गुंजाइश ही खत्म कर दी है। पहले इस मौसम में हरी सब्जियां सस्ती हो जाती थीं, लेकिन इस बार छठ के बाद से बदले मौसम के मिजाज ने सब्जियों की कीमतों को आसमान पर पहुंचा दिया है। सब्जियों के साथ ही आलू टमाटर व प्याज की कीमतों में भी दीपावली के बाद अचानक इजाफा हुआ है। सब्जी विक्रेता सुनील ने बताया कि मौसम के बदले मिजाज व स्थानीय सब्जियों की आवक कम होने के कारण ही कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। सब्जियों की खेप बाहर से आने के कारण ही इनके थोक व फुटकर दाम चढ़ गए हैं। सब्जी विक्रेता राहुल का कहना है कि स्थानीय स्तर पर सब्जियों की पैदावार अभी कम है। बाहर से आने वाली सब्जियों के परिवहन में खर्च ज्यादा आता है, इसलिए कीमतें बढ़ी हैं। बताया कि हर साल इस समय सब्जियों की कीमतें घटती थीं, पर इस बार हालात उलट हैं। महंगाई ने सहालग सीजन से पहले ही रसोई का बजट बिगाड़ना शुरू कर दिया है।

सब्जी के दाम प्रति किलो (फुटकर में)

मटर	250
शिमला मिर्च	140
बंद गोभी	70
भिंडी	70
गाजर	80
आलू	25
प्याज	40
टमाटर	50
पालक	50
मूली	40

दालों के दाम में आया उछाल, दस रुपये प्रति किलो तक बढ़े दाम

मुरादाबाद , अमृत विचार : मौसम बदलते ही दालों के दामों में तेजी आने लगी है। एक महीने के भीतर अरहर, चना, मूंग और उड़द की दाल में पांच से दस रुपये प्रति किलो तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। दालों की कीमतों में आई यह बढ़ोतरी रसोई पर सीधा असर डाल रही है। जिले में आगरा, हाथरस, कानपुर, दिल्ली से दालें आती हैं। पिछले माह की अपेक्षा दाल के रेट इन दिनों कुछ बढ़ गए हैं। खुदरा बाजार में अरहर दाल जहां एक माह पहले 65 रुपये प्रति किलो विक रही थी, अब 75 रुपये तक पहुंच गई है। इसी तरह चना दाल 65 से बढ़कर 70 रुपये प्रति किलो तक हो गई है। उड़द की दाल 85 से 90 रुपये प्रति किलो तक बिक रही है। वहीं मसूर के रेट में कोई अंतर नहीं आया है। वह 100 रुपये प्रति किलो ही बिक रही है। व्यापारियों के मुताबिक, मंडियों में आवक कम और मांग बढ़ने के कारण दामों के दामों में तेजी आई है। इसके अलावा मौसम में नमी और फसल कटाई में देरी का असर भी थोक दरों पर पड़ा है। आने वाले दिनों में कीमतें और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, ग्राहकों ने कहा कि हर महीने जरूरी चीजों के दाम बढ़ने से घरेलू बजट बिगड़ता जा रहा है। व्यापारी सोनू गुप्ता ने बताया कि इस माह दालों के दामों में कुछ बढ़ोतरी हुई है। नई फसल आने पर भाव सामान्य हो जाएंगे। व्यापारी किशन अग्रवाल का कहना है कि दालों के दाम में पांच से 10 रुपये प्रति किलो तक बढ़े हैं।

अमृत विचार

मुरादाबाद , रविवार,2 नवंबर 2025 मुरादाबाद देहात

न्यूज ब्रीफ

एक ही रात में 9 ट्यूबवेलों से उपकरण चोरी

बिलारी, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जरगांव और मोहम्मद पूर्व मनसुख धमावली में शुक्रवार की रात को अज्ञात चोरों ने 9 ट्यूबवेलो से केबल ऑपरेटर और स्टार्टर चोरी कर लिए साथ ही खेतों में लगी झटके वाली मशीन की बैटरी ,सोलर प्लेट और कोठरियों में खड़ी साइकिलें ,प्लास्टिक की पाइपलाइन आदि भी चोरी कर ली गई है। पीड़ित माया देवी पत्नी होशियार सिंह ,बृजपाल सिंह, योगेंद्र पाल सिंह, श्यामलाल, राकेश सिंह, भीष्म प्रताप सिंह, ओम प्रकाश सिंह ,ओमवती देवी, परमेश्वरी देवी के ट्यूबवेल से चोरों द्वारा चोरी की गई है। सभी ने कोतवाली में तहरीर दी है।

केमिकल के पानी से फसलें हो रही बर्बाद

अगवानपुर, अमृत विचार : जीनस पेपर मिल के केमिकलयुक्त पानी से राम गंगा का पानी खराब हो रहा है। खेतों में जाने से फसलों को नुकसान पहुंच रहा है। रेलवे के सामने गंदा पानी भरा हुआ है जिसमें से उठ रही बदबू से ग्रामीण परेशान हैं। मिल प्रबंधक पानी बाहर निकलने से इंकार कर रहा है जबकि इसी पानी को पीकर जानवर मर रहे हैं। गो रक्षक दल के जिलाध्यक्ष कामेश सिंह लोधी ने डीएम को पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

भाजपा नेत्री के निधन पर शोक जताया

कांठ, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के ग्राम मुजफ्फरपुर टांडा निवासी भाजपा नेत्री बबीता चौहान का शनिवार को टीएमयू मेडिकल कॉलेज में निधन हो गया है। उनके निधन से लोगों में शोक व्याप्त हो गया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। नील सरोवर धाम में बेटे देवराज चौहान ने मुखाग्नि दी। मनीष चौहान पूर्व जिला पंचायत सदस्य, धर्मेंद्र चौहान मंडल महामंत्री, शिशुपाल चौहान कार्यकारिणी सदस्य, नरेंद्र चौहान उर्फ मोदी, डॉ अशोक चौहान, नितिन चौहान, विपिन चौहान, परविंदर चौहान, हरिओम चौहान,विजय सिंह चौहान आदि ने शोक संवेदनाएं व्यक्त की।

ई रिक्शा पर अंकुश नहीं आए दिन लग रहा जाम

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : नगर में ई-रिक्शा की संख्या में बढ़ोतरी होने से आएदिन जाम लग रहा है। शनिवार को ई रिक्शा चालकों के रिक्शा आड़ी तिरछी खड़ी करन से तिकोनिया पार्क, कमलापुरी चौराहा, रामपालद्वारा से रतनपुरा मोड़ जाम लग गया। करीब 2 घंटे तक पैदल यात्री तक जाम में फंसे रहे। स्योहारा मार्ग पर भी लोडिंग वाहन होने के कारण जाम की स्थिति बनी रही। इसका मुख्य कारण ई-रिक्शा का बेतरतीब संचालन माना जा रहा है। नगर में काफी संख्या में ई-रिक्शा का संचालन होने से कदीर तिराहा, बड़ा बाजार, बाजार, गंज मेन मार्केट सहित अन्य बाजारों में रोजाना जाम लगना आम बात हो गई। जाम में फंसकर नागरिक परेशान होते रहते है।

नाली विवाद को लेकर मारपीट, महिला घायल

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : दो परिवारों के घर के सामने पानी की नाली को लेकर आपस में विवाद हो गया देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई जिसमें एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई । कोतवाली क्षेत्र के गांव शेरपुर पट्टी निवासी राजवीर सिंह यादव बस तेरे भाई राजकुमार यादव में घर के सामने बनी नाली की सफाई आदि को लेकर विवाद हो गया । जिसमें दोनों परिवारों की महिलाएं भी मौके पर पहुंच गई देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई । राजवीर सिंह की पत्नी प्रवेश देवी ने जब अपने पति को बचाने का प्रयास किया तो उसे मारपीट कर घायल कर दिया । घायल को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया । पीडित ने पुलिस को ते तहरीर देकर कानूनी कार्यवाही कीमांग की ।

सहकारी समिति कूड़ाघर में तब्दील

रुस्तमपुर बड़मार समिति पर खाद के साथ अधिकारी भी नदारद, जिम्मेदार अंजान

संवाददाता, मूंढापाण्डे

अमृत विचार : एनपीके खाद की किल्लत और किसानों की परेशानी ढकी-छुपी नहीं है। जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते पंद्रह साल से ज्यादा का समय बीत जाने जाने के बाद भी समिति पर खाद-बीज किसी का वितरण नहीं हो सका। सरकारी धन को हड़पने के लिए जर्जर भवन की मरम्मत होती रही लेकिन खाद का वितरण नहीं हो सका।

विकासखंड मूंढापांडे के गांव रुस्तमपुर बड़मार साधन सहकारी समिति का भवन ग्राम पंचायत देवापुर में है। इस समिति पर पंद्रह साल से खाद का वितरण नहीं होने से पूरे क्षेत्र का किसान परेशान है। आलम यह कि एनपीके न मिलने की मजबूरी में किसान गेहूं में यूरिया डाल रहे है। खाद वितरण तो दूर की बात वर्षों से यहां कोई तैनात नहीं जबकि उपस्थिति दर्ज हो रही है। अधिकारियों के अभाव में समिति में खास उगी गई और बिल्डिंग कूड़ाघर में तब्दील हो गई। निजी दुकानदार किसानों की मजबूरी का लाभ उठाकर ओवर रेट बेच रहे है। इस संबंध में सचिव ओमप्रकाश से बात की गई तो वह कोई संतुष्ट जवाब नहीं पाए। स्वीकार किया कि खाद का वितरण नहीं हुआ है। जिसके बाद जिला कृषि अधिकारी से संपर्क करने की कोशिश की गई। लेकिन नंबर बंद मिला।

सहकारी समिति में एकत्र कूड़ा। ● अमृत विचार

● एनपीके के अभाव में किसान परेशान, गेहूं में यूरिया डाल चला रहे काम

समिति पर बंटने वाला खाद कहां गया। किसी को नहीं पता। वर्षों से खाद ने मिलने से किसान परेशान है। एनपीके के अभाव में गेहूं में यूरिया डाल रहे है। लापरवाह अफसरों कर कार्रवाई होनी चाहिए। – **आशिद अली**, किसान देवापुर

खाद का वितरण हुए 15 साल के भी ज्यादा का समय हो गया। एनपीके खाद ने मिलने से क्षेत्र का किसान परेशान है। निजी दुकानदार ओवर रेट बेच रहे है। लापरवाह अफसरों को कार्रवाई होनी चाहिए। – **शौकत अली**, किसान देवापुर

15 वर्ष से अधिक से खाद का वितरण न होना चिंताजनक है। किसानों का उत्पीड़न अब बर्दाश्त नहीं होगा। खाद ने मिलने से किसान परेशान है। शीघ्र ही समाधान नहीं हुआ तो धरना-प्रदर्शन होगा। – **मोनिश**, मंडल मुख्य सचिव भाकियू

जिम्मेदारों के कार्यालय न आने से बिल्डिंग कूड़ाघर में तब्दील हो चुकी है। समिति पर बंटने वाला खाद कहां गया। लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो व्यापक प्रदर्शन होगा। – **आमिर खान**, मंडल प्रभारी भाकियू लोकशक्ति

भाइयों को पाइप सरियों से पीटा चार पर केस दर्ज

भोजपुर, अमृत विचार : गांव लखनपुर में रास्ते में खड़े होने से मना करना ई-रिक्शा चालक को भारी पड़ गया। दबंगों ने चालक और उसके भाई को पाइप और सरियों से पीटकर घायल कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार को दी तहरीर में गांव लखनपुर निवासी ई-रिक्शा चालक अरमान पुत्र सरफराज ने बताया है कि शुक्रवार को दोपहर बारह बजे घर में से ई-रिक्शा बाहर को निकाल रहा था। रास्ते में मुन्नू के बेटे वसीम, शाहरूख शकील और अली शेर पुत्र जफर खड़े थे। उनसे रास्ते में से हटने को कहा तो गाली गलौज करने लगे। मना करने पर घरों में से पाइप और सरिये ले आए और हमला कर दिया। बीच-बचाव करने छोटा भाई सलमान मौके पर आया तो आरोपियों ने उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खाटू श्याम जन्मोत्सव पर निकाली भव्य निशान यात्रा

बाबा खाटू श्याम की शोभा यात्रा में शामिल श्रद्धालु। ● अमृत विचार

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : खाटू श्याम के जन्मोत्सव पर नगर में निशान यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें भक्त हाथों में झंडा लिए थे। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। भाजपा व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष गौरव चौहान और एसडीएम प्रीति सिंह ने विधि विधान के साथ पूजा अर्चना के बाद शोभा यात्रा का आरंभ किया।

शनिवार को नगर में धूमधाम के साथ सनातन धर्म इंटर कॉलेज से शोभा यात्रा बड़ा बाज़ार, रामलीला मैदान, काशीपुर चुंगीद्राव, जीव मार्केट, बुध बाजार होते हुए वापस सनातन धर्म इंटर कॉलेज पर समापन हुआ। कॉलेज प्रांगण में एक संध्या खाटू श्याम के नाम में विशाल कीर्तन का आयोजन किया गया। इस दौरान डिप्टी एसपी आशीष कुमार सिंह, कोतवाल संजय पांचाल, जया गहलौत, संजीव चौहान, विपिन जिंदल आदि उपस्थित रहे।

छह नवबंर को होगा श्री खाटू श्याम कीर्तन

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : ब्लॉक डिलारी के गांव जटपुरा में गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 6 नवंबर को सुबह 10 :00 बजे श्री खाटू श्याम जी का संकीर्तन महोत्सव रामलीला ग्राउंड में होगा। इससे पूर्व निशान यात्रा भी निर्धारित रास्तों से निकाली जाएगी। यह जानकारी श्री खाटू श्याम कमेटी जटपुरा के प्रदीप शर्मा, अनमोल, धर्मवीर, कपिल , रवि कुमार आदि ने दी।

मंत्रों के साथ तुलसी–शालिग्राम विवाह संपन्न, महिलाओं ने निकाली शोभायात्रा

संवाददाता ,ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : कार्तिक मास के पावन अवसर पर नगर के बाजार गंज स्थित श्री विष्णु मंदिर परिसर में शनिवार को महिलाओं द्वारा बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ तुलसी माता का पूजन किया गया। परंपरागत रीति से तुलसी–शालिग्राम विवाह संपन्न हुआ, जिसमें नगर की दर्जनों महिलाओं ने भाग लिया।

मंदिरों में विधिवत पूजा-अर्चना के बाद तुलसी माता और भगवान शालिग्राम का वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न हुआ। मंगल गीतों और वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विवाह संस्कार की सभी विधियां पूरी की गईं।

शाम को मंदिर प्रांगण से तुलसी–शालिग्राम विवाह की शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा डॉ. मदन मोहन मार्ग, अनिल मिष्ठान, लाल हरिराम रोड और राजीव मार्केट होते हुए नगर के प्रमुख मार्गों से गुज़री। इस दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

कार्यक्रम में मनीषा शर्मा, संगीता सिंघल, नीलम अग्रवाल, बबली, मनोरमा देवी, खुशबू, आशा देवी सहित दर्जनभर महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। शोभायात्रा में ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी और बाजे-गाजे का विशेष आकर्षण रहा। पूरे नगर में धार्मिक उल्लास और भक्ति का वातावरण छा गया। समापन पर प्रसाद वितरण किया गया और सभी श्रद्धालुओं ने तुलसी माता के चरणों में नमन कर परिवार के सुख-समृद्धि की कामना की।

माता-पिता की सेवा से होता है मानव का कल्याण

छजलैट, अमृत विचार : कलयुग में मानव जीवन के उद्देश्य से भटककर भोग विलास, ऐश्वर्य के साधन जुटाने में लगा हुआ है। माता-पिता एवं दीन दुखियों की सेवा से मानव का कल्याण हो सकता हैं। यह विचार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में ग्राम कुचावली में चल रही श्रीमन पावन प्रज्ञा पुराण कथा के छठे दिन हरिद्वार से पधारे कथा व्यास श्री मौर्य ने व्यक्त किये। भगवान विष्णु ने नारद मुनि को बताया कि मानव कल्याण के लिए अनेक उपाय हैं जिनमें माता-पिता एवं दीन दुखियों की सेवा भी अत्यंत उत्तम कार्य है। बोले, नारी कई रूपों में परिवार में समाज को समर्थ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है इसलिए 21वीं सदी नारी प्रदान होगी। इस अवसर पर चौधरी ऋषिपाल सिंह नेताजी, जवर सिंह भगत जी प्रेम शंकर गोला, बल्लू सिंह, अजय कुमार सिंह, पंडित हरिओम शर्मा, सुरेंद्र सिंह, मास्टर संजीव कुमार, बिश्नोई, नरेश चौहान हरिराज सिंह, महिपाल सिंह, रणजीत सिंह, रघुवीर सिंह, राजेंद्र सिंह, चौधरी सतवीर सिंह, देवेंद्र सिंह, भोज सिंह आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

अधिकारियों को पारदर्शिता से कार्य करने के निर्देश

अधिकारियों को दिशा निर्देश देते एसडीएम संत दास पवार।

बीएलओ और सुपरवाइजर को प्रशिक्षण देते एसडीएम विनय सिंह।

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार: तहसील कांठ में बूथ लेवल अधिकारियों की बैठक में एसडीएम ने दिए पारदर्शिता के साथ मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य शीघ्रता के साथ करने के निर्देश दिये।

शनिवार को बीएलओ को संबोधित करते हुए एसडीएम कांठ संत दास पवार ने कहा कि सभी बीएलओ अपने-अपने बूथ पर जो भी पत्र मतदाता है, उनकी जांच कर उनके फार्म 6 भरवा कर उनके नाम मतदाता सूची में शामिल करें। इसमें मतदाता सूची में नहीं है, उनका मतदाता सूची से मिलान करने के बाद नाम शामिल किया जाए।

● एसडीएम ने कांठ में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर की बैठक

किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। मतदाता सूची का प्राणिक्षण कार्य पारदर्शिता के साथ हो। इसके लिए सभी को पहले भी निर्देश जारी किए जा चुके हैं। जो लोग मृतक हो गए हैं, उनके नाम मतदाता सूची से हटाए जाएं।

जो बाहर चले गए हैं उनकी जांच करके उनके नाम भी मतदाता सूची से हटाए जाएं और जो वर्तमान में जहां रह रहे हैं और उनके नाम लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इस दौरान सभी बीएलओ एवं तहसील स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

4 से घर-घर जाकर गणना पत्रक बाटेंगे बीएलओ

बिलारी, अमृत विचार : शनिवार को एसडीएम विनय सिंह ने तहसील क्षेत्र के सभी बीएलओ को निर्वाचन संबंधी ट्रेनिंग दी । जिसमें एसडीएम ने सभी को मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन करने की अपील की साथ ही निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। एसडीएम विनय सिंह ने बताया कि 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक सभी बीएलओ घर-घर जाकर गणना पत्रक बाटेंगे। जिन्हें वह मतदाता से भरवाएंगे। इसके बाद उन सभी पत्रको को जमा करेंगे। एसडीएम ने बताया कि इस दौरान सभी बीएलओ अपने निर्धारित की गई यूनिफॉर्म और पहचान पत्र भी साथ रखेंगे। बीएलओ के साथ दुर्व्यवहार करने पर कार्रवाई की जाएगी। ट्रेनिंग में तहसीलदार अंकित गिरी के अलावा सुपरवाइजर और बीएलओ उपस्थित रहे।

मांग पूरी न होने पर विवाहिता से मारपीट

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार: क्षेत्र के ग्राम लालापुर पीपलसाना निवासी अनीता पुत्री स्व. छोटे सिंह ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी 23 अप्रैल 2024 को अजय कुमार पुत्र रतिराम सिंह निवासी ग्राम रसूलपुर ढेला थाना बढ़ापुर जिला बिजनौर के साथ हुई थी।

परिजनों ने सामर्थ्य के अनुसार छह लाख रुपये का दहेज दिया था। शादी के लगभग छह माह बाद पति सहित अन्य ससुरालियों ने उससे 10 लाख रुपये की मांग शुरू कर दी। मना करने पर मारपीट और प्रताड़ना दी जाने लगी। पीड़िता के अनुसार 13 अगस्त 2025 की सुबह 9 बजे पति उसे जबरन बाइक पर बैठा मायके छोड़ने चल दिया। मधुपुरी मोड़ के पास बाइक रोक मारपीट की और चुन्नी से जान से मारने का प्रयास किया। शोर मचाने पर खेत में काम कर रहे गांव के ही राकेश, सोनू और नन्हें पहुंचे और किसी तरह उसे बचाया। मायके में रह रही है। उसने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

सुबह छाया घना कोहरा, दिन में खिली धूप

संवाददाता, डिलारी

अमृत विचार : नवंबर के पहले ही दिन घने कोहरे ने दस्तक दे दी। शुक्रवार तड़के शुरू हुआ कोहरा सुबह तक और घना हो गया, जिससे चारों ओर धुंध ही धुंध दिखाई दी। दृश्यता कम होने से जनजीवन प्रभावित रहा। लोगों को वाहन धीमी गति से चलाने पड़े।

सुबह से ही ठंड बढ़ने का अहसास होने लगा। मौसम में आई तब्दीली के बाद लोगों ने संदूकों में रखे गर्म कपड़े निकालने शुरू कर दिए। क्षेत्र के बाजारों में भी गर्म कपड़ों की बिक्री में अचानक तेजी देखी गई। दुकानों पर मफलर, स्वेटर, टोपी, जैकेट, जर्सी, मोजे आदि खरीदने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी। लगभग दोपहर 1 बजे तक कोहरे का असर बना रहा, जिसके बाद दोपहर 2 बजे के आसपास हल्की धूप खिलने से लोगों को थोड़ी राहत मिली। हालांकि राहत अधिक देर तक बरकरार नहीं रही। शाम ढलते ही कोहरा फिर से छा गया, जिससे दृश्यता कम होने लगी और वाहन चालकों को सावधानीपूर्वक चलना पड़ा। दुकानदारों का कहना है कि गर्म कपड़ों की बिक्री में बढ़ोतरी होने लगी है।

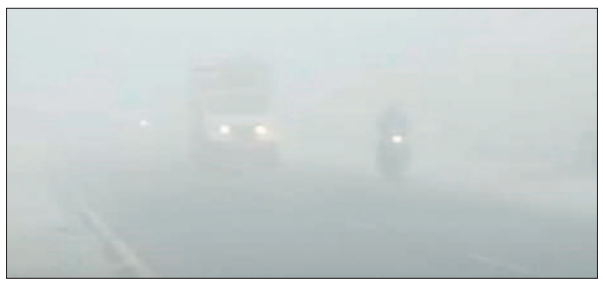

हाइवे पर भीषण कोहरे के बीच गुजरते वाहन। ● अमृत विचार

कोहरे में रेंगते नजर आए वाहन

कांठ, अमृत विचार : शनिवार की सुबह घना कोहरा और हल्की हवा के कारण सड़क पर वाहन रेंगते नजर आए। पहाड़ों पर बर्फबारी के कारण मैदानी इलाकों में कोहरा आना शुरू हो गया है। नवंबर माह के पहले दिन शनिवार को सुबह घना कोहरा छाया रहा। घने कोहरे के कारण सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए। जिसके चलते तापमान में भी गिरावट आई है। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी के कारण मैदानी इलाकों में सुबह-सुबह घना कोहरा दिखाई दिया। घने कोहरे के कारण आसमान में भी बादल छाए रहे। सुबह घना कोहरा छाए जाने से सड़कों पर वाहनों की रफ्तार धीमी नजर आई। अभी तक क्षेत्रवासियों को ठंड का एहसास नहीं हुआ था। अभी क्षेत्र वासियों ने गर्म कपड़े भी नहीं निकाले हैं। शनिवार को घना कोहरा छाये जाने के साथ शीत लहर का प्रकोप शुरू हो गया है। किसानों का कहना है कि अभी गेहूं की बुवाई और गन्ना छीलने का कार्य भी प्रारंभ नहीं हुआ है। घने कोहरे के चलते किसानों को गन्ना छीलने में परेशानियां होगी।

न्यूज डायरी

गुड्डू मंडल और नन्हें बने जिला प्रमुख

मुरादाबाद, अमृत विचार : पश्चिम उत्तर प्रदेश प्रमुख ललित मोहन शर्मा ने मुरादाबाद के शिव सेना के संगठन को मजबूत करने के लिए विस्तार करते हुए कई पदों पर पदाधिकारियों को मनोनीत किया। रविवार को प्रदेश स्तर पर शिवसेना में पदों के फेरबदल में जिला प्रमुख गुड्डू सैनी को पदोन्नति कर मंडल प्रमुख (मंडल मुरादाबाद) बनाया गया। वहीं नितिन वर्मा को मंडल प्रभारी, बाबा कुशल सिंह को प्रचारक पश्चिम उत्तर प्रदेश और नन्हें चौधरी उर्फ दिनेश को जिला प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी क्रम में मनोज कुमार को जिला प्रभारी, रजत श्रोत्रिय को महानगर प्रमुख, और रामप्रसाद प्रजापति को पुन : उनके पूर्व पद पश्चिम उत्तर प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पश्चिम उत्तर प्रदेश प्रमुख ललित मोहन शर्मा ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वह पूर्ण अनुशासन और निष्ठा के साथ शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे, राष्ट्रीय सचिव अभिजीत अडसूल, तथा शिवसेना समन्यक गुलाब दुबे के दिशा-निर्देशों पर कार्य करें और संगठन को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रूप से विस्तार दें।

नए कानूनों की जानकारी दी

भोजपुर, अमृत विचार : शनिवार को राजकीय महाविद्यालय में मिशन शक्ति 5 .0 कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षकों एवं थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से नए कानून के प्रति जागरूक करने के लिए दंड से न्याय की ओर विषय पर विचार गोष्ठी एवं परामर्श सत्र का आयोजन किया। मुख्य अतिथि डिप्टी एसपी ठाकुरद्वारा आशीष प्रताप सिंह ने कहा कि नए आपराधिक कानून दंड संहिता अब न्याय केंद्रित प्रणाली की ओर अग्रसर है। जिसका उद्देश्य अपराधियों को दंडित करने के साथ-साथ पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाना है। उन्होंने कानून की बारीकियों से अवगत कराते हुए बताया कि समाज के प्रत्येक नागरिक को अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी होना आवश्यक है। महिला हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। डॉ. अमित कुमार ने छात्राओं से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को समझने एवं समाधान का प्रयास किया। संचालन डॉ. पूजा निर्माणिया व अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार ने की। कुमारी मधु त्यागी, प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह, उपनिरीक्षक शराफत अली,हेड कांस्टेबल उपनिरीक्षक शराफत हुसैन आदि ने भाग लिया।

30 तक नहर में पहुंच जाए पानी

कांठ, अमृत विचार : शनिवार को महमूदपुर राजवाहे के मध्य भाग की सफाई कार्य पूजा पाठ और विधि विधान से प्रारंभ किया गया, जबकि ऊपरी नहर में सफाई कार्य पहले से ही जारी है। इस मौके पर उपाध्यक्ष सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग धर्मपाल सिंह विश्नोई ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि 30 नवंबर तक हर हाल में नहर में पानी पहुंच जाना चाहिए, ताकि किसान अपनी रबी फसल की सिंचाई समय से कर सके। स्थानीय किसानों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि सिल्ट सफाई से जल प्रवाह सुचारू होगा और उनकी फसलों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सकेगा। इस अवसर पर जूनियर इंजीनियर कुलदीप कुमार सिंह, जेई सत्यप्रकाश, पूर्व प्रधान शिवराज सिंह, पूर्व प्रधान नीरज कुमार बिश्नोई, पूर्व प्रधान राजीव कुमार कश्यप, हरिराज सिंह बख्शी, मुनिराज सिंह बिश्नोई, प्रधान राजपाल सिंह तथा सिंचाई विभाग के अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

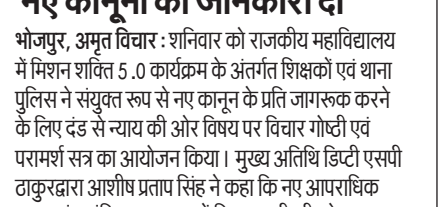

जनसमस्याओं के समाधान की मांग

कांठ, अमृत विचार : राष्ट्रीय समानता दल के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने शनिवार को तहसील पहुंचकर राज्यपाल, कमिश्नर मुरादाबाद को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार योगेश कुमार शर्मा को सौंपा और जन समस्याओं का समाधान करने की मांग की। जिला अध्यक्ष तेजसिंह सैनी, मोहम्मद सफी, रामावतार सिंह, महेंद्र सिंह सैनी, अलाउद्दीन, शब्बीर आदि अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी तहसील कांठ पहुंचे। वहां उन्होंने राज्यपाल और कमिश्नर को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार योगेश कुमार शर्मा को देकर कहा कि गोशालाओं में गोवंश की हालत खराब है। उनके खानपान की व्यवस्था ठीक की जाए, बिजली व्यवस्था में सुधार किया जाए, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कांठ में एक्स-रे मशीन लगाई जाए और समानता दल के कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न बंद किया जाए। उन्होंने कहा कि अगर हमारी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो पार्टी आंदोलन करने को बाध्य होगी।

गांधी पार्क में निर्माण कार्य का किया विरोध

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचार : नगर पालिका द्वारा नगर के गांधी पार्क के तीनों तरफ बनवाई जा रही कियोस्क (खोखा) के विरोध में नागरिक परिषद के पदाधिकारी बड़ी संख्या में एसडीएम कार्यालय पर पहुंचे। जहां उन्होंने कियोस्क ना बनवाने की मांग को लेकर एसडीएम विनय सिंह को ज्ञापन सौंपा।

शनिवार को दिए ज्ञापन में कहा गया है कि गांधी पार्क क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक धरोहर है जिस पर नगर पालिका द्वारा कियोस्क बनवाए जा रहे हैं। क्षेत्र के लोगों ने स्वतंत्रता के बाद महात्मा गांधी की मूर्ति अपने संसाधनों से लगवाई थी। पार्क के बाहर कियोस्क बनने से और ज्यादा ट्रैफिक की समस्या रहेगी। मौजूदा समय में भी जाम की भीषण समस्या रहती है। कुछ साल पहले गांधी पार्क में सौंदर्यीकरण के नाम पर गांधी पार्क को छोटा कर दिया गया था, साथ ही पुरानी मूर्ति के स्थान पर एक छोटी और साधारण सी मूर्ति को लगा दिया गया। दुकानें बनने से गांधी पार्क में समस्या बढ़ेंगी और राष्ट्रपिता के विचारों का भी अपमान होगा। एसडीएम विनय सिंह ने कहा कि ज्ञापन के आधार पर हाईवे अथॉरिटी नगर पालिका और अन्य अधिकारियों से बात की जाएगी। ज्ञापन देने वालों में डॉ. राकेश रफीक, प्रेम कुमार, राकेश जैन, डॉक्टर जितेंद्र दक्ष, शकील अहमद साबरी, कपिल राज वाल्मीकि ,मुकेश शास्त्री, गजराम सिंह वाल्मीकि, माजिद हुसैन अंसारी, अनीस अहमद, राजेंद्र सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

एसडीएम विनय सिंह को ज्ञापन सौंपते नागरिक परिषद के सदस्य। ● अमृत विचार

तीन वारंटी गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किए

कांठ, अमृत विचार : थाना कांठ पुलिस ने न्यायालय द्वारा जारी वारंटों की तामीली करते हुए तीन वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम खतापुर निवासी सतपाल सिंह, आदेश कुमार और एक अन्य व्यक्ति के बीच कुछ दिन पूर्व आपसी विवाद और मारपीट की घटना हुई थी। मामले में न्यायालय ने तीनों के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कांठ थाना प्रभारी के नेतृत्व में गठित टीम ने तत्परता दिखाते हुए तीनों वारंटियों को पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई पूर्ण कर उन्हें कोर्ट में पेश किया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

मो.7906815587

संबंध विच्छेद

मैने, मेरे परिवार ने अपने पुत्र शोजब अब्बास के गलत कृत्य के कारण संबंध विच्छेद कर लिए। इसका मेरी चल, अचल संपत्ति, लेनदेन, विवादो से कोई लेना देना नहीं है। हुसैन मेहदी पुत्र सगीर मेहदी, मौ. कटकुई, नौगांवा सादात, तहसील व थाना नौगांवा सादात अमरोहा।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

आज से 9 नवंबर तक एकता विहार में होगी कथा

रामपुर, अमृत विचार : एकता विहार में श्री रामकथा प्रसार समिति की बैठक में बताया कि भगवान श्रीराम के दिव्य चरित्र, आदर्श जीवन, धर्म की स्थापना और मर्यादा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के पवित्र उद्देश्य से राम कथा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह पावन कथा 2 से 9 नवंबर तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 6 बजे तक होगी। प्रथम दिवस 2 नवंबर को सुबह 10 बजे से कलश यात्रा निकाली जाएगी। 9 नवंबर को हवन और भंडारा होगा। कथा वाचन अल्मोड़ा के पूज्य राजेंद्र तिवारी द्वारा किया जाएगा। यह जानकारी डॉ. गौरव वार्ष्णेय द्वारा दी गई।

रंजिश में युवक को पीटा

रामपुर, अमृत विचार : रंजिश के चलते प्रधान पति सहित चार लोग युवक के घर में घुस गए। जहां उसके साथ मारपीट करते हुए लूटपाट की। तहरीर के आधार पर पुलिस ने चार लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली। मिलकखानम थाना क्षेत्र के गांव मकसद का कहना है कि बमना के प्रधानपति तौफीक के द्वारा घर पर आकर 50 हजार रुपये की मांग की। पैसे न देने पर गांव से भगा देने की धमकी दी। पैसे नहीं देने आरोपियों ने पीड़ित के घर में घुसकर तोड़ फोड़ कर दी। गले की सोने की चेन तोड़ ली। लाइसेंसी बंदूक व पिस्तल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने तौफीक, मकदूम, नक्शे, सफदर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

लेखपालों ने दिया एसडीएम को ज्ञापन

टांडा, अमृत विचार : समाधान दिवस में लेखपालों ने लंबित समस्याओं और शासन की अनदेखी के विरोध में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ ने आरोप लगाया है कि विगत नौ वर्षों से उनकी प्रमुख मांगें अनसुनी की जा रही हैं। कहा कि प्रदेशभर के 3000 लेखपाल परिवारों से सैकड़ों किमी. दूर कार्य करने को मजबूर हैं। अंतरमंडलीय स्थानांतरण सूची जारी नहीं की गई। राजस्व निरीक्षक पदों पर पदोन्नति के लिए चयन 2025-26 की डीपीसी बैठक भी नहीं बुलाई गई है। इन सभी मुद्दों को लेकर पांच अक्टूबर को मथुरा स्थित रमण रेती आश्रम में हुई प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक में पंद्रह जिलों से आए पदाधिकारियों ने शासन की उपेक्षा पर नाराजगी व्यक्त की थी।

सड़कों पर कोहरे की चादर के कारण वाहन चालक हुए परेशान

नवंबर के पहले दिन कोहरे ने दी दस्तक

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : नवंबर के पहले दिन कोहरे ने दस्तक दे दी है। पूर्वाह्न करीब 11 बजे तक सड़कें कोहरे की चादर में लिपटी रहीं। सड़कों पर कोहरा होने के कारण वाहनों की रफ्तार को ब्रेक लग गए। सड़कों पर कोहरे की चादर बिछी होने के कारण दूर दृष्टि बाधित रही।

पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र ने कहा कि सड़कों पर कोहरा होने के चलते वाहन चालक सावधानी बरतें और फॉग लाइट जलाएं ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके। शनिवार को सुबह से कोहरे की चादर ने सड़कों को अपनी आगोश में ले लिया, जिसके कारण वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई। हाईवे पर वाहन रेंगते रहे और कुछ ट्रक चालकों ने अपने वाहन ढाबों के आसपास खड़े कर दिए। कोहरा छटने के बाद वह गंतव्य की ओर रवाना हुए। सुबह से सूर्य देव के दर्शन नहीं हुए। पूर्वाह्न करीब 11 बजे सूरज निकलने के बाद सड़कों पर रेंग रहे वाहनों ने फर्राटा भरा। नवंबर का महीना शुरू हो गया है लेकिन कभी गर्मी और कभी सर्दी होने से लोग हलकान रहे। गर्मी लगने पर लोग पंखा चला देते और सर्दी लगने पर पंखा बंद करना पड़ रहा है। तापमान में भी गिरावट आई है, शनिवार को अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम तापमान 17 डिग्री दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक ने वाहनों को धीमी गति से चलाने और फॉग लाइट जलाने के लिए कहा है।

वाहनों की हेड लाइट जलाकर जाते वाहन चालक। ● अमृत विचार

● अधिकतम तापमान 24 डिग्री न्यूनतम तापमान 17 डिग्री रहा

कोहरे ने थामी वाहनों की रफ्तार

दढ़ियाल, अमृत विचार : मुरादाबाद बाजपुर मार्ग पर शनिवार को ठंड के सीजन के पहले कोहरे ने वाहनों की रफ्तार थाम दी। शनिवार को मुरादाबाद-बाजपुर मार्ग पर दिल्ली से नैनीताल जाने वाले पर्यटकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। ठंड के सीजन में पहले दिन कोहरे ने वाहनों की रफ्तार थाम दी। दिल्ली से नैनीताल जाने वाले पर्यटक दिन में ही लाइट जलाकर मार्ग से गुजरते नजर आए। शनिवार को पहले दिन आए कोहरे के कारण वाहन चालकों को अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। हालांकि 11 बजे तक धूप निकलने पर वाहन चालकों को राहत मिली।

देव उठनी एकादशी पर बजीं शहनाई

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : जिले में देव उठनी एकादशी के मौके पर खूब शहनाइयां बजीं। जिसका काफी समय से लोग इंतजार कर रहे थे। सुबह से ही लोगों पर शादी के मंडपों में पहुंचना शुरू हो गया था। इसके अलावा लोगों ने देव उठनी एकादशी पर पूजा अर्चना करके उपवास खोला। जिसमें गन्ने और नए गुड़, सिंघाड़े की पूजा अर्चना की गई।

शनिवार को देव उठनी एकादशी पर्व धूमधाम से मनाया गया। सुबह को महिलाओं ने नहा धोकर पूजा घर की सफाई की। उसके बाद पूजा का सामान मंगवाया गया। जिसमें गन्ने, गुड़ नई फसल के रूप में शामिल किया गया। शाम को दिन छिपने के बाद महिलाओं ने पूजा अर्चना करके उपवास खोला। देवउठनी एकादशी का दिन शुभ माने जाने के कारण शादी समारोह भी हुए। चारों ओर शादी की शहनाइयां गूंज रही थीं। पिछले चार माह से शादियों और अन्य शुभ कार्यों पर रोक लगी हुई थी। देव उठनी एकादशी के दिन अबूझ मुहुर्त होने के कारण शादी करना शुभ माना जाता है।

बाजार में बिकते गन्ने।

कई दिन पहले से ही बुक हो गए शादीहॉल

दिवाली से पहले ही लोगों ने पंडितों को अपनी बेटी-बेटे की कुंडली दिखाकर शुभ मुहूर्त निकलवाया। जिसमें बहुत से लोगों की शादी देव उठनी एकादशी पर अच्छा समय होने के कारण तय कर दी गई थी। उसके बाद परिजनों ने मंडप, पंडित, खाना बनाने वाले सभी लोगों को बुक कर दिया था। शनिवार को शहर के सारे मंडपों में जमकर शहनाइयां गूंजी।

समाधान दिवस में 121 में 23 शिकायतें निस्तारित

मिलक में जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने सुनीं लोगों की समस्याएं

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : जिले भर में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें 121 शिकायतों में से 23 शिकायतों का मौके पर अधिकारियों ने निस्तारण किया। बाकी विभाग के अधिकारियों को निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया।

जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र की उपस्थिति में तहसील मिलक में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया। संपूर्ण समाधान दिवस में 36 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिसमें से 6 शिकायतों का निस्तारण मौके पर किया। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान ग्राम मौनपुर एवं ग्राम धमोरा से संबंधित चकरोड पर अवैध कब्जे की शिकायत मिली। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम गठित करने के निर्देश दिए तथा मौके पर जाकर अवैध कब्जे को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। कहा कि चकरोड, ग्राम समाज एवं सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्वार तहसील में मुख्य विकास अधिकारी गुलाब चंद्र की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस हुआ, यहां 16 शिकायतों में 4 का मौके पर निस्तारण किया। तहसील सदर में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संदीप कुमार वर्मा की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ, जिसमें 21 शिकायतों में से 5 का मौके पर निस्तारण हुआ। वहीं, तहसील बिलासपुर में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) डॉ. नितिन मदान की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस हुआ। इसमें 12 शिकायतों में से 3 का निस्तारण मौके पर किया। तहसील शाहबाद में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुए संपूर्ण समाधान दिवस में 22 शिकायतों में से 2 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया। उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील टांडा में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। इसमें 14 शिकायतें प्राप्त हुई, इनमें 3 का मौके पर निस्तारण किया।

धान क्रय केंद्र का निरीक्षण करते जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक। ● अमृत विचार

● चकरोड पर अवैध कब्जे की सबसे अधिक शिकायतें मिलीं

डीएम व एसपी ने किया धान क्रय केंद्रों का निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

● शनिवार को मिलक किसान मंडी में पहुंचे दोनों अधिकारी

अमृत विचार : जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र ने किसान मंडी मिलक में संचालित धान क्रय केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने क्रय केंद्र प्रभारी से मंडी में किसानों से की जा रही धान खरीद के संबंध में जानकारी ली।

उन्होंने एआर कोऑपरेटिव और मंडी सचिव से अब तक किसानों से धान खरीद एवं किसानों को किए गए भुगतान की स्थिति की जानकारी ली। मंडी सचिव ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि मंडी परिसर में सहकारिता विभाग के 12, खाद्य विभाग के 4 व मंडी समिति के 1 क्रय केंद्र सहित कुल 17 धान क्रय केंद्र संचालित हैं। पूरे मिलक क्षेत्र में कुल 24 क्रय केंद्र स्थापित किए हैं। अब तक 14 हजार क्विंटल धान की खरीद की जा चुकी है। जिलाधिकारी ने मंडी परिसर में लगाए गए बैनर पर अंकित हेल्पलाइन नंबर की स्थिति की जांच करने के लिए मौके पर ही केंद्र प्रभारी के नंबर पर कॉल लगाई, जो चालू पाया गया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने धान खरीद से संबंधित मापक यंत्रों, अन्य उपकरणों का अवलोकन किया। मौके पर धान की तौल करा रहे ग्राम सिहारी निवासी किसान देव नारायण से धान खरीद के मूल्य संबंधी जानकारी ली और तौल के दौरान आ रही समस्याओं के बारे में सुना। जिलाधिकारी ने केंद्र प्रभारियों को निर्देशित किया कि क्रय केंद्रों पर आने वाले किसानों के साथ उचित व्यवहार करें, पानी व उनके बैठने की समुचित व्यवस्था कराएं। तहसील स्तर पर सत्यापन आदि के कार्य में सहयोग करें।

योजनाओं का लाभ देने में न हो लापरवाही

रामपुर, अमृत विचार : जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं मुख्य विकास अधिकारी गुलाब चंद्र की उपस्थिति में विकास भवन सभागार में जीरो पॉवर्टी एवं महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित रानी लक्ष्मी बाई महिला एवं बाल सम्मान कोष योजना की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने रानी लक्ष्मीबाई महिला सम्मान योजना के तहत लंबित सभी प्रकरणों को शीघ्र निस्तारित कराने के निर्देश जिला प्रोबेशन अधिकारी को दिए। बैठक के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाये जा रहे जन जागरूकता एवं अधिक से अधिक युवाओं को तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3 अभियान से जोड़ने के लिए जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी द्वारा टी शर्ट का अनावरण किया। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया 9 अक्टूबर से 2 माह के लिए राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3 शुरू किया है। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. दीपा सिंह, नत्थूलाल, सूर्य प्रकाश, इरा आर्या सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बालाजी महोत्सव में भजन सुन भक्त हुए भावविभोर

भोट, अमृत विचार : बाला जी दरबार थूनापुर के 18 वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर शुक्रवार को श्री बालाजी मंदिर समिति द्वारा मंदिर प्रांगण में जागरण का आयोजन किया।

रुद्रपुर से पधारे शिवानंद महाराज की अध्यक्षता में विश्व हिंदू परिषद के सह प्रांत प्रमुख पंडित अनिल वशिष्ठ ने बाला जी की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर जागरण का आरंभ किया। बाहर से आए गायक कलाकारों द्वारा श्री बालाजी महाराज और हनुमान के संगीतमय भजन प्रस्तुत किए। हरियाणा के गायक कलाकार प्रवेश शर्मा ने गणेश वंदना कर बाबा का गुणगान शुरू किया। हरियाणा के ही बहादुरगढ़ से आई प्रसिद्ध भजन गायिका राजबाला व पलवल से पधारी निशा जांगड़ा ने संकट की कट कर बदरिया बाला जी नगरिया पेश कर मौजूद श्रद्धालुओं को भक्ति रस में झूमने को मजबूर कर दिया। सोनीपत व हरियाणा से आयी नृत्य मंडली ने बालाजी व राधा-कृष्ण की झांकी भक्तों के आकर्षण का केंद्र बनी। भोर में बाला जी महाराज की महाआरती व भोग लगा कर प्रसाद वितरण किया। व्यवस्था में महंत रामऔतार, भीकम सिंह, वीरेंद्र राजपूत, वीर सिंह, सोमपाल झम्मन लाल रहे।

सरदार पटेल जयंती पर ली राष्ट्रीय एकता की शपथ

प्रमाण पत्रों के साथ विजयी प्रतिभागी एवं अतिथि। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : इंपैक्ट कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में शनिवार को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में राष्ट्रीय एकता दिवस पोस्टर मेकिंग और निबंध लेखन प्रतियोगिता हुई। मुख्य अतिथि एएसपी अनुराग सिंह ने सभी विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

तीन दिवसीय प्रदर्शनी के समापन समारोह पर राष्ट्रीय एकता की शपथ ली और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को स्मरण किया। उप निदेशक माहे आलम ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका के बारे में बताया। इंपैक्ट कॉलेज चेयरमैन डॉ. सुल्तान सैफी ने कहा कि यह प्रदर्शनी न केवल विद्यार्थियों के लिए बल्कि शिक्षकों, अभिभावकों और समाज के हर वर्ग के लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं शिक्षाप्रद रही। क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी सागर कुमार ने बताया कि यह तीन दिवसीय कार्यक्रम 30 अक्टूबर से प्रारंभ हुआ था। उद्घाटन दिवस पर प्रचार वाहन को पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था।

अस्पताल की सील तोड़ने में दो पर रिपोर्ट

बिलासपुर, अमृत विचार : निजी चिकित्सक द्वारा अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर (ओटी) की सील को तोड़कर ऑपरेशन किए जाने के मामले में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी ने चिकित्सक एवं एक अन्य विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है।

क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. वंदना रानी के मुताबिक नेशनल हॉस्पिटल एवं मेटरनिटी सेंटर के डा. दानिश के खिलाफ 14 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इसके संबंध में 24 अक्टूबर को वह टीम तथा विवेचक उपनिरीक्षक ललित कुमार के हास्पिटल ई-साक्ष्य के लिए गई थी। इस दौरान अस्पताल के चिकित्सक द्वारा गाली-गलौज करने के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया। जांच के दौरान मौके पर दो महिलाएं मिलीं, जिनका प्रसव ऑपरेशन किया था। इस पर प्रभारी निरीक्षक बलवान सिंह ने बताया यूनानी अधिकारी की तहरीर पर डॉ. दानिश एवं एक अन्य पर रिपोर्ट दर्ज की है। जांच पड़ताल की जा रही है।

रावण ने मुक्ति पाने के लिए किया था सीता हरण : गोविंदाचार्य

कथा सुनते भक्त। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : मिस्टनगंज स्थित अग्रवाल धर्मशाला में श्रीराम कथा का आयोजन हो रहा है। सातवें दिन शनिवार को श्रीराम कथा महोत्सव में आचार्य गोविंदाचार्य महाराज ने देव गुरु वंदना करते हुए हनुमान चालीसा पाठ किया।

कथा सुनाते हुए कथावाचक व्यास ने बताया कि सीता हरण के बाद भगवान राम को यह ज्ञात हुआ। लंकापति रावण ने अपनी मुक्ति पाने के लिए सीता हरण किया है, जो स्वर्ण मृग कपटी रावण का मामा था। वह मरते समय श्रीराम की कृपा से मुक्त हो जाता है। सीता हरण करने वाले का पता बताते हुए मोक्ष प्राप्त किया था। हनुमान भूली हुई शक्ति याद करते हुए लंका में प्रवेश कर सीता से आशीर्वाद प्राप्त किया। उसके बाद अशोक वाटिका उजाड़ दिया। इस मौके पर पंडित सत्य व्रत तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद मिश्रा, ललित मोहन शर्मा, सीता राम शर्मा, शांति शर्मा, मंगल गोविंद गुप्ता, सीमा गुप्ता, सुधीर बंसल, नीता गुप्ता, राम नाथ गुप्ता सहित अन्य मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

मड़ैयान तुलसी में लगा यूनानी स्वास्थ्य शिविर

शाहबाद, अमृत विचार : शनिवार को शाहबाद के राजकीय यूनानी चिकित्सालय द्वारा मड़ैयान तुलसी गांव में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। जिसमें 63 मरीजों को यूनानी औषधि वितरित की। जिसमें 37 पुरुष मरीज, 23 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल रहे। लाभार्थियों को संतुलित आहार और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने की अपील की। इस मौके पर चिकित्सालय के प्रभारी रिजवान मसूर खान, कमरुज्जमा, गोरे खां, आरिश, छोटे, रईस और कल्लन मौजूद रहे।

निबंध लेखन में आयशा इसरार प्रथम, सिमरन द्वितीय

रामपुर, अमृत विचार : राजकीय रजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत महिला स्वावलंबन एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में आयशा इसरार प्रथम, सिमरन द्वितीय तथा आरुही राज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के बाद महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. जागृति मदान धींगड़ा ने कहा कि निबंध किसी भी विषय पर अपने विचारों की व्यवस्थित अभिव्यक्ति का माध्यम है। लेखन की यह विधा विद्यार्थियों के लिए परीक्षोपयोगी भी है। इसके पश्चात कार्यक्रम की नोडल अधिकारी प्रो. मीनाक्षी गुप्ता ने मिशन शक्ति 5.0 के तहत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा साझा की। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. मुजाहिद अली एवं डॉ. वीके राय तथा संचालन डॉ. राजेश कुमार ने किया।

दस्तावेज लेखकों ने बैठक कर समस्याओं पर चर्चा की

रामपुर, अमृत विचार : तहसील में दस्तावेज लेखकों की बैठक हुई। सभी अधिवक्ता व सभी दस्तावेज लेखकों के द्वारा तहसील सदर के अधिकारियों पर आरोप लगाया है। धारा 34 उप्र राजस्व संहिता के पत्रावलियों में जानबूझकर रिश्वत न देने के कारण अंश का हवाला देते हुए व मूल बैनामा ना होने का हवाला देते हुए व वादी की अनुपस्थिति दिखाते है। फर्जी आपत्ति अधीनस्थ कर्मचारियों से तैयार करा लगाने के कारण निरस्त कर दी जाती है। कोई अधिवक्ता अगर मुवक्किल के कहने से दाखिला खारिज में वकालतनामा लगाकर दायरा करा देता है तो भी अधिवक्ताओं से फोन करके रकम की मांग की जाती है। इस मौके पर प्रदीप कुमार सक्सेना, दिलीप सक्सेना, अंकुश सक्सेना, भरत कुमार पूठिया, अमित कुमार रहे।

प्रभात फेरी में कीर्तन से संगत हुई निहाल

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : श्री गुरु नानक देव जी महाराज के आगमन दिवस के उपलक्ष्य शनिवार को गुरुद्वारा संत भाई जी बाबा से प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में शबद कीर्तन से संगत निहाल हुई।

प्रभात फेरी मलकीत सिंह के घर से गंगापुर आवास विकास कॉलोनी में सुरेंद्र अरोड़ा, मदन लाल भाटिया, प्रीतम सिंह के घर होते हुए मनमोहन सिंह के घर पहुंची। डॉ. मीणा महे के घर होते हुए वापसी में अमरीक सिंह डेयरी वालों के घरों का भ्रमण करते हुए गुरुद्वारा पहुंचकर संपन्न हुई। निशान साहिब को प्रभात फेरी के आगे आगे लेकर चलने की सेवा इकबाल सिंह ने की। प्रभात फेरी में जत्थेदार महेंद्र सिंह होरा एवं पपिंदर सिंह, जसमीत सिंह, अमरजीत सिंह, हरीश अरोड़ा, संतोख सिंह खालसा रहे।

प्रभात फेरी में शबद कीर्तन करती संगत। ● अमृत विचार

सिख समाज ने प्रभातफेरी निकाली

बिलासपुर, अमृत विचार : गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में सिख समुदाय द्वारा दसवें दिन भी प्रभातफेरी निकाली। नगर माटखेड़ा मार्ग स्थित गुरुद्वारा श्री सिंह सभा परिसर में संगत एकत्र हुई। प्रभातफेरी गुरुद्वारा साहिब से शुरू होकर माटखेड़ा मार्ग पर कुलदीप सिंह के आवास पर पहुंची। प्रभातफेरी का समापन गुरुद्वारा परिसर में अरदास और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। इस दौरान गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान तीर्थ सिंह ने प्रभातफेरियां का समापन तीन नवंबर को होगा। चार नवंबर को नगर कीर्तन निकलेगा। सुरेंद्र पाल सिंह, पलविन्द्र सिंह, जसवंत सिंह, परमजीत कौर पोला, बलविंदर कौर, मंदीप कौर, मंजीत कौर, नरेंद्र कौर, सुखवीर कौर, स्वरूप सिंह, प्रीतम सिंह, कश्मीरा सिंह, केवल सिंह, हरभेज सिंह, अमरजीत सिंह, प्रीतम सिंह, लखविंदर सिंह, नवीन सिंह रहे।

सैदनगर में दो और डेंगू के मरीज मिले

रामपुर, अमृत विचार : ब्लॉक सैदनगर में दो और डेंगू के मरीज मिले हैं, जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या 23 हो गई है।

जिला अस्पताल के डेंगू वार्ड में मरीज भर्ती हैं। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. दीपा सिंह ने कहा कि गांवों में हालत खराब है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उन गांवों में शिविर लगवा रहे हैं, जहां डेंगू के मरीज मिलते हैं। उस गांव में शिविर लगाकर बुखार से पीड़ित मरीजों के खून के नमूने लिए जाते हैं। नालियों और पोखरों में एंटी लार्वा का छिड़काव कराया जाता है। शाम ढले गांव में फॉगिंग भी होती है। जिले में 685 ग्राम पंचायतें हैं और सभी में बुखार के मरीजों की भरमार है। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि नगर पालिका, नगर पंचायतों को स्वास्थ्य विभाग दवा उपलब्ध कराता है जबकि मशीनें पालिका और नगर पंचायतों की होती हैं।

नगर में आवारा कुत्तों के खिलाफ अभियान शुरू

टांडा, अमृत विचार : नगर में बढ़ रही आवारा कुत्तों की समस्या पर नियंत्रण पाने के लिए नगर पालिका प्रशासन ने शनिवार को विशेष अभियान चलाया। अभियान के तहत पालिका टीम ने कैटल कैचर वाहन की मदद से दर्जनभर कुत्तों को पकड़ा। अभियान के दौरान पालिका टीम ने मोहल्ला बरगद, नगरपालिका परिसर के आसपास तथा शाही मस्जिद के पास घूम रहे कुत्तों को सुरक्षित तरीके से पकड़ा। पालिका अध्यक्ष पति सरफराज आलम ने बताया कि नगर में बढ़ रही आवारा कुत्तों की संख्या से नगरवासी परेशान थे। इसको देखते हुए दस दिवसीय विशेष अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि रोजाना अलग-अलग वार्डों में टीम भेजी जाएगी और पकड़े गए कुत्तों को सुरक्षित रूप से रामपुर स्थित एनिमल शेल्टर भेजा जाएगा।

धूम्रपान नहीं करने की सीएमओ ने दिलाई शपथ

रामपुर, अमृत विचार : तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3 के तहत मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. दीपा सिंह ने धूम्रपान नहीं करने के लिए शपथ दिलाई। जिला सलाहकार डॉ. शहजाद हसन ने जिला चिकित्सालय में तंबाकू से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूकता अभियान चलाया। जिसमें मरीज एवं उनके साथ आने वाले तीमारदारों को तंबाकू से होने वाले रोगों एवं हानियों के बारे में जानकारी दी गई। सार्वजनिक स्थलों पर कोटपा अधिनियम के अनुपालन के लिए जुर्माना अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत धूम्रपान करने वाले व्यक्तियों का तत्काल जुर्माना वसूला गया।

अमृत विचार

मुरादाबाद , रविवार,2 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

सिविल लाइंस की गुल रहेगी बिजली

रामपुर, अमृत विचार : अधिशासी अभियंता पीके शर्मा ने बताया कि रविवार को सिविल लाइंस उपकेंद्र के तहत सिविल लाइन फीडर पर राधा रोड स्थित भारत गार्डन के पास स्थित 400 केवीए, 160 केवीए, 100 केवीए ट्रांसफॉर्मर शिफ्टिंग का कार्य होना है। जिसके चलते सिविल लाइन क्षेत्र में भारत भूषण गुप्ता की तरफ से होते हुए किचेन मार्ट तक, सूर्य प्रकाश पाल की तरफ से होटल कृष्णा से होते हुए मुन्ना चेयरमेन की तरफ, लेबर ऑफिस, लेबर कॉलोनी, रामलीला ग्राउंड के पास के क्षेत्र की सुबह 10 बजे से 16 बजे शाम तक बिजली बंद रहेगी। वहीं, सुबह 9 बजे से 01 बजे तक 33 केवी विद्युत उपकेंद्र अजीतपुर प्रथम रामपुर से पोषित 11 केवी रायपुर 1 और इंडस्ट्रियल फीडर पर आ रहे पेड़ों की शाखा ताराशी और लाइनों के मरम्मत का कार्य होना है। जिसमें अजीतपुर बिजलीघर से पोषित 11केवी रायपुर 1 और इंडस्ट्रियल फीडर से पोषित क्षेत्र इंडस्ट्रियल एरिया अजीतपुर, ग्राम पनवाड़िया, नई बस्ती अजीतपुर, अहमदनगर जागीर आदि की विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

मामूली बात को लेकर जेई को पीटा

रामपुर, अमृत विचार : सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के आवास विकास निवासी वीरेंद्र सैनी का कहना है कि वह प्रधानमंत्री आवास योजना में जेई हैं। 31 अक्टूबर की सुबह 10 बजे रामपुर से स्वार जा रहे थे। खेमपुर चौराहे पर शकील और चार लोगों से जब अपने ऊपर थूकने का विरोध किया तो शकील व अन्य अज्ञात लोगों ने जानलेवा किया। जिससे जेई की उंगली में फैक्चर हो गया। शोर मचाने पर आरोपी मौका पाकर फरार हो गए। पुलिस ने नामजद तीन अज्ञात लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तीन लोगों का शांतिभंग में चालान

मसवासी, अमृत विचार : चौकी क्षेत्र के गांव सेमरा रहमतगंज में अजीत सिंह के गांव के शादी समारोह में शामिल होने गया था। इसी दौरान संतोष देवी पत्नी रामनिवास, अर्जुन कुमार सनी कुमार, रवि कुमार ने मौका पाकर खेत में बने मकान के छज्जे को तोड़ दिया था। इस मामले की सूचना पूर्व में प्रशासन को दी जा चुकी थी। पुलिस ने छज्जा तोड़ने के आरोप में रवि कुमार, शनि मौर्य, और गुलड़ पीपलसाना निवासी पप्पू को हिरासत में लेकर शांति व्यवस्था भंग के आरोप में चालान कर दिया।

सड़क हादसों में दो लोगों की मौत

गंज थाना क्षेत्र के चाकू चौराहा और भोट थाना क्षेत्र में हुए हादसे

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : गंज थाना क्षेत्र के चाकू चौराहे के पास शुक्रवार रात करीब साढ़े दस बजे सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव का पोस्टमार्टम हो जाने के बाद परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं, भोट थाना क्षेत्र के बाजीतपुर निवासी जितेन्द्र की पिकअप की टक्कर से मौत हो गई।

जिला मुरादाबाद के रहने वाले दीवान सिंह मेहता पुलिस एकेडमी में कुक के पद पर तैनात हैं। उनका 24 वर्षीय बेटा अंकित सिंह मेहता हल्द्वानी में निजी कंपनी एसएमवीसी में काम करता था। परिजनों का कहना है कि वह हल्द्वानी जाने के लिए घर से बाइक से निकल गया था। करीब साढ़े दस बजे चाकू चौराहे के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत गई। हादसे के बाद राहगीर मौके पर रूक गए और पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को अस्पताल भिजवाया। लेकिन कुछ ही देर के बाद उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जानकारी मिलने के बाद परिजन मोर्चरी आ गए। शनिवार को शव का पोस्टमार्टम हो जाने के बाद परिजनों को शव सौंप दिया। मृतक की शादी नहीं हुई थी।

जिला अस्पताल में मौजूद अंकित के परिजन। ● अमृत विचार

मृतक अंकित।

मृतक जितेन्द्र।

युवक जख्मी, रेफर

शाहबाद, अमृत विचार : शाहबाद थाना क्षेत्र के मधुकर गांव निवासी तोताराम अपनी रिश्तेदारी से दावत खाकर वापस अपने गांव लौट रहा था। रास्ते में शाहबाद चंदौसी मार्ग पर सामने से आ रही बाइक ने तोताराम की बाइक में टक्कर मार दी। जिसके चलते तोताराम गंभीर रूप से घायल हो गया। चीख पुकार की आवाज सुनकर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। घटना की जानकारी एंबुलेंस को दी। घायल को सीएचसी में भर्ती कराया गया।

पिकअप की टक्कर से मजदूर की मौत

रामपुर, अमृत विचार : शुक्रवार शाम बहन के घर से जा रहे बाइक सवार मजदूर को पिकअप ने रौंद दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। थाना भोट के बाजीतपुर निवासी 28 वर्षीय जितेंद्र सागर मजदूरी करता था। वह शुक्रवार को अपनी बहन के घर शहजादनगर के गांव कल्याणपुर पट्टी आया था। शाम को वह लौटकर घर जा रहा था कि दुर्ग नगला के पिकअप ने बाइक सवार को टक्कर मार दी थी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। हादसे के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। शनिवार को शव का पोस्टमार्टम हो जाने के बाद परिजनों के हवाले कर दिया।

तेंदुए ने दो पशुओं का किया शिकार

मसवासी, अमृत विचार : क्षेत्र के करीमपुर के जंगल में तेंदुए ने दो पशुओं का शिकार किया है। ग्रामीणों ने क्षेत्र में तेंदुआ होने की सूचना वन विभाग को दी है।

किसान शनिवार सुबह खेत पर जा रहे थे कि इस दौरान किसानों ने अमर सिंह के खेत में देखा कि कुत्ते टहल रहे हैं। ग्रामीणों ने जाकर देखा तो दो पशुओं के शव पड़े हैं। ग्रामीणों में शव देखकर दहशत फैल गई। सूचना वन विभाग को दी गई। सूचना पाकर बजरंग दल के प्रखंड अध्यक्ष अर्जुन कुमार गुप्ता भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों के साथ मिलकर गोवंशीय पशुओं के शवों को गड्ढा खोदकर दबा दिया। लोगों ने बताया कि इससे पहले भी करीमपुर के जंगल में तेंदुए ने गोवंशीय पशु का शिकार किया था। शनिवार को फिर तेंदुए ने दो पशुओं का शिकार किया। वहीं, वन विभाग के सब डिवीजन ऑफिसर ओम प्रकाश राम ने बताया कि करीमपुर के जंगल में तेंदुए द्वारा दो गोवंशीय पशुओं का शिकार करने की जानकारी मिली है। जांच के लिए टीम को भेजा है। सेमरा लाडपुर के जंगल में तेंदुआ पकड़ने के लिए वन विभाग ने पिंजरा लगाया था, लेकिन उसमें शिकार न होने पर तेंदुआ पकड़ में नहीं आ सका।

चोरी की बाइक के साथ मौजूद आरोपी। ● अमृत विचार

टांडा में चोरी की चार बाइकें बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता, टांडा

अमृत विचार : कोतवाली पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चार चोरी की 4 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। टीम ने मुखबिर की सूचना पर नंगली परसुपुरा मोड़ से दोनों को दबोच लिया है।

शुक्रवार को थाना अजीमनगर के गांव मुरसैना निवासी मुनेश ने टांडा कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें 22 अक्टूबर को लालपुर से बाइक चोरी होने की बात बताई। शिकायत के आधार पर कोतवाली में मामला दर्ज किया और घटना के खुलासे के लिए थाना स्तर पर टीमों का गठन किया। शनिवार को सैदनगर चौकी क्षेत्र के नंगली परसुपुरा मोड़ पर मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर दो युवकों को पकड़ा। पूछताछ में उनकी पहचान दानिश निवासी लालपुर कलां, थाना टांडा और फईम निवासी मोहल्ला बेगम वाली बगीया थाना गंज के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उनके पास से चार चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। पुलिस के अनुसार दानिश और फईम चोरी की मोटरसाइकिलों को आसपास के क्षेत्रों से चुराकर सस्ते दामों पर बेचने की फिराक में रहते थे। टांडा पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

नाराज किसानों ने क्रय केंद्र पर दिया धरना

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : धान क्रय केंद्र प्रभारी के रवैये से नाराज भाकियू टिकैत के सदस्यों ने भोट समिति के मोहनपुर केंद्र पर धरना दिया। किसानों की भीड़ बढ़ने पर प्रभारी समेत सभी कर्मचारी वहां से चले गए। आरोप है कि प्रभारी की शिकायत करने पर एमडी ने भी किसानों को धमकाया।

करीमपुर शर्की के किसान आनंद पांडे शनिवार दोपहर धान का सैंपल लेकर भोट समिति के सेंटर मोहनपुर पहुंचे। धान तुलवाने की बात कही तो प्रभारी ने धान तोलने से इंकार कर दिया। इस बात को लेकर बहस होने लगी। प्रभारी ने किसान का मोबाइल फोन छीनने की कोशिश और कुर्सी से उठाकर खड़ा कर दिया। किसान एमडी को फोन कर प्रभारी की शिकायत करने लगा। आरोप है कि एमडी ने भी किसान को धमकाया दिया। मामला जब भाकियू के प्रदेश महासचिव हसीब अहमद के पास पहुंचा तो प्रदेश कैंप कार्यालय प्रभारी दरबारी लाल शर्मा, मंडल महासचिव मोहम्मद तालिब समेत तमाम कार्यकर्ता केंद्र पर पहुंचे। किसानों ने एमडी और प्रभारी के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। किसानों की भीड़ बढ़ने लगी तो केंद्र प्रभारी चले गए। इसके बाद किसान रिपोर्ट कराने भोट थाने पहुंचे। प्रदेश महासचिव हसीब अहमद ने सहायक आयुक्त, सहायक निबंधक को अवगत कराया। प्रदेश महासचिव ने बताया केंद्रों पर किसानों के बजाए राइस मिलर्स और बिचौलियों का धान तौला जा रहा है।

मोहनपुर केंद्र पर 500 क्विंटल धान की खरीद दिखाई, लेकिन मौके पर मौजूद नहीं है। प्रदेश महासचिव ने बताया कि एआर ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। अगर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन करने वालों में रामबहादुर, मोहसिन, छिड़ा नेता भी शामिल रहे।

समिति पर धरना देते किसान। ● अमृत विचार

● मामला एआर के पास पहुंचा, केंद्र प्रभारी पर रिपोर्ट करने की तैयारी

किशोरी से छेड़छाड़ में तीन पर रिपोर्ट दर्ज

स्वार, अमृत विचार : स्वार तहसील क्षेत्र के गांव निवासी दलित महिला 21 अक्टूबर को नाबालिग दो बेटियों के साथ पीलिया की दवा लेने जा रही थी। महिला सवारी के इंतजार में स्वार बाजपुर मार्ग स्थित गांव मानपुर के निकट खड़ी थी। महिला बेटियों खड़ाकर पानी पीने के लिए चली गई।

आरोप है इस दौरान बिजारखाता निवासी भूरा आ गया और सामान खरीदने को कहा, उसकी बातों में आकर उसकी बेटी खरीदारी करने लगी। भूरा ने उसकी बेटी से अश्लील हरकतें करने के साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। छोटी बेटी उसके पास आई और छेड़छाड़ की बात मां को बताई। महिला आई तो भूरा जातिसूचक शब्दों से अपमानित करते हुए शिकायत करने पर धमकी देकर फरार हो गया। दलित महिला ने पुलिस अधीक्षक न्याय दिलाने की गुहार लगाई थी। जिस पर पुलिस ने पुलिस अधीक्षक के आदेश पर आरोपी भूरा समेत दो पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क हादसों को रोकने के लिए चिह्नित होंगे ब्लैक स्पॉट : डीएम

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

● कलेक्ट्रेट सभागार में हुआ बैठक का आयोजन

अमृत विचार : कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार को जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाए जाने के उद्देश्य से विभिन्न बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

उन्होंने सड़क हादसों की रोकथाम के लिए ब्लैक स्पॉट की पहचान कर वहां आवश्यक सुधारात्मक कार्य कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने यातायात नियमों के पालन के लिए सघन अभियान चलाने और जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन में सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों में सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी देने, सार्वजनिक स्थलों पर होर्डिंग एवं बैनर लगाकर जन जागरूकता प्रसार करने तथा ओवरलोडिंग एवं बिना हेलमेट, सीट बेल्ट ड्राइविंग पर कड़ी निगरानी रखने के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया।

बैठक में पुलिस विभाग, लोक निर्माण विभाग, परिवहन विभाग एवं चिकित्सा विभाग के अधिकारियों द्वारा अपने कार्य क्षेत्र से संबंधित क्रियाकलापों की जानकारी जिलाधिकारी को दी। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ. नितिन मदान, सड़क सुरक्षा समिति के सभी सदस्य, संबंधित विभागों के अधिकारी तथा परिवहन विभाग के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

तीन नए कानून के बारे में किया जागरूक

सैदनगर, अमृत विचार : थाना प्रभारी अजीमनगर करम सिंह द्वारा महिला सुरक्षा दल थाना अजीमनगर के साथ थाना ग्राम खेमपुर में चौपाल लगाकर तीनों नए कानूनों के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम किया।

कार्यक्रम में थाना प्रभारी, अजीमनगर द्वारा इन नए कानूनों के प्रमुख प्रावधानों, सुधारों तथा इनके व्यवहारिक उपयोग की जानकारी दी। ये तीनों कानून न्याय व्यवस्था में परिवर्तन लाने वाले हैं, जिनका उद्देश्य न्याय प्रक्रिया को पारदर्शी एवं पीड़ित केंद्रित बनाना है। नए कानूनों की बारीकियों को समझने, कर्तव्यों के निर्वहन में पालन करने तथा आम नागरिकों को भी इनके प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। जिसमें जीरो एफआईआर, ई-एफआईआर, समयबद्ध न्याय, महिला एवं बाल संरक्षण के प्राविधान नए अपराध, प्रौद्योगिकी और फोरेंसिक के उपयोग से संबंधित प्राविधान पीडित-केंद्रित प्राविधान के बारे में बताया।

मारपीट का वीडियो बनाने पर विवाद, सात पर रिपोर्ट

संवाददाता, स्वार

अमृत विचार : बच्चों में हो रहे झगड़े की मोबाइल से वीडियो बनाने पर दो पक्ष आमने सामने आ गए और जमकर लात-घूसे चले। पुलिस ने दोनों पक्षों के सात लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की है।

कोतवाली क्षेत्र के गांव धनौरी निवासी सोहनलाल और सूरजपाल के बच्चों में शुक्रवार को किसी बात को लेकर में विवाद होने के बाद झगड़ा हो रहा था।इस दौरान बच्चों में हो रहे झगड़े की वीडियो बनाना शुरू कर दी।

इसी बात को लेकर दोनों पक्ष आमने सामने आ गए। गाली गलौज करने के साथ लात-घूंसे चलने लगे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। तब झगड़ा कर रहे दोनों पक्षों के लोग फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर मिलने पर एक पक्ष के सूरजपाल, दयाराम, प्रसादी, सुनीता दूसरे पक्ष के सोहनलाल, मित्रपाल, ललिता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

विवाहिता को मांग पूरी न होने पर घर से निकाला

स्वार, अमृत विचार : थाना बाजपुर के गांव निवासी युवती की शादी चार वर्ष पहले खानपुर उत्तरी निवासी मेहरबान से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ससुरालियों ने प्रताड़ित करने के साथ दो लाख रुपये एवं बाइक की मांग शुरू कर दी। पीड़ित महिला की बहन और बहनोई समझाने के लिए उसकी ससुराल गए तो दहेज लोभियों ने उसकी बहन के साथ छेड़छाड़ की और बहनोई को मारापीटा। ससुरालियों ने मारपीट कर विवाहिता उसकी बहन और बहनोई को घर से निकाल दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

ढकिया में जागरूक रैली निकालती पुलिस और छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

अपराध से बचाव के लिए लोगों को किया जागरूक

संवाददाता, ढकिया

अमृत विचार : मिशन शक्ति 5 अभियान के तहत नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन की थीम पर ढकिया के खान सिंह जनता इंटर कालेज में पुलिस कर्मियों के साथ चौकी प्रभारी विनेश कुमार पहुंचे।

उन्होंने मिशन शक्ति के तहत छात्र छात्राओं को नए आपराधिक कानूनों की जानकारी दी। जिसमें भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही चौकी प्रभारी ने कहा कि साइबर अपराध घटित होने पर साइबर हेल्पलाइन 1930 व साइबर क्राइम की वेब साइड पर रिपोर्ट दर्ज कराएं। पुलिस ने छात्र-छात्राओं के साथ रैली निकालकर लोगों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया। इस दौरान प्रधानाचार्य जगतपाल वर्मा, सतेंद्र सिंह, एमपी सिंह, कुलदीप, सत्यदेव, मनोज कुमार सिंह, देवराज सिंह, मोहित पांडे, अरविंद सिंह, भास्कर मिश्रा, अर्जुन पांडे रहे।

समस्याओं के समाधान के लिए एडीएम को दिया ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : भाकियू भानू के पदाधिकारी बिलासपुर तहसील परिसर में नारेबाजी करते हुए संपूर्ण समाधान में पहुंचे। उसके बाद नहरों पर अवैध कब्जे हटवाने और पानी टेल तक पहुंचाने को लेकर एडीएम राजस्व से नहर विभाग और तहसील प्रशासन द्वारा कराए कब्जो को लेकर वार्ता की। मामले में एडीएम प्रशासन डॉ. नितिन मदान ने हटाने का आश्वासन दिया।

किसानों को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष मोहम्मद सलीम वारसी ने कहा कि तहसील प्रशासन द्वारा किसानों का शोषण कर रहा है। अवैध वसूली चरम सीमा पर है। बिलासपुर नहर विभाग अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा नहरों अवैध कब्जे कराए जा रहे हैं। सरकारी संपत्ति को खुर्द-बुर्द किया जा रहा है। सरकार से आए धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। नहरे बंद पड़ी हैं। जिसके कारण पानी टेल तक नहीं पहुंच पा रहा है। किसान अपनी फसलों की सिंचाई भी नहीं कर पा रहे हैं। महंगे डीजल होने के कारण किसान अपनी फसलों की सिंचाई सही से नहीं कर पाते हैं। अगर जल्द ही किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो नहर विभाग के खिलाफ धरना दिया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में मोहम्मद आसिम राजा, संतोष कुमार सिकदर, मोहम्मद अहकाम मिर्जा, मोहम्मद अहमद, कदीर आलम, सोनू सिंह, मुन्नीलाल, सतवीर सिंह, सतनाम सिंह, बलबीर सिंह, जमना प्रसाद, मोहम्मद आरिफ, लियाकत खान, वाहिद खान सहित अन्य मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

स्कूल में छात्र-छात्राओं को कानून के प्रति किया जागरूक

रामपुर, अमृत विचार : साईं विहार स्थित फर्स्ट इंप्रेशन पब्लिक स्कूल में मिशन शक्ति के तहत महिला सशक्तिकरण के लिए कार्यक्रम किया। जिसमें महिलाओं को अधिकारों और सुरक्षा हितों के लिए जागरूक करने में एसआई पारुल शर्मा, प्रियंका और गजना द्वारा स्कूल के विद्यार्थियों को हेल्पलाइन की जानकारी दी। प्रधानाचार्य वंदना डिमरी और डायरेक्टर अतुल कुमार सिंह द्वारा शॉल और शील्ड प्रदान करके पुलिस टीम को सम्मानित किया। इस दौरान हेड मुस्कान खान, कुमकुम राजपूत, खुशबू सक्सेना, आकांक्षा मौर्य, डॉली गंगवार, तान्या सिंह, प्रियांशी, शैली श्रीवास्तव, श्रुति लोधी, संध्या, मनीषा सिंह, अक्षिता, प्रियंका यादव, लाजवंती, ज्योति, लौंगश्री, ममता रहे। कार्यक्रम का संचालन चंचल प्रजापति द्वारा किया।

गुड और बैड टच की जानकारी दी

रामपुर, अमृत विचार : राजकीय महाविद्यालय रजा नगर में गुड टच एवं बैड टच विषय पर गोष्ठी हुई। कालेज प्राचार्य प्रो. आरएस गिरि ने कहा कि छात्राएं गुट टच और बैड टच को अच्छी तरह से समझें। यदि कोई बैड टच करता है तब इसकी शिकायत तुरंत पुलिस से करें। कॉलेज सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य ने छात्र-छात्राओं को बाल सुरक्षा, आत्म-सम्मान तथा सामाजिक जागरूकता के बारे में जानकारी दी। प्रो. कैलाश चंद्र ने कहा कि बच्चों एवं युवाओं को प्रारंभिक स्तर पर ही सही और गलत स्पर्श की जानकारी दी जानी चाहिए। इस अवसर पर सह-संयोजक डॉ. अनुपम मित्र, डॉ. जोगेंद्र कुमार, डॉ. पवन कुमार, डॉ. बाल मुकुंद वर्मा रहे। संचालन डॉ. कपिल देव ने किया।

बीमारियों से बचने को रहें तनाव मुक्त

रामपुर, अमृत विचार : शंकरपुर स्थित ईस्ट वेस्ट पब्लिक स्कूल में शनिवार को कार्यशाला में हुई। एचओडी विज्ञान शिवालिक इंटरनेशनल स्कूल हल्द्वानी शिखा वर्मा ने कहा कि बीमारियों से बचने के लिए तनाव मुक्त होकर कार्य करें। कार्यशाला में माउंट लिट्रा जी स्कूल रुद्रपुर संदीप नथानी ने कहा कि शिक्षण कार्य में बढ़ते दायित्व, विद्यार्थियों की विविध आवश्यकताओं तथा समय की कमी के कारण शिक्षकों में मानसिक दबाव बढ़ता जा रहा है। ऐसे में तनाव प्रबंधन आवश्यक है। कार्यशाला में दयावती मोदी अकेडमी, ग्रीनवुड पब्लिक स्कूल, सेंट मैरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, व्हाइट हॉल पब्लिक स्कूल, सेंट पॉल पब्लिक स्कूल, हेरिटेज चिल्ड्रन एकेडमी, लीड इंडिया पब्लिक स्कूल के अलावा 20 सीबीएसई विद्यालयों के शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। ईस्ट वेस्ट पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर अनवार उल्लाह खां ने आभार जताया। प्रधानाचार्य फहीम हैदर ने धन्यवाद दिया।

शिक्षकों ने मुख्य विकास अधिकारी का किया स्वागत

रामपुर, अमृत विचार : राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष रवेंद्र गंगवार के नेतृत्व में शनिवार को नवागत मुख्य विकास अधिकारी गुलाब चंद्र से मुलाकात की। उनको पुष्पगुच्छ एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल का चित्र भेंट कर बधाई दी। साथ ही हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान संकल्प पत्र भेंट संगठन की रीति-नीति एवं संगठन द्वारा किए जा रहे रचनात्मक कार्यों से अवगत कराया। इस मौके पर विपेंद्र कुमार, सोनी गुप्ता, प्रभारी सैयद अफाक हुसैन, विनीत श्रीवास्तव, आलोक सक्सेना, नूतन सिंह आदि रहे।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

न्यूज ब्रीफ

बुखार पीड़ित युवक की मेरठ में मौत

रहरा, अमृत विचार : बुखार से पीड़ित एक युवक ने उपचार के दूसरे दिन मेरठ के एक निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। परिवार वाले डेंगू से मौत बता रहे हैं। रहरा थाना क्षेत्र के गांव सिमथला निवासी दीपक त्यागी (35) पुत्र सुरेश चंद त्यागी को करीब तीन दिन पहले बुखार आया था। परिजनों ने पहले गांव के एक निजी चिकित्सा को दिखाया। तबीयत में सुधारने होने के बाद परिजनों ने उसे बुधवार को मेरठ के एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। जहां उपचार के दौरान शुक्रवार शाम करीब 6 :00 बजे दम तोड़ दिया। दीपक त्यागी ने पत्नी विदुषी तथा दो बेटे अंश व अनमोल को छोड़ा है। मृतक दीपक त्यागी चौधरी बिहारी सिंह कन्या इंटर कॉलेज रहरा के डायरेक्टर ब्रह्ममदत्त त्यागी का भतीजा था।

बीच बचाव करने आए युवक को चाकू मारा

हसनपुर, अमृत विचार : एक परिवार में हो रहे झगड़े में बीच बचाव करनेआए युवक को चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। पुलिस ने तहरीर लेकर घायल को उपचार के लिए सीएचसी भेज दिया। कस्बा सैदनगली निवासी हरिओम पुष्कर के पड़ोस में रह रहे परिवार में किसी बात को लेकर मारपीट हो रही थी। हरिओम पुष्कर बीच बचाव करने के लिए मौके पर पहुंचे, तो उन पर ही आरोपी द्वारा चाकू से बार कर घायल कर दिया गया। घायल हरिओम पुष्कर थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की पुलिस ने तहरीर लेकर घायल को उपचार के लिए सीएचसी भेज दिया। थाना अध्यक्ष विकास शेरावत द्वारा बताया गया कि मारपीट की तहरीर प्राप्त हुई है जांच कार्यवाही की जा रही है।

नाबालिग मंगेतर से युवक ने किया दुष्कर्म

अमरोहा, अमृत विचार : नगर कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी मजदूर की 16 वर्षीय बेटी को मोहल्ले के ही एक युवक ने साल भर पहले प्रेम जाल फंसा लिया था। इसकी जानकारी दोनों के परिजनों को हुई तो उनका रिश्ता तय कर दिया था। तय हुआ था कि किशोरी के बालिग होने पर दोनों की शादी कर दी जाएगी। लेकिन रिश्ता होने के बाद प्रेमी ने मंगेतर को मिलने बुलाना शुरू कर दिया। आप है कि उसने होटल में बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो भी बना ली। हद तो तब हो गई जब उसने वीडियो दोस्तों को भेज दी। जानकारी होने पर परिजनों ने बेटी से पूछताछ की तो उसने सारा घटनाक्रम बता दिया। पीड़ित के पिता ने पुलिस में आरोपी मंगेतर के विरुद्ध तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक पंकज तोमर ने बताया कि आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

तिगरी गंगा मेले में रात में रोशनी से नहाए झूले। ● अमृत विचार

मेले में 400 स्काउट गाइड दे रहे सेवा

तिगरी गंगा मेले में जनपद के कई विद्यालयों के स्काउट अपनी सेवाएं दे रहे हैं। स्काउट बच्चे अलग-अलग दल के रूप में मेला क्षेत्र में घूमकर परिजनों से बिछड़े बच्चों व बड़ों को मिलवा रहे हैं। यातायात व्यवस्था को भी संभालने में भी वे अपना योगदान दे रहे हैं। सदर चौक पर श्रद्धालुओं को आने जाने के लिए बनाए गए मार्गों पर ही आने जाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। सदर चौक पर बने भारत स्काउट के कार्यालय परिसर में सोमवार को शिक्षिकाओं ने रंगोली भी सजाई। यहां एक मचान भी बनाया गया है, जहां खोये हुए बच्चों को मिलवाया जा रहा है। स्काउट सूचना केन्द्र से मेले में श्रद्धालुओं के पालन करने सम्बंधी निर्देशों व अफसरों द्वारा दी जाने वाली आवश्यक सूचनाओं को ध्वनि विस्तारक यंत्र दे रहे हैं। स्काउट शिक्षक जोगेन्द्र सिंह ने बताया कि मेले में विभिन्न स्कूलों के लगभग 400 स्काउट सेवाएं देंगे। कई स्काउट शिक्षक व शिक्षिकाएं भी यहां पर उपस्थित रहेंगे।

मां गंगा की आरती करते डीआईजी, डीएम व अन्य। ● अमृत विचार

गंगा में दुग्धाभिषेक करते अधिकारी। ● अमृत विचार

हवन, दुग्धाभिषेक व महाआरती... तिगरी गंगा मेले का उद्घाटन

जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर, मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह, डीआइजी मुनिराज सिंह, डीएम निधि गुप्ता ने की पूजा अर्चना

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार : ऐतिहासिक तिगरी गंगा मेले का देवोत्थान के मौके पर हवन-यज्ञ के बाद दुग्ध अभिषेक और महाआरती कर शुभारंभ हो गया। जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर, मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह, डीआइजी मुनिराज जी, डीएम निधि गुप्ता व अन्य ने यज्ञ में आहुति दी।

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर पश्चिम अमरोहा के प्रसिद्ध तिगरी गंगा धाम में मेला लगता है। जिसमें 25-30 लाख श्रद्धालुओं का बसेरा रहता है। शनिवार की शाम को इस मेले का मां गंगा की आरती व दुग्ध अभिषेक कर शुभारंभ हो गया। मेले में पहुंचे सभी प्रशासनिक अधिकारियों ने गंगा के पावन तट पर बने पंडाल में बैठ यज्ञ में आहूति देकर पूजा अर्चना की। उसके बाद पतित पावनी गंगा की निर्मल धारा में दुग्ध अभिषेक किया गया। दुग्ध अभिषेक के बाद सभी शासनिक व प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा पतित पावनी गंगा के तट पर बने भव्य मंच से पंडितों के साथ मंत्र उच्चारण कर मां गंगा की आरती भी की गई। तत्पश्चात मां गंगा के तट के समीप बने भव्य मंच पर बाहर से बुलाए गए कलाकारों द्वारा भजन संध्या के साथ-साथ लेजर शो द्वारा रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में डीएम निधि गुप्ता वत्स, एसपी अमित कुमार आनन्द, एडीएम गरिमा सिंह, सीडीओ अश्विनी कुमार मिश्र, एएसपी अखिलेश भदौरिया, एसडीएम विभा श्रीवास्तव, सीओ अंजली कटारिया, विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी, एमएलसी डा. हरि सिंह ढिल्लो, अमरोहा चेयरमैन शशि जैन, धनौरा चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल, हसनपुर चेयरमैन राजपाल सैनी, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, भाजपा जिला महामंत्री अभिनव कौशिक, डॉ.राजीव त्यागी, आदि मौजूद रहे।

तिगरी गंगा घाट पर बनी भगवान शिव की आकृति। ● अमृत विचार

मां गंगा की आरती करता पुरोहित। ● अमृत विचार

लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

तिगरी में शनिवार सुबह गंगा घाटों के किनारे श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही। लाखों श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। गंगा घाट श्रद्धालुओं से खचाखच भरे नजर आए। तड़के से ही श्रद्धालुओं का गंगा स्नान के लिए पहुंचना शुरू हो गया। गंगा स्नान कर श्रद्धालुओं ने सूर्य को अर्घ्य दिया। परिवार एवं समाज में सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। बहुत से श्रद्धालुओं ने गंगा में प्रसाद आदि चढ़ाया। गंगा किनारे धूप-दीप जलाकर पूजा की। युवाओं ने गंगा स्नान के बाद गंगा किनारे मस्ती भी की। वहीं पीएसी के गोताखोरों ने स्टीमर से पेट्रोलिंग करके गहरे पानी में स्नान कर रहे श्रद्धालुओं को बल्लियों के पीछे ही नहाने के लिए कहा। पुलिस भी घाटों पर राउंड लेती रही। प्रत्येक घाट पर सेक्टर प्रभारी को तैनात किया गया है। घाटों पर असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए महिला पुलिस बल की विशेष व्यवस्था की गई है। सादी वर्दी में भी महिला पुलिस बल तैनात रही।

- माता गंगा के जयघोष से गूंज उठे घाट
- लाखों श्रद्धालुओं ने किया गंगा में स्नान

आरती स्थल पर 11 हजार दीये किए प्रज्ज्वलित

गंगा मेले के उद्घाटन के दौरान 11 हजार दीये प्रज्ज्वलित किए गए। गंगा तट पर दीपमालाओं से पूरा क्षेत्र जगमग हो उठा। सांस्कृतिक मंच पर प्रस्तुतियों का दौर शुरू हुआ। गंगा तट के पास बने सांस्कृतिक मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गईं। पहले दिन ब्लु बड्र्स पब्लिक स्कूल धनौरा के छात्र-छात्राओं ने गंगावतरण कार्यक्रम की उत्कृष्ट प्रस्तुति दी।

गंगा घाट पर दीप प्रज्ज्वलित करते कमिश्नर आंजनेय कुमार। ● अमृत विचार

तिगरी गंगा मेले में हवन करते कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह, डीआईजी मुनिराज जी, जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर, डीएम निधि गुप्ता, एसपी अमित आनंद, एमएलसी डॉ हरि सिंह ढिल्लों व अन्य। ● अमृत विचार

नाव में बैठकर एसपी ने किया निरीक्षण

राजकीय तिगरी मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसपी अमित कुमार आनन्द ने कन्ट्रोल रूम, नांव में बैठकर विभिन्न गंगा घाटों, पार्किंग एवं रुट डायवर्जन व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की लाइव फीड को चेक किया। सीसीटीवी कमैरों से सतर्क दृष्टि रखने व ड्रोन कैमरा की मदद से निगरानी कराने के लिए अधिकारी को निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं के सुगम व सुरक्षित आवागमन के लिए यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने को कहा।

नाव से घाट का निरीक्षण करते एसपी अमित कुमार आनंद। ● अमृत विचार

तिगरी गंगा में स्नान करने को उमड़ पड़े श्रद्धालु। ● अमृत विचार

मौत के कूएं में बाइकें चलाते कलाकार। ● अमृत विचार

बाइक सवार को रोडवेज बस ने रौंदा, मौत

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार: गजरौला मार्ग पर स्थित सिहाली जहागीर ईदगाह के निकट एक सड़क हादसे में अल्लीपुर भूड़ निवासी अमरपाल (50) पुत्र रामस्वरूप की शनिवार की दोपहर मौत हो गई। वह अपने रिश्ते के भतीजे निकार पुत्र अशोक के साथ बाइक से मुबारकपुर कला में एक रिश्तेदार के यहां लड़के की शादी के मढ़े में भात लेकर जा रहे थे।

हादसा उस वक्त हुआ जब गजरौला की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कौसाम्बी रोडवेज बस ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी।अमरपाल की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, निकार गंभीर रूप से घायल हो गया। 112 पीआरवी ने घायल निकार को तुरंत नगर के सीएचसी में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने निकार की हालत गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया है। पुलिस ने रोडवेज बस को कब्जे में ले लिया। मृतक अमरपाल के परिवार में एक बेटा दो बेटी वह पत्नी को रोते बिलखते छोड़ गया है।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार घायल

हसनपुर अमृत विचार : संभल के चंदौसी निवासी शकील पुत्र अली जान दिल्ली में कारपेंटर है। वह छुट्टी में शनिवार को बाइक से अपने घर जा रहा था। जैसे ही उसकी बाइक गांव काला खेड़ा के निकट पहुंची तो पीछे से एक पिकअप गाड़ी ने टक्कर मार दी। शकील दूर जाकर गिरा और वह घायल हो गया। ग्रामीणों द्वारा घायल को उपचार के लिए नगर स्थित सीएचसी में भर्ती कराया गया जहां घायल की हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। वहीं पुलिस द्वारा घायल के परिजनों को सूचना दे दी गई।

किसान नेता पर हमला

बुरावली ,अमृत विचार : रहरा थाना क्षेत्र के गांव तरौली के रहने वाले अनुज नागर भारतीय किसान यूनियन शंकर के जिला उपाध्यक्ष हैं।

बुधवार की शाम अपने घर पर खा रहे थे तभी गांव के ही रमेश ,पियूष व प्रिंस बलकटी व लाठी डंडे लेकर आए और हमला कर दिया। शोर सुनकर किसान नेता के पिता मुकेश व आसपास के लोग घर की ओर दौड़े इतने में तीनों व्यक्ति जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। अनुज नागर को रहरा के सीएच सी में भर्ती कराया हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है ।

व्यवस्था यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने को 200 ट्रैफिक पुलिस कर्मी लगाए

तिगरी गंगा मेले को लेकर रहेगा रूट डायवर्ट

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार : तिगरी मेल को लेकर जिला प्रशासन ने यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए 200 ट्रैफिक पुलिस कर्मी लगाए हैं। कार्तिक पूर्णिमा का मुख्य स्नान पांच नवंबर की सुबह है। इसलिए चार और पांच नवंबर को नेशनल हाईवे पूरी तरह बंद रहेगा। जबकि तीन नवंबर से हाईवे पर ट्रक, डीसीएम, कंटेनर, निजी बस व अन्य सभी भारी वाहनों के संचालक पर पाबंदी लगा दी जाएगी। सभी वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से निकाला जाएगा।

फिलहाल, तिगरी मेले में आने जाने के लिए सभी रास्ते खुले हैं। लेकिन तीन नवंबर से सिर्फ गजरौला से कुमराला पुलिस चौकी होते हुए तिगरी मेले में एंट्री मिलेगी। जबकि मेले से आने वालों को वाहन व श्रद्धालुओं को कांकाठेर के रास्ते नेशनल हाईवे की ओर निकला जाएगा। इसके लिए जगह-जगह पुलिस फोर्स तैनात रहेगी। इस बार 15 पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। श्रद्धालुओं को लेकर आने वाले वाहनों को इन्हीं पार्किंग में खड़ा कराया जाएगा। इसके बाद पांच नवंबर की सुबह कार्तिक पूर्णिमा का मुख्य स्नान होगा। इसके बाद श्रद्धालुओं के घर लौटने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। टीएसआई अनुम मलिक ने बताया कि मेले के चलते चार और पांच नवंबर को हाईवे पूरी तरह बंद रहेगा। इससे पहले तीन नंबर को ट्रक, डीसीएम, कंटेनर समेत बड़े वाहनों के हाईवे पर चलने पर पाबंदी लगा दी जाएगी। दोनों लेन पर चार नवंबर तक कार, बाइक, पिकअप, रोडवेज बस व अन्य छोटे वाहन चलते रहेंगे।

तीन, चार और पांच नवंबर को इन मार्गों से गुजरेंगे भारी वाहन

- शाहजहांपुर से दिल्ली की ओर जाने वाले भारी वाहनों को कटरा, जलालपुर बदायूं, बबराला, नरौरा, बुलंदशहर होते हुए दिल्ली भेजा जाएगा।
- बरेली से दिल्ली की ओर जाने वाले भारी वाहनों को आंवला से शाहबाद, बिलारी, चंदौसी, बबराला से डिबाई, नरौरा बुलंदशहर होते हुए दिल्ली की ओर भेजा जाएगा।
- रामपुर के शाहबाद से आने वाले भारी वाहक वाहनों को रूट डायवर्ट कर बिलारी, चंदौसी, बबराला,नरौरा, बुलंदशहर होते भेजा जाएगा।
- मुरादाबाद से मेरठ और दिल्ली की ओर जाने वाले वाहन मुरादाबाद से टीएमयू के बराबर से अगवानपुर बाईपास, छजलैट, नूरपुर, बिजनौर, बैराज, मीरापुर होते हुए मेरठ होकर दिल्ली भेजे जाएंगे।
- बिजनौर के चांदपुर से गजरौला होते हुए दिल्ली जाने वाले भारी और हल्के वाहनों को थाना धनौरा की बार्डर पुलिस चौकी रसूलपुर पर ही रोक दिया जाएगा। यहीं से वापस करते हुए बिजनौर बैराज, मवाना, मेरठ, गाजियाबाद होते हुए दिल्ली निकाले जाएंगे।
- संभल से दिल्ली की ओर जाने वाले समस्त भारी वाहनों को बहजोई, बबराला, नरौरा, डिबाई, बुलंदशहर होते हुए दिल्ली भेजा जाएगा। कोई भी मालवाहक वाहन गवां की तरफ से हसनपुर नहीं आने दिया जाएगा।
- अमरोहा से दिल्ली जाने वाहनों को शिवालांकलां, नूरपुर, बिजनौर, मेरठ, गाजियाबाद होते हुए दिल्ली पहुंचेंगे।
- हसनपुर से मालवाहक और भारी वाहनों को संभल, बहजोई, बबराला, नरौरा, डिबाई से बुलंदशहर होते हुए गुजारे जाएंगे।
- शाहजहांपुर से कटरा, जलालपुर, बदायूं, बबराला, नरौरा, बुलंदशहर से दिल्ली भेजा जाएगा।
- गाजियाबाद से बरेली और लखनऊ की ओर जाने वाले भारी व मालवाहक वाहनों को लालकुआं से मोड़कर दादरी, बुलंदशहर, डिबाई, नरौरा, गुन्नौर, सहसवान, बदायूं होते हुए वाया बरेली और लखनऊ भेजे जाएंगे।
- मेरठ से बिजनौर, धामपुर, स्योहारा, कांठ, मुरादाबाद से बरेली होकर लखनऊ निकाले जाएंगे।

- 4 और 5 नवंबर को नेशनल हाईवे पूरी तरह बंद रहेगा, 3 को भी पाबंदी

श्रद्धालुओं के वाहन आते-जाते रहेंगे

टीएसआई अनुज मलिक ने बताया तिगरी मेले लेकर चलते श्रद्धालुओं के सभी तरह के वाहनों को आने दिया जाएगा। रोडवेज बस भी तिगरी से पहले पार्किंग स्थल तक आ सकेंगी। इसके अलावा श्रद्धालुओं की कार, बाइक और ट्रैक्टर ट्रॉली या अन्य वाहन भी गजरौला से कुमराला चौकी से होते हुए तिगरी के पास पार्किंग स्थल तक प्रवेश कर सकेंगी। किसी को नहीं रोका जाएगा।

डीएम ने सुनीं शिकायतें, 23 में 3 का निस्तारण

हसनपुर, अमृत विचार: संपूर्ण समाधान दिवस में आए हुए फरियादियों की फरियाद जिला अधिकारी द्वारा सुनी गई,संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 23 शिकायतें दर्ज हुई,जिसमें से 3 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। अन्य 20 शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों को सौंपीं। संपूर्ण समाधान दिवस संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

2 लाख रुपये और बुलेट के लिए विवाहिता की हत्या

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

- मां की तहरीर पर दामाद सहित छह पर रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार : रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव अतरासी में दहेज के लिए एक विवाहिता की हत्या का मामला सामने आया है। मृतका की मां ने पुलिस में तहरीर देकर पति समेत छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बुशराकी शादी 7 जून 2023 को अतरासी निवासी मोहसिन पुत्र फिरासत से हुई थी। बुशरा की मां का आरोप है की शादी के समय पर्याप्त दान दहेज दिया था। लेकिन विवाह के बाद से ही ससुराल वाले दो लाख रुपए और एक बुलेट मोटरसाइकिल की मांग कर रहे थे। आप है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर पति मोहसिन, ससुर फिरासत, जेठ मुकीम और नदीम, जेठानी , ननद ने बुशरा को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया था। उसके साथ अक्सर मारपीट की जाती थी। 1 नवंबर की सुबह गांव के एक युवक ने फोन पर बुशरा की हत्या की सूचना दी थी। इसके बाद वे बेटी ससुराल पहुंचे।

नायब तहसीलदार, फील्ड यूनिट टीम और थाना प्रभारी कमल तोमर ने मौका मुआयना किया। रजबपुर थाना पुलिस ने मृत्यु का की मां की तहरीर के आधार पर पति सुहित छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की कार्रवाई शुरू कर दी। इस पूरे मामले की जांच क्षेत्राधिकार नगर शक्ति सिंह को सौंप गई है। प्रभारी कमल तोमर ने बताया कि आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

अमृत विचार

मुरादाबाद, रविवार, 2 नवंबर 2025

ब्रीफ न्यूज

सीएचसी में डेढ़ माह से एक्स रे मशीन खराब

बबराला, अमृत विचार : गुन्नौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में करीब डेढ़ महीने से एक्स रे मशीन खराब होने के कारण मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मजबूरन मरीजों को निजी सेंटरों पर महंगे दामों पर एक्सरे कराना पड़ रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक्सरे मशीन बंद है। दुर्घटना पीड़ितों और हड्डी संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों को सबसे अधिक दिक्कत हो रही है। अस्पताल आने वाले मरीजों को जांच के लिए बाहर भेजा जा रहा है। सीएचसी प्रभारी डॉ राजकिशोर ने बताया कि एक्स रे मशीन में तकनीकी खराबी आने के बाद उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। शीघ्र ही तकनीशियन को बुलाकर मशीन की मरम्मत कराई जाएगी, जिससे मरीजों को पुन : एक्स रे सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

चंदौसी में 85 में 10 शिकायतों का समाधान

चंदौसी, अमृत विचार : शनिवार को तहसील परिसर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में सीडीओ गोरखनाथ भट्ट और एडीएम प्रदीप वर्मा ने लोगों की समस्याओं की सुनवाई की। 85 फरियादी पहुंचे इनमें सिर्फ 10 शिकायतों का निस्तारण यिा गया। शेष शिकायतों को जल्द से जल्द समाधान करने के लिए अधिकारियों ने दिशा निर्देश दिए। राजस्व विभाग की 27, पुलिस की 21, चकबंदी की 8, विकास की 6, रसद विभाग की 3, समाज कल्याण 3, की शिकायतें रही। इसके अलावा 17 अन्य शिकायतें आईं। राजस्व विभाग की 8, पुलिस की 2 और 4 अन्य शिकायत का ही समाधान हो सका। एडीएम ने कहा कि शिकायतों का निस्तारण शीघ्र किया जाए। इस अवसर पर एसडीएम आशुतोष तिवारी, सीओ मनोज कुमार, तहसीलदार रवि सोनकर सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

11 दंपतीयों की फिर पटरी पर लौटी जिंदगी

बहजोई, अमृत विचार : पुलिस परिवार सुलह समझौता केंद्र पर छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद के कारण अलग हुए 11 दंपतीयों ने फिर से साथ-साथ रहने का फैसला किया। केंद्र प्रभारी रुकम पाल सिंह ने बताया कि 82 पत्रावली सुनकर 36 पत्रावली का निस्तारण किया गया है। जिसमें 11 मामले समझौते के आधार पर समाप्त किए गए हैं। वहीं दो पत्रावली विधिक कार्रवाई के लिए अग्रेषित की गई है। 23 पत्रावली न्यायालय में होने के कारण बंद कर दी गई है। इस दौरान काउंसलर अखिलेश अग्रवाल, लव मोहन वार्ष्णेय एडवोकेट, संगीता भार्गव, पूनम अरोरा, बबीता शर्मा, श्वेता गुप्ता सहित आदि ने सहयोग किया।

अंतर्जनपदीय पशु चोर गिरोह के 6 बदमाश गिरफ्तार, 5 पशु बरामद

डकैती की योजना बनाते समय दबोचा, दो तमंचे, कारतूस तथा चाकू बरामद किए

संवाददाता, बहजोई

अमृत विचार: पुलिस ने अंतर्जनपदीय पशु चोर गिरोह का खुलासा करते हुए डकैती की योजना बना रहे 6 बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। चोरी किए गए पांच पशु, दो अवैध तमंचे,6 कारतूस तथा चाकू भी बरामद किए हैं।

रिजर्व पुलिस लाइन सभागार में एएसपी अनुकृति शर्मा ने खुलासा करते हुए बताया कि 26 अक्टूबर को रात में थाना बबराला के गांव बाघउ की मढैया में एक किसान के यहां से 6 पशुओं की चोरी की गई थी। खुलासे के लिए बबराला पुलिस तथा एसओजी को लगाया गया था। पुलिस ने इस घटना में शामिल पांच बदमाशों को थाना जुनावई के नूरपुर तिराहे से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये बदमाश नेकपाल निवासी जहांपुर की मढैया थाना रजपुरा, शकीर निवासी ग्राम दहगवां जनपद बदायूं, नेकपाल ऊर्फ जनका निवासी गांव अतरासी थाना बहजोई, चमन निवासी गांव मलकपुर थाना अनूपशहर जिला बुलंदशहर, पप्पू शर्मा शर्मा निवासी गांव बेरपुर थाना जुनावई हैं। गिरफ्तार बदमाशों की निशान देही पर जनपद बुलंदशहर के थाना कोतवाली नगर आवास विकास कॉलोनी से सोनू के यहां से चोरी किये गए पांच पशु बरामद किए गए। सोनू को भी गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं बदमाशों के पास से दो अवैध तमंचे, 6 कारतूस व एक चाकू बरामद किया गया है। इन सभी के खिलाफ थाना बबराला पर कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा ने बताया कि पांच बदमाश एक व्यक्ति के यहां डकैती की योजना बना रहे थे। वे डकैती की घटना को अंजाम दे पाते उससे पहले ही पुलिस ने पांचों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। सोनू ने चोरी के पशु खरीदे इसलिए उसे गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस गिरफ्त में बदमाश व जानकारी देतीं एएसपी अनुकृति शर्मा। ● अमृत विचार

● बुलंदशहर की आवास विकास कॉलोनी से बरामद किए पशु

चमन पर 24, नेकपाल पर 17 मुकदमें

अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा ने बताया कि बदमाश कई जनपदों में सक्रिय होकर वारदातें कर रहे थे। गिरफ्तार किया गया नेकपाल उर्फ जनका पर जनपद के विभिन्न थानों में 17 मुकदमे दर्ज हैं। जबकि लेखपाल उर्फ बट पर चार मुकदमे दर्ज हैं। चमन पर 24, शाकिर पर 12 वहीं सोनू पर छह मुकदमे दर्ज हैं। यह सभी शातिर किस्म के बदमाश हैं।

3500 लीटर सरसों का तेल जब्त, मिल कराया बंद

संभल, अमृत विचार: जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया के निर्देश पर खाद्य विभाग ने अवैध रूप से संचालित आयल मिल पर छापा मारा। 3500 लीटर खराब गुणवत्ता वाला तेल बरामद हुआ। टीम ने तेल जब्त कर मिल को बंद करा दिया है।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय मानवेन्द्र सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रामजीत व अशोक कुमार ने रसूलपुर सराय में छापा मारा। गांव में हिंदुस्तान आयल मिल नाम से मिल का संचालन किया जा रहा था। टीम को मौके पर लगभग 3500 लीटर सरसों का तेल बेहद खराब एवं अनहाइजीनिक स्थिति में मिला। नियमों के उल्लंघन पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने पूरा तेल जब्त कर लिया। इसके साथ ही तेल के तीन सैम्पल मौके से संग्रहित कर जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे गए। जांच के दौरान आयल मिल संचालक के पास वैध खाद्य लाइसेंस भी नहीं मिला। इसके बाद विभाग ने तत्काल संचालन पर रोक लगा दी। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय मानवेन्द्र सिंह ने कहा कि उपभोक्ता स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी प्रतिष्ठान पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, मिलावट, अनियमितता एवं लाइसेंस के बिना संचालन पर शून्य सहनशीलता की नीति लागू रहेगी।

थाना प्रभारियों के खास 32 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

कार्यालय संवाददाता, संभल

● गोपनीय सूचना संकलन के बाद एसपी ने की कार्रवाई

● कहा गया कि जनसुनवाई में लापरवाही पर की कार्रवाई

अमृत विचार: पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जनपद के 16 थानों में तैनात 32 पुलिसकर्मियों को एक साथ लाइन हाजिर कर दिया। एसपी की इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में खलबली मच गई। बड़ी बात यह है कि जिन पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर किया गया है वे थाना प्रभारियों के खास थे। कहा जा रहा है कि गोपनीय सूचना संकलन के बाद एसपी ने यह कार्रवाई की है। बहरहाल कहा गया कि जनसुनवाई में लापरवाही करने पर इन पर कार्रवाई की गई।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने कोतवाली संभल में तैनात कांस्टेबल राजपाल सिंह, हेड कांस्टेबल सहचालक बलराज, हयातनगर के चालक रूपचंद, कांस्टेबल नीरज कुमार, आशू यादव, कैला देवी के हेड कांस्टेबल अशोक कुमार, सत्येंद्र कुमार शर्मा, हजरतनगर गढ़ी के कांस्टेबल मोहित कुमार और हेड कांस्टेबल सोवरन सिंह को लाइन हाजिर किया है। इसी तरह असमोली सर्किल के थाना नखासा में तैनात कांस्टेबल अनिरुद्ध चौधरी, सहचालक आकाश जुरैल, थाना असमोली के कांस्टेबल रोबिन राठी, भोलू तोमर, राय सत्ती के हेड कांस्टेबल अरुण सिवाल, कांस्टेबल गौरव शर्मा और ऐंचौड़ा कम्बोह के कांस्टेबल सन्नी कुमार भी लाइन हाजिर किये गये हैं।

गुन्नौर सर्किल में थाना बबराला के हेड कांस्टेबल रोहित कुमार, कांस्टेबल रोहित कुमार, वीरेंद्र सिंह, हेड मुहर्रिर अमित कुमार, थाना रजपुरा के सहचालक निशांत राठी, कांस्टेबल अंकित मलिक और थाना जुनावई के सहचालक अमरजीत को भी लाइन हाजिर करने की कार्रवाई की गई है। बहजोई सर्किल के थाना धनारी के कांस्टेबल अक्षय कुमार, भारत, कोतवाली चंदौसी के कांस्टेबल दीपांशु कुमार, हेड कांस्टेबल अफसर अली, थाना बनियाठेर के हेड कांस्टेबल सचिन कुमार, आरक्षी राहुल कुमार और थाना कुढ़फत्तेहगढ़ के मनोज कुमार को भी लाइन हाजिर कर दिया गया। कहा जा रहा है कि थाना प्रभारियों से नजदीकी के चलते मनमानी की वजह से इन पर कार्रवाई की गई है। एसपी ने कहा कि जनहित के मामलों में लापरवाही किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी।

जलभराव की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

चंदौसी तहसील परिसर में प्रदर्शन करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

संवाददाता, चंदौसी

अमृत विचार: गांव मुमरेजपुर उर्फ सुल्तानपुर के ग्रामीण शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस पर पहुंचे। जलभराव कीचड़ की समस्या और नाला निर्माण को लेकर तहसील के गेट पर प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में नाला निर्माण न होने से मुख्य रास्ते पर जलभराव की समस्या बनी हुई हैं। जिसकी शिकायत कई बार अधिकारियों से की जा चुकी है लेखपाल द्वारा कई बार पैमाइश कराई गई है। लेकिन कब्जा धारक निर्माणहोने नहीं दे रहा है। ग्रामीणों ने प्रार्थना पत्र सीडीओ को सौंपा। प्रार्थना पत्र देने वालों में सुनील कुमार, हरिओम, गोवर्धन, साहब सिंह, चिराग, भोले, संजीव कुमार पाल, कृपाल सिंह, महिपाल, राजेंद्र, पप्पू सिंह, चरन सिंह, अर्जुन सिंह, स्वराज हरि सिंह ग्रामीण मौजूद रहे।

मलबे में दबे बच्चे की मौत, 4 पर रिपोर्ट

संभल, अमृत विचार: धनारी थाना क्षेत्र के गांव भकरौली में ट्रैक्टर-ट्राली की टक्कर से दीवार ढहने से मलबे में दबे सात बच्चों में एक की मौत हो गई। पुलिस ने ट्रैक्टर कब्जे में ले लिया है। थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि आरोपी पप्पू, उसके दो बेटों और पिता पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

शुक्रवार शाम गांव निवासी पप्पू ट्रैक्टर-ट्राली में खेत से सामान भरकर ला रहा था। ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर छत्रपाल की दीवार से जा टकराया। दीवार गिर गई और सात बच्चे दब गए। सभी बच्चों को निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से दो बच्चों को अलीगढ़ रेफर किया गया, जिनमें नितेश (8 वर्ष) पुत्र डालचंद्र की मौत हो गई। जयश्री पुत्री दुल्ही, निशांत पुत्र हेमपाल, गुड़िया पुत्री डालचंद्र, कार्तिक पुत्र नौबत और गुंजन पुत्री डालचंद्र का उपचार हो रहा है।

सुरक्षित सफर के लिए करें यातायात नियमों का पालन

संवाददाता, बहजोई

अमृत विचार: यातायात पुलिस द्वारा यातायात माह का शुभारंभ किया गया। एएसपी उत्तरी कुलदीप सिंह ने यातायात नियमों के प्रति छात्र-छात्राओं को जागरूक किया और सुरक्षित यात्रा के लिए नियमों का पालन करने का आह्वान किया।

रिजर्व पुलिस लाइन के सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ एएसपी उत्तरी कुलदीप सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में मौजूद छात्र-छात्राओं को अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी कुलदीप सिंह ने बताया कि हम सभी को सड़क पर यात्रा करते समय यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। चार पहिया वाहन चलाते समय जहां सीट बेल्ट का प्रयोग करें तो वहीं दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अवश्य प्रयोग करें। हमेशा एक बात का याद रखें कि पुलिस से बचने को नहीं बल्कि सुरक्षित सफर के लिए यातायात नियमों का पालन करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद अगर किसी की भी मृत्यु हो जाती है तो पूरा परिवार बिखर जाता है। इस बात का याद रखें कि जब वह यात्रा कर रहे हैं तो यात्रा से वापस आने का उनका परिवार इंतजार कर रहा है। इसके बाद आयोजित यातायात जागरुकता रैली में एकत्रित हुए एंग्लो वैदिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भगत जी इंटरनेशनल स्कूल सहित विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने यातायात जागरुकता रैली निकाली। जिसे अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी कुलदीप सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। छात्र-छात्राओं ने नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। वहीं पुलिस कर्मियों द्वारा जगह-जगह पोस्टर लगाकर यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक किया। सीओ यातायात दीपक तिवारी, एआरटीओ अमिताभ चतुर्वेदी, जिला कमांडेंट होमगार्ड ज्ञान प्रकाश, यातायात प्रभारी दुष्यंत कुमार बालियान आदि मौजूद रहे।

यातायात जागरुकता रैली को रवाना करते एएसपी कुलदीप सिंह व सीओ। ● अमृत विचार

● छात्र-छात्राओं ने जागरुकता रैली निकालकर लोगों को किया जागरूक

● एएसपी ने हरी झंडी दिखाकर जागरुकता रैली को किया रवाना

कॉफी मशीन फटी, युवक गंभीर रूप से झुलसा

संभल, अमृत विचार: थाना संभल कोतवाली क्षेत्र के भवानीपुर गांव में शुक्रवार रात आयोजित एक लग्न समारोह में कॉफी मशीन अचानक फटने से कई मजदूर झुलस गए। सिकंदरपुर सराय निवासी 18 वर्षीय सैफ पुत्र रहमान की हालत गंभीर है।

टेंट व्यवसायी ऋषिपाल शुक्रवार रात अपने कर्मचारियों के साथ भवानीपुर गांव में लग्न समारोह के टेंट की व्यवस्था करने गया था। समारोह स्थल पर लगी कॉफी मशीन के बोर्ड में सैफ ने मोबाइल चार्ज करने के लिए चार्जर लगाया था। इसी दौरान मशीन अधिक गर्म हो गई और अचानक जोरदार धमाके के साथ फट गई।विस्फोट से टेंट में अफरा-तफरी मच गई और कर्मचारियों के साथ-साथ अन्य लोग भी घबराकर इधर-उधर भागने लगे। घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने सैफ की हालत गंभीर देखते हुए उसे हायर सेंटर मुरादाबाद रेफर कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, सैफ के शरीर के कई हिस्सों पर गंभीर जलन है। पुलिस जांच कर रही है।

एंबुलेंस में झुलसा मजदूर।

अर्थव्यवस्था में वैश्य समाज का बड़ा योगदान

संवाददाता, चंदौसी

अमृत विचार: बिसौली गेट स्थित रामकृष्ण धर्मशाला में अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरज बोरा विधायक का पदाधिकारियों व वैश्य भामाशाहों ने जोरदार स्वागत किया।

डॉ. नीरज बोरा ने कहा कि वैश्य समाज सदियों से दानवीर एवं कुशल व्यापारी की पहचान रखने के साथ-साथ स्वतंत्रता आंदोलन के लेकर राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान कर रहा है। यही कारण है कि यह समाज विश्व भर में अपनी एक अलग पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था प्रत्येक देश की रीढ़ की हड्डी होती है। जैसे किसी भी मनुष्य की रीढ़ की हड्डी टूटने पर उसका शरीर नाकारा हो जाता है, उसी प्रकार जब किसी देश की अर्थव्यवस्था चरमरा जाती है तो देश डगमगा जाता है। ऐसे समय में वैश्य समाज की भूमिका व सहयोग महत्वपूर्ण हो जाता है। आज हमारा देश अर्थव्यवस्था में चौथे स्थान पर है, जल्दी ही हम तीसरे स्थान पर आयेंगे। वैश्य समाज राष्ट्रहित में अपना योगदान देता रहेगा। संचालन क्षेत्रीय महामंत्री गिरीश रतन ने किया। युवा प्रदेश अध्यक्ष अमित वार्ष्णेय डीआर, कार्यकारी अध्यक्ष अरुण अन्नू रतन, जिलाध्यक्ष अर्चित अग्रवाल, अमित मित्तल, ओमप्रकाश गोगी, तुषार वार्ष्णेय, प्रतिभा चौधरी, रीना चौधरी, आलोक वार्ष्णेय, शिखर गोयल, उमेश बरनवाल, भविष्य वार्ष्णेय, मोहित गुप्ता, विवेक चौधरी, प्रथम गोयल, सार्थक अग्रवाल, पवन अग्रवाल, मानस अग्रवाल आदि लोग मौजूद रहे।

पदाधिकारियों के साथ प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरज बोरा। ● अमृत विचार

● अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष विधायक डॉ. नीरज बोरा का किया स्वागत

सिटी डायरी

वल्लभ भाई पटेल को किया याद

चंदौसी, अमृत विचार : भारतीय मानव कल्याण समिति के तत्वाधान में सीता रोड स्थित आकाश कुमार शर्मा के प्रतिष्ठान पर पूर्व उप प्रधानमंत्री भारतरत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई। समिति प्रबन्धक डॉ. टीएस पाल ने कहा सरदार वल्लभभाई पटेल को लौह पुरुष की उपाधि उनके दृढ़ संकल्प, नेतृत्व और देश को एकजुट करने के असाधारण प्रयासों के कारण दी गई। राजकुमार ठाकरे ने भारत की एकता और अखंडता को मजबूत किया। अध्यक्षता ओमप्रकाश गुप्ता तथा संचालन डॉ जय शंकर दुबे ने किया। एड. शुभम अग्रवाल, सुशील भोलेनाथ, सुधीर गुप्ता, संजय सैनी एड, प्रमोद कुमार गुरु, श्यामसुंदर दुबे, मोहित कुमार, नरेंद्र कुमार, राजेश गुप्ता, रोशनलाल आदि उपस्थित रहे।

जिसने क्षमा करना सीख लिया वह महानता की तरफ अग्रसर होता है

संभल, अमृत विचार : श्री कल्कि धाम में मासिक सत्संग में उपस्थित श्री कल्कि भक्तों को प्रवचन करते हुए श्री कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि क्षमा करना सबसे बड़े कार्यों में से एक है, जिसने भी क्षमा करना सीख लिया वह व्यक्ति महानता के पथ की ओर अग्रसर हो जाता है। 1 दिसंबर से 7 दिसंबर तक चलने वाले श्री कल्कि महोत्सव के विषय में बताते हुए आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि इस वर्ष होने वाले श्री कल्कि महोत्सव में श्रीमद् जगद्गुरु रामानंदाचार्य पूज्य स्वामी रामभद्राचार्य के श्रीमुख से श्री कल्कि कथा का अमृत रस बरसाया जाएगा, आज तक कथानुरागियों ने श्रीराम कथा एवं श्रीमद्भागवत कथा का ही श्रवण किया होगा किंतु श्री कल्कि धाम में प्रथम बार श्री कल्कि कथा का आयोजन होगा। प्रवचन के बाद सभी श्री कल्कि भक्तों ने भंडारा प्रसाद ग्रहण किया। सुधीर, लवकुश शर्मा, खिलेंद्र सिंह, बिजेंद्र त्यागी, ललिता त्यागी, सतपाल सिंह, आचार्य दुष्यंत शास्त्री आदि मौजूद रहे।

सड़क पर पड़े घायलों को डीआईजी ने पहुंचवाया अस्पताल

संभल / चंदौसी, अमृत विचार : बनियाखेड़ा की मड़ैया निवासी धर्म सिंह अपनी पत्नी अंगूरी देवी और बेटे राजवीर सिंह के साथ शुक्रवार रात बाइक से विवाह समारोह में शामिल होने जा रहे थे। रसूलपुर कैली गांव के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रहे वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। डीआईजी मुनिराज जी ने तत्काल पुलिस टीम को निर्देशित करते हुए घायलों को सरकारी एस्कॉर्ट गाड़ी से चंदौसी सीएचसी भिजवाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद धर्म सिंह व राजवीर को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जाएंगे और वाहन चालक की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

क्लास रूम में निकला 5 फीट का सांप, खलबली

पाइप लाइन में सांप।

संभल / जुनावई अमृत विचार : तहसील गुन्नौर के थाना जुनावई कस्बा क्षेत्र स्थित राजकीय महाविद्यालय में शनिवार सुबह काला सांप निकलने से हड़कंप मच गया। करीब 5 फीट लंबा सांप क्लास रूम के बाहर दिखाई देते ही कॉलेज में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वनकर्मी सांप पकड़ने पहुंचे। सुबह करीब 10 बजे कॉलेज खुला तो क्लास रूम के बाहर पांच फीट का काला सांप दिखाई दिया। इसे सबसे पहले चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी राजकुमार ने देखा। उसके शोर करने पर छात्र-छात्राएं सहम गये और बाहर आ गए प्रोफेसर डॉ. सिपरा सहित अन्य स्टाफ भी पहुंच गए। कर्मचारियों ने लाठी-डंडे लेकर कई बार सांप को पकड़ने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो सके। इस दौरान वह पाइपलाइन में घुस गया। करीब 12 बजे तक उसे पकड़ने की कोशिश जारी रही। प्रो. डॉ. सिपरा ने बताया कि सूचना वन विभाग को दे दी गई। वन रेंजर बृजमोहन ने टीम को तत्काल महाविद्यालय में सांप पकड़ने के लिए भेजा।

कार्रवाई शुरू

आठ राजस्व निरीक्षकों की अगुवाई में 20 लेखपालों की चार टीमें गठित

सिरसी में 50 बीघा जमीन कब्जा मुक्त कराने को पैमाइश

कार्यालय संवाददाता, संभल / सिरसी

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद संभल प्रशासन ने सरकारी भूमि कब्जा मुक्त कराने की दिशा में बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। गांव सिरसी में शनिवार को 50 बीघा से अधिक ग्राम समाज की जमीन की पैमाइश की गई। प्रशासन ने इसके लिए आठ राजस्व निरीक्षकों की अगुवाई में 20 लेखपालों की चार टीमें गठित की हैं। टीमों ने फीता डालकर जमीन की नाप-जोख करते हुए जगह-जगह निशान लगाए। काम पूरा होने में 4 से 5 दिन का समय लग सकता है।

मुन्नीलाल उर्फ हरसरन बनाम उत्तर प्रदेश राज्य याचिका में 06 अक्टूबर को हाईकोर्ट द्वारा दिए गए आदेश के बाद तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह के आदेश पर कार्रवाई शुरू हुई है। 31 अक्टूबर को तहसीलदार संभल धीरेंद्र प्रताप सिंह ने असमोली नायब तहसीलदार दीपक कुमार जुरैल और नायब तहसीलदार अरविंद कुमार सिंह की निगरानी में चार टीमें तैनात कर दी थीं। हल्का लेखपाल पुष्पेंद्र कुमार ने बताया कि प्रत्येक टीम को 10-10 गाटा नंबर सौंपे गए हैं और सभी टीमों की रिपोर्ट देर रात तहसीलदार को सौंपी जाएगी। नायब तहसीलदार असमोली और भूड़ की संयुक्त टीमों में दो-दो राजस्व निरीक्षक और दस-दस लेखपाल लगाए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि यह भूमि पशुचर, नाली, खाद के गड्ढे व रास्ते की है, जिस पर अवैध कब्जे और निर्माण पाए गए हैं। पहले दिन पैमाइश में 50 बीघा से ज्यादा जमीन मिली है जिसमें कई स्थानों पर 25-30 मकान भी बने मिले हैं। शनिवार को टीम ने काम शुरू किया तो हड़कंप मच गया। अपना आशियाना छिनने की आशंका से लोगों की नीद उड़ गई है। तहसील प्रशासन ने साफ कहा है कि ग्राम समाज की भूमि पर किसी भी प्रकार का कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रिपोर्ट तैयार होने के बाद आगे की नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सिरसी में जमीन की नाप करने के लिए पहुंचे लेखपाल। ● अमृत विचार

● काम पूरा होने में लेंगे 4 से 5 दिन, जमीन पर बने हैं कई मकान

अवैध कब्जे पर होगी कठोर कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में सुनीं शिकायतें, दिए निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर पात्र को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले और अवैध कब्जा या अपराध से जुड़ी शिकायतों पर कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी संवेदनशीलता और तत्परता से जनता की शिकायतों का निस्तारण करें, ताकि कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे।

गोरखपुर : जनता दर्शन में लोगों की शिकायतें सुनते मुख्यमंत्री योगी।

योगी ने शनिवार सुबह को गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में जनता दर्शन के दौरान करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जनता की समस्याओं के समाधान को संकल्पबद्ध है और किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

आयुष्मान भारत योजना के पोर्टल में फिर साइबर सेंधमारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हेराफेरी कर अधिकारियों के आधार लिंक मोबाइल नंबर हटाए गए
- फर्जी नंबरों पर ओटीपी भेजकर पोर्टलों में अनधिकृत लॉगिन से वित्तीय गड़बड़ी की आशंका

अमृत विचार : राजधानी लखनऊ में आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के संचालन से जुड़ी स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रेहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) में एक बार फिर बड़ी साइबर जालसाजी उजागर हुई है। इस बार संबन्धित पोर्टल्स से अधिकारियों के मोबाइल नंबर बदलकर वित्तीय हानि पहुंचाने का खुलासा हुआ है। योजना के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सचिन वैश्य ने इस मामले में थाना हजरतगंज, कोतवाली लखनऊ में प्राथमिकी दर्ज करा दी है।

जानकारी के अनुसार, साइबर अपराधियों ने साचीज से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के आधार लिंक मोबाइल नंबरों को बिना अनुमति राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के पोर्टल पर बदल दिया और नए फर्जी नंबरों पर ओटीपी प्राप्त कर एनएचए के पोर्टलों में अनधिकृत लॉगिन कर कई संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों अंजाम दे डाला। इसकी भनक अधिकारियों को मोबाइल पर अपडेट रिक्वेस्ट मैसेज मिलने पर हुई, हालांकि अब तक वित्तीय नुकसान का आंकड़ा नहीं जुटाया जा सका है।

पूर्व में भी सामने आ चुकी गड़बड़ी : जून माह में तकनीकी गड़बड़ी के चलते 39 अस्पतालों को 9.94 करोड़ रुपये का गलत भुगतान हो गया था। इस राशि की वसूली कर ली गई और सभी संबंधित अस्पतालों को आयुष्मान योजना की सूची से बाहर कर दिया गया।

फर्जी ओटीपी से डेटा व सेवाओं पर खतरा

साचीज की मुख्य कार्यपालक अर्चना वर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि फर्जी मोबाइल नंबरों और आधार प्रमाणीकरण प्रणाली में फर्जी प्रवेश कर यह साइबर फ्रॉड किया गया। संभव है कि अस्पतालों के भुगतान कराने के लिए फर्जीवाड़ा किया गया हो, क्योंकि जांच के बाद अधिकारियों के मोबाइल नंबर पर अप्रूवल आता है। मगर इस फर्जीवाड़े से सरकारी सेवाओं, बैंकिंग लेनदेन और डिजिटल सिस्टम की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने बताया कि साचीज द्वारा ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए पोर्टलों की सुरक्षा प्रणाली को और मजबूत किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सहयोग से आईपी एड्रेस मैपिंग पूरी कर ली गई है। साथ ही सख्त चेतावनी दी गई है कि यदि कोई व्यक्ति या संस्था फर्जी तरीके से आयुष्मान कार्ड बनाते या उपयोग करते पाए गए, तो उनके खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

दो माह बाद भी अधर में आउटसोर्स सेवा निगम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में दो सितंबर को स्वीकृत हुए उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के गठन की प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो सकी है। दो माह बीतने के बाद भी निगम का पंजीकरण न होने से प्रदेशभर के लाखों आउटसोर्स कर्मचारी मानदेय वृद्धि और अन्य सुविधाओं के लाभ से वंचित हैं। 20 सितंबर को शासनादेश जारी करते समय कहा गया था कि दो माह में निगम का गठन कर भर्तियां शुरू कर दी जाएंगी। प्रस्तावित योजना के तहत निगम को पब्लिक लिमिटेड, गैर-लाभकारी संस्था के रूप में संचालित किया जाएगा। इसमें कार्यरत कर्मचारियों को न्यूनतम 20 हजार रुपये मानदेय देने का प्रावधान किया गया है। विभाग के प्रमुख सचिव मनीष चौहान के अनुसार, रजिस्ट्रेशन से पूर्व की सभी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। पंजीकरण के बाद सबसे पहले महानिदेशक की नियुक्ति की जाएगी, इसके बाद निगम की अन्य व्यवस्थाएं लागू होंगी।

मुख्यमंत्री योगी ने अर्पित की श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोरखपुर में भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश सिंह के आवास पर पहुंचकर उनके दिवंगत पिता अयोध्या सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

लोहिया विधि विवि का दीक्षांत समारोह आज

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ का चतुर्थ दीक्षांत समारोह रविवार प्रातः 10 बजे विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया है। समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सूर्यकांत उपस्थित रहेंगे। साथ ही न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अरुण भंसाली की उपस्थिति रहेगी। समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध उपाधियां प्रदान की गईं।

बिहार में भाजपा की विदाई तय : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को बिहार के दरभंगा जिले के बहादुरपुर विधानसभा क्षेत्र में राजद प्रत्याशी भोला यादव को भारी मतों से विजयी बनाने और तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने की अपील की। कहा कि बिहार का चुनाव परिणाम दिल्ली की सत्ता का भविष्य तय करेगा, और जनता सामाजिक न्याय की ताकतों को फिर सत्ता में लाएगी। सपा प्रमुख ने जनसभा में कहा कि इस बार का चुनाव भाजपा की विदाई का चुनाव है।

भारत बना दुनिया की बड़ी ताकत : मुख्यमंत्री

सैमसंग इनोवेशन कैंपस में योगी आदित्यनाथ ने 1300 विद्यार्थियों को दिए प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गोरखपुर में आयोजित समारोह में विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र सौंपते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में कंपनी के अधिकारी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कभी पहचान के संकट से जूझ रहा भारत आज दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में अपना एहसास करा रहा है। यह परिवर्तन सक्षम और दूरदर्शी नेतृत्व की देन है, जिसने देश की वैश्विक पहचान को बदला है।

वे शनिवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह गोरखपुर में आयोजित सैमसंग इनोवेशन कैंपस प्रमाणपत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय सहित विभिन्न तकनीकी संस्थानों के 1300 विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले का भारत भ्रष्टाचार और अविश्वास की छाया में था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत वैश्विक मंच पर सम्मान और स्थिरता का प्रतीक बन चुका है। पीएम स्टार्टअप, स्टैंडअप इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने देश को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में अग्रसर किया है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व वही समर्थ होता है, जो देश के प्रति दुनिया की धारणा बदलने का सामर्थ्य रखता है।

योगी ने युवाओं से इमर्जिंग टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि ईज ऑफ लिविंग बढ़ाने में तकनीक अहम भूमिका निभा सकती है। योगी ने कहा कि समस्याओं को कोसने से कुछ नहीं होगा, उनके समाधान की दिशा में काम करना ही सफलता का मार्ग है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ट्रैफिक नियमों का पालन न करने की प्रवृत्ति ही जाम जैसी समस्या की जड़ है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यूपी सरकार ने युवाओं के स्वावलंबन के लिए 1000 करोड़ रुपये का स्टार्टअप फंड बनाया है और टाटा टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर 150 आईटीआई संस्थानों को आधुनिक प्रशिक्षण केंद्रों में बदला जा रहा है।

- योगी ने युवाओं से नवाचार तकनीकी और रिसर्च से जुड़ने का किया आह्वान

यूपी बोर्ड परीक्षा का केंद्र निर्धारण 10 से

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अंतिम परीक्षा केंद्र सूची 30 दिसंबर को जारी होगी

अमृत विचार : उप्र. माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं को नकलविहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए परीक्षा केंद्रों का निर्धारण इस बार पूरी तरह ऑनलाइन किया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा शनिवार को केंद्र निर्धारण की नीति और मानक तय कर दिए गए हैं। इस प्रक्रिया को 10 नवंबर से 30 दिसंबर तक पूरा किया जाएगा।

शासनादेश के अनुसार, 10 नवंबर तक विद्यालयों द्वारा भौतिक संसाधनों का विवरण अपलोड करना होगा। तहसील स्तरीय समिति द्वारा भौतिक सत्यापन 17 नवंबर, सत्यापित आख्या अपलोड करने की अंतिम तिथि 24 नवंबर, परिषद द्वारा 27 नवंबर को प्रारंभिक केंद्र सूची जारी करनी होगी। 28 नवंबर को डिबार एवं अनर्ह विद्यालयों की सूची जारी की जाएगी। जारी सूची के बाद 4 दिसंबर तक आपत्तियां-प्रत्यावेदन लिए जाएंगे। आपत्तियों का निस्तारण जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा 11 दिसंबर तक किया जाएगा। इसके बाद अनुमोदित केंद्र सूची 17 दिसंबर को अपलोड होगी। हालांकि इसके बाद भी 22 दिसम्बर तक पुनः आपत्तियां ली जाएंगी, जिनका निस्तारण कर अंतिम परीक्षा केंद्र सूची 30 दिसंबर को जारी होगी।

19 वर्ष से फरार घोटाले का आरोपी वीडीओ गिरफ्तार

बलिया में हुआ था 3.45 करोड़ का खाद्यान्न घोटाला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

राज कुमार दुबे

अमृत विचार : बलिया में 19 वर्ष पूर्व हुए 3.45 करोड़ के खाद्यान्न घोटाले में आरोपी ग्राम पंचायत विकास अधिकारी को ईओडब्ल्यू ने शुक्रवार देर रात को गिरफ्तार कर लिया। वह 19 वर्ष से फरार चल रहा था। बलिया खाद्यान्न घोटाले में कुल 43 मामले दर्ज हैं। आरोपियों ने मजदूरों को खाद्यान्न वितरित न कर कालाबाजारी कर गबन कर लिया गया। इस मामले में 11 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक, पकड़ा गया आरोपी राज कुमार दुबे बलिया के बांसडीह स्थित हुसैनाबाद का रहने वाला है। वह उस वक्त ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पद पर तैनात था। ईओडब्ल्यू वाराणसी यूनिट की टीम ने आरोपी को बरेली स्थित कचहरी ऑफिसर्स कालोनी से गिरफ्तार किया है। बलिया खाद्यान्न घोटाले में कुल 43 मामले अलग-अलग थानों में दर्ज हुए थे।

60.7 प्रतिशत ने छोड़ी कंप्यूटर ऑपरेटर परीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र पुलिस में कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए के 1129 पदों पर भर्ती के लिए ऑफलाइन लिखित परीक्षा (ओएमआर आधारित) में शनिवार को 39.3 प्रतिशत अभ्यर्थी ही परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे। जबकि 60.7 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। कंप्यूटर ऑपरेटर भर्ती के लिए आवेदन दिसंबर 2023 में किए गए थे। इसके बाद फरवरी 2024 में 60,244 पदों पर सिपाही भर्ती की परीक्षा का पेपर लीक हो गया था और सिपाही भर्ती की परीक्षा अगस्त 2024 में दोबारा सकुशल संपन्न कराई गई थी। सिपाही भर्ती परीक्षा के चलते कंप्यूटर आपरेटर की परीक्षा दो वर्ष विलंब से हुई।

फर्जी मतदाताओं को जड़ से उखाड़ फेंकेगी भाजपा

बंद कमरे में हुई संगठन की अहम बैठक, एसआईआर को लेकर बनी रणनीति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और जनभागीदारी को सशक्त बनाएगी भाजपा : भूपेंद्र सिंह

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी ने विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर संगठनात्मक स्तर पर कमर कस ली है। शनिवार को प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी की अध्यक्षता और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह की मौजूदगी में बंद कमरे में हुई अहम बैठक में बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक की कार्ययोजना तय की गई। स्पष्ट संदेश दिए गए कि फर्जी वोटरों को जड़ से उखाड़ फेंका जाएगा और प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मतदाता सूची में जोड़ना भाजपा का संकल्प है।

बैठक दो चरणों में हुई, जिसमें प्रदेश पदाधिकारियों, क्षेत्रीय अध्यक्षों, जिला अध्यक्षों, प्रभारी और अभियानों के संयोजकों ने हिस्सा लिया। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि भाजपा सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण का आंदोलन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत अभियान जनांदोलन बन चुका है और अब संगठनात्मक स्तर पर इसे और सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर यह सुनिश्चित करें कि हर पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल हो। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती मतदाता की सक्रियता से होती है और भाजपा कार्यकर्ता इस दिशा में पूर्ण समर्पण से जुटें। संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रत्येक बूथ, मंडल और शक्ति केंद्र पर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे मतदाताओं से संवाद के दौरान मोदी-योगी सरकार की उपलब्धियों, योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी भी साझा करें।

उन्होंने कहा कि यह अभियान संगठन के लिए जनता से जुड़ने और विश्वास बढ़ाने का सुनहरा अवसर है।

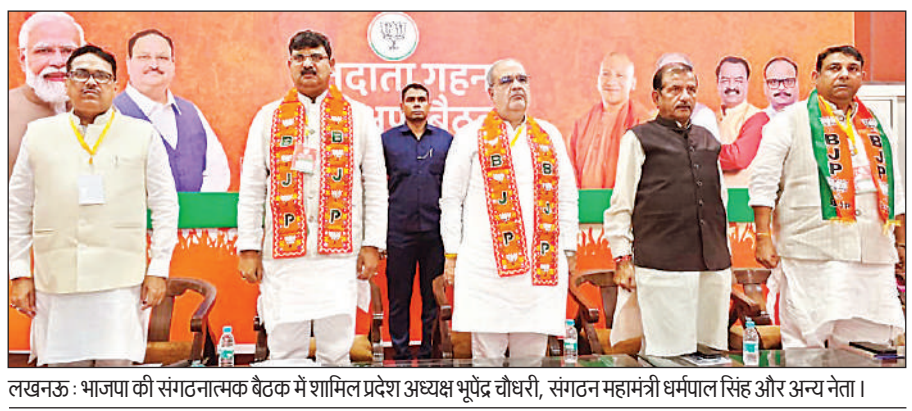

लखनऊ : भाजपा की संगठनात्मक बैठक में शामिल प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह और अन्य नेता।

संगठनात्मक बैठक में शामिल होने प्रदेशभर से आए जिलों के भाजपा पदाधिकारी।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर प्रदेशभर में कार्यक्रम

संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने बताया कि भूपेंद्र वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर पार्टी 7 नवंबर को प्रदेश के 18 स्थानों पर एक साथ भव्य कार्यक्रम आयोजित होंगे। यह सिर्फ एक गीत नहीं, राष्ट्र की आत्मा है, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को ऊर्जा दी। आज फिर उसी राष्ट्रभक्ति के भाव को जन-जन तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है। इन आयोजनों का संयोजन पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष त्र्यंबक त्रिपाठी करेंगे।

ओबीसी वर्ग को संगठित करें : मायावती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बसपा प्रमुख ने भाईचारा बैठक में पिछड़ा वर्ग पदाधिकारियों से मांगा आर्थिक व राजनीतिक सहयोग

अमृत विचार : सपा के 'पीडीए' को टारगेट करते हुए बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि ओबीसी जितनी जल्दी बसपा के बैनर तले संगठित होगा, उतनी जल्दी उसके अच्छे दिन आएंगे। साथ ही कहा कि अपर कास्ट समाज राजनीतिक रूप से पहले से ही मजबूत और जागरूक है, इसलिए वह अपना हित देखकर खुद ही बसपा से जुड़ जाएगा।

बसपा प्रमुख शनिवार को मॉल एवन्यू स्थित पार्टी कार्यालय में पिछड़ा वर्ग समाज भाईचारा संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रही थी। साल 2007 की तरह सोशल इंजीनियरिंग फार्मूले पर

उन्होंने संगठन की प्रगति की समीक्षा की और कहा कि ओबीसी समाज कई जातियों में बंटा हुआ है। इनमें से कुछ जातियों द्वारा अलग-अलग संगठन या दल बनाने से इनकी एकता प्रभावित होती है, जिसका लाभ जातिवादी पार्टियां हर चुनाव में उठाती हैं।

कांशीराम का असली बामसेफ पंजीकृत नहीं

बैठक में बामसेफ संगठन को लेकर फैलाई जा रही भ्रांतियों पर भी मायावती ने स्थिति स्पष्ट की, कहा कि बामसेफ कोई राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि शिक्षित कर्मचारियों का एक सामाजिक संगठन है, जिसका उद्देश्य बहुजन समाज में जागरूकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि कांशीराम द्वारा स्थापित मूल बामसेफ पंजीकृत नहीं है और वही असली संगठन है। बाकी बने हुए पंजीकृत बामसेफ "स्वार्थी और अवसरवादी लोगों" के संगठन हैं, जिनसे कांशीराम ने हमेशा सतर्क रहने की सलाह दी थी।

प्रतिक्रिया यूनेस्को की सूची में शामिल होकर नवाबों की तहजीब, अदब और स्वाद का संगम अब विश्व मंच पर जगमगा रहा

लखनऊ की पहचान अब वैश्विक स्तर पर होगी और मजबूत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : नवाबों की तहज़ीब, अदब और स्वाद का संगम अब विश्व मंच पर जगमगा रहा है। यूनेस्को ने लखनऊ को "क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोमी" की सूची में शामिल कर भारत को गौरवान्वित किया है। यह सम्मान लखनऊ की समृद्ध अवधी पाककला, उसके स्वाद, परंपरा और विविधता को मिला है। शहर अब वैश्विक नक्शे पर अपनी तहजीब के साथ अपनी थाली के स्वाद से भी पहचाना जाएगा।

लखनऊ की पहचान हमेशा से शहर-ए-अदब और शहर-ए-तहज़ीब के रूप में रही है, मगर यहां का खाना इस तहज़ीब का सबसे स्वादिष्ट अध्याय है। टुंडे कबाब, गलौटी, सीक और बोटी कबाब, दुम पुख्त बिरयानी, टोकरी चाट, मक्खन मलाई, खस्ता कचौरी- इन व्यंजनों में सदियों का इतिहास, नवाबी रसोई की नज़ाकत और आम जनता की जुबान का स्वाद समाया है। यूनेस्को की विशेषज्ञ समिति ने लखनऊ की पाक विरासत, उसके कारीगर खानसामाओं, स्थानीय व्यंजन परंपराओं और खाद्य स्थिरता को उच्च मूल्यांकन में स्थान दिया।

लखनऊ अपनी जीवंत संस्कृति और शानदार खानपान के लिए प्रसिद्ध है। खुशी है कि यूनेस्को ने इसकी इस विशेषता को मान्यता दी है। दुनिया के लोग लखनऊ आइए और इसकी अनोखी परंपरा को देखें।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

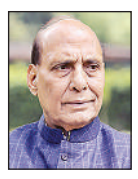

लखनऊ को यूनेस्को की क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी के रूप में चुना जाना इसकी सदीयों पुरानी पाक परंपरा, तहज़ीब और स्वाद की वैश्विक पहचान है। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत को और समृद्ध करेगा।

–राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

यूनेस्को की यह मान्यता लखनऊ की समृद्ध पाक-धरोहर और भारत की खाद्य परंपरा के योगदान की पुष्टि है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की संस्कृति को वैश्विक सम्मान मिल रहा है।

–गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय संस्कृति मंत्री

मुबारकबाद का सिलसिला बढ़ाइए, थोड़ा और मुस्कुराइए... क्योंकि अब विश्व के खानपान के मानचित्र पर अपने लखनऊ का नाम दर्ज हो गया है। हर लखनवी का मान बढ़ा है।

–अखिलेश यादव, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में यह गौरव संभव हुआ है। लखनऊ की पहचान अब वैश्विक स्तर पर और मजबूत होगी, जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

–जयवीर सिंह, पर्यटन मंत्री, उत्तर प्रदेश

प्रमुख सचिव, पर्यटन अमृत अभिजात ने इस उपलब्धि पर कहा कि यूनेस्को की इस मान्यता से लखनऊ के छोटे खाद्य उद्यमों और फूड टूरिज्म को बड़ा लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि लखनऊ की यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश के गौरव को बढ़ाने वाली है।

बाहर की दवा लिखी तो होगी सख्त कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्वास्थ्य महानिदेशक ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों व प्रभारी चिकित्सकों को दिए निर्देश

अमृत विचार : प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में मरीजों से मिलने वाली शिकायतों और शासकीय अधिकारियों को निरीक्षण के दौरान मिलने वाली खामियों को लेकर स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.रतन पाल सिंह सुमन ने नाराजगी व्यक्त की है।

चेतावनी देते हुए उन्होंने अस्पतालों में बेहतर इलाज और समुचित सुविधाएं मुहैया कराने के लिए सभी मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों और स्वास्थ्य इकाइयों के प्रभारी चिकित्सकों को सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। स्वास्थ्य महानिदेशक ने शनिवार को जारी निर्देश में कहा है कि शासन द्वारा पूर्व में भी कई बार निर्देश दिए जा चुके हैं कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और अन्य सरकारी चिकित्सा इकाइयों में आने वाले रोगियों को अस्पताल में उपलब्ध दवाओं से ही उपचार दिया जाए। बावजूद इसके, कुछ स्थानों पर इन निर्देशों का पालन नहीं हो रहा है। उन्होंने सभी प्रभारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी चिकित्सक द्वारा मरीज को बाहर की दवा न लिखी जाए।

सालाही सालाहि एती सुरति न पाईआ।
नदीआ अतै वाह पवहि समुंदि न जाणीअहि॥

गुरु नानक देव जी कहते हैं, ईश्वर की कितनी भी प्रशंसा की जाए, इसके बाद भी उसकी संपूर्ण महिमा को समझ पाना संभव नहीं है। जैसे, नदियां हमेशा समुद्र की ओर बहती हैं, लेकिन कभी भी समुद्र की गहराई और उसकी संपूर्णता को पूरी तरह नहीं जान पातीं।

ज्ञान का प्रकाश मिलते ही समाप्त हो जाती है माया

जीवन प्रकृति का उपहार है। कोई जन्म लेता है। जन्मा शिशु हंसता है। हाथ-पैर चलाता है। परिवार छोटे बच्चों को बढ़ता हुआ देखकर प्रसन्न होता है। फिर आती है जीवन की चुनौतियां। दुख आते हैं। सुख आते हैं। वे बारी-बारी से आते-जाते हैं। परिवार बढ़ता है। वह वृहत्तर समाज का अंग हो जाता है। वह जैसा चाहता है, वैसा नहीं होता, तो उसे दुख होता है। दुख और सुख आते-जाते हैं। दुख स्वयं निरपेक्ष नहीं है। दुख-सुख का अभाव है। दुख का मुख्य कारण आसक्ति है। माना जाता है, माया मोह में फंसकर व्यक्ति दुखी रहता है। बुद्ध ने दुख को ही समस्या का जड़ माना है।

शब्द 'माया' लोक जीवन में बहुत चलता है। संसार के प्रति आसक्ति के लिए भी 'माया' शब्द का प्रयोग होता है। तब उसे माया मोह कहते हैं। संसार को कागज की पुड़िया बताने वाले संत कबीर भी माया को ठगनी बताते हैं। एक पूरी सभ्यता को ही 'माया सभ्यता' कहा जाता है। माया सभ्यता मध्य अमेरिका के दक्षिणी मेक्सिको से लेकर ग्वाटेमाला बेलीज पश्चिमी होंडुरस और एल साल्वाडोर तक फैली हुई थी। ऋग्वेद में एक शब्द आया है 'ऋभु'। ऋभु कारीगर हैं। एक मंत्र के अनुवाद में ऋभुओं द्वारा बहुत सुंदर स्थापत्य बनाने की प्रशंसा की गई है। माया किसी न किसी रूप में, भारत के मन में बहुत गहराई से बैठी हुई प्रतीत होती है। तुलसीदास भी सांसारिक दुखों का कारण माया बताते हैं। माया प्रभावित जीव दुखी रहते हैं।

माया संस्कृत का शब्द है। इसका अर्थ है जो नहीं है, अर्थात हमारे इन्द्रियबोध को धोखा देने वाला। अद्वैत दर्शन में माया की धारणा बहुत महत्वपूर्ण है। यह सत्य सुव्यवस्थित है कि परमार्थतः ब्रह्म ही एकमात्र सत् है। ब्रह्म एक निर्गुण निर्विकार भेदरहित सत्ता है। ब्रह्म से अलग कुछ भी नहीं। बाकी सब मिथ्या है, लेकिन सांसारिक जीवन में कुछ जिज्ञासाएं भी चला करती हैं। ब्रह्म की सत्ता पर पूर्ण विश्वास न करने वाले विद्वान कहते हैं कि सांसारिक जीव ऐसा अनुभव नहीं करते। उनके अनुसार जगत् में उन्हें जगत् जीव प्रपंच के अनुभव दिखाई पड़ते हैं। वैसे भी विद्वतजनों में मतभेद बने रहना स्वाभाविक है। मूलभूत प्रश्न है कि इस संसार के सारे प्रपंच और ब्रह्म से उनके संबंध क्या हैं? संसार में जैव विविधता है। मत भिन्नता भी है। जीवन के बारे में

> माया संस्कृत का शब्द है। इसका अर्थ है जो नहीं है, अर्थात हमारे इन्द्रियबोध को धोखा देने वाला। अद्वैत दर्शन में माया की धारणा बहुत महत्वपूर्ण है। यह सत्य सुव्यवस्थित है कि परमार्थत : ब्रह्म ही एकमात्र सत् है। ब्रह्म एक निर्गुण निर्विकार भेदरहित सत्ता है। ब्रह्म से अलग कुछ भी नहीं। बाकी सब मिथ्या है, लेकिन सांसारिक जीवन में कुछ जिज्ञासाएं भी चला करती हैं। ब्रह्म की सत्ता पर पूर्ण विश्वास न करने वाले विद्वान कहते हैं कि सांसारिक जीव ऐसा अनुभव नहीं करते।

अनेक दृष्टिकोण हैं। कुछ मानते हैं कि यह जीवन और जगत् किसी सर्वशक्तिशाली परम शक्ति के द्वारा दिया गया है। उसे ईश्वर की संज्ञा दी गई है, कुछ ऐसे चिंतक विचारक भी हैं, जो जीवन जगत् के लिए प्रकृति की शक्तियों पर निर्भर हैं। अद्वैत वेदांत में केवल ब्रह्म को ही माना गया है। उनका ब्रह्म संसार नहीं बनाता।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

शंकराचार्य ने ब्रह्म को मात्र एक पारमार्थिक सत्ता बताया है। फिर प्रत्यक्ष संसार की गतिविधियों का रहस्य क्या है? प्रत्यक्ष भौतिक जगत् को माया रूप देखना तथ्यगत नहीं जान पड़ता। शंकराचार्य के अनुसार माया भावात्मक है। अविद्या अभावात्मक है। सुर नर मुनि भी माया के पाश में बंधे रहते हैं। माया में प्रतिबिंबित ब्रह्म ईश्वर है, किंतु विद्या में प्रतिबिंब ब्रह्म जीव है। माया ईश्वर को भी प्रभावित करती है, जबकि अविद्या जीव को प्रभावित करती है। अविद्या त्रिगुणात्मक है। अज्ञान, अव्यक्त, अनिर्वचनीय, भ्रांति आदि शब्द एक जैसे हैं। इस तरह माया जड़ है और अपनी सत्ता के लिए ब्रह्म पर आश्रित है।

उपनिषदों में विद्या और अविद्या शब्द आए हैं। कुछ विद्वान मानते हैं कि आसक्ति के कारण यह संसार खूबसूरत दिखाई पड़ता है। दुख आने पर यह संसार वैसा नहीं दिखाई पड़ता जैसा हम सोचते हैं। दर्शन में ऐसे प्रश्नों पर गंभीर विचार हुआ है। प्रश्न है कि, यह विश्व किस तरह अस्तित्व में आया? क्या इसे किसी ने बनाया है? क्या यह सदा से है? अगर किसी देव शक्ति ने बनाया है, तो इस रचना के पहले कुछ तो रहा ही होगा? कोई वस्तु पदार्थ अथवा अणु परमाणु शून्य से नहीं पैदा हो सकते।

वैदिक काल से लेकर उपनिषद काल तक यह धारणा रही है कि ईश्वर शासक नहीं है। वह करुणानिधान है। वह सर्वशक्तिमान सत्ता है, जो समस्या भारत में ऋषियों के सामने थी, वही समस्या यूनानी दार्शनिकों के मध्य विचारणीय थी। शंकराचार्य ने स्वयं कहा है कि माया और अविद्या में कोई भेद नहीं है। सांख्य दर्शन द्वैतवादी है। शंकराचार्य ने सांख्य दर्शन के द्वैतवाद का खंडन किया है और सांख्य के पुरुष तत्व को ब्रह्म या आत्मा का आसन दिया। माया अनादि है, लेकिन अनंत नहीं है। माया की शुरुआत कब हुई पता नहीं। अनादि और अनंत में फर्क होते हैं। अनादि वह तत्व है जो सदा से है और अनंत का अर्थ, जिसका अंतिम छोर पता नहीं। शंकराचार्य के अनुसार माया ज्ञान के सामने नहीं बचती। अनादि होकर भी अनंत न होना स्वाभाविक है। वस्तुतः माया ज्ञान प्रकाश मिलते ही समाप्त हो जाती है।

माया अजर-अमर नहीं है। वह ज्ञान से बाधित है। माया ज्ञान के समक्ष नहीं बच पाती। यह अभावात्मक भी नहीं है। यदि यह केवल अभाव रूप होती, तो इससे सृष्टि का उद्भव असंभव होता। संसार भ्रम से भरा-पूरा है। इस तरह माया सत् नहीं है। ब्रह्म से स्वतंत्र उसकी कोई सत्ता नहीं है। माया को सत् या असत् नहीं कहा जा सकता। माया सत् नहीं है। यह यथार्थ ज्ञान से तिरोहित हो जाती है। माया की कोई स्वतंत्र सत्ता नहीं है। वह असत् भी नहीं है। वह जगत् को आरोपित करती है।

इसी तरह का माया जैसा एक आंतरिक अनुभव अध्यास है, जो वस्तु नहीं है। उसका अनुभव करना अध्यास है। माया भी ऐसी है। जिस प्रकार रस्सी को सांप समझने तक सत्य का पता नहीं चलता। वहां सांप वास्तव में नहीं होता, लेकिन अध्यास के कारण वह प्रभावी रहता है। माया का आश्रय ब्रह्म है। माया ब्रह्म में रहती है और संसार के आविर्भाव के लिए ब्रह्म को ही अपना विषय बनाती है। अपने सारे काम करते हुए वह प्रभावित नहीं होती। ब्रह्म भी प्रभावित नहीं होता। माया और अध्यास एक जैसे दिखाई पड़ते हैं, मगर हैं नहीं। माया संसार रचती है। अध्यास के तीन घटक बताए गए हैं। अधिष्ठान, अध्यस्त, अध्यस्त वस्तु और आरोप। यहां अधिष्ठान वह तत्व है जो अध्यास काल में उपस्थित है।

शंकराचार्य के अनुसार अध्यास का कारण अविद्या है। अविद्या का मतलब अज्ञान नहीं होता। विद्या और अविद्या शब्द उपनिषदों से आए हैं। अविद्या का अर्थ है, प्रत्यक्ष संसार की वस्तुओं और आचार विचार की सारी कार्यवाहियों का ज्ञान और विद्या का मतलब है, परम तत्व का ज्ञान। ईशावास्योपनिषद के एक मंत्र में कहते हैं कि जो विद्या के उपासक हैं, वे अंधलोकों में जाएंगे और जो विद्या के उपासक हैं, वे भी अंधलोकों में जाएंगे। सांसारिक ज्ञान अविद्या है। अविद्या और विद्या आध्यात्मिक ज्ञान है। साधक दोनों की जानकारी के लिए उपासना करें। अविद्या से जुड़े होने के कारण अध्यस्त के गुण दोष का कोई प्रभाव अधिष्ठान पर नहीं पड़ता।

पुराना उदाहरण लें, जब कोई अविद्या के कारण रस्सी में सर्प का ज्ञान प्राप्त करता है, तब सर्पत्व का कोई प्रभाव रस्सी पर नहीं पड़ता। अध्यास के प्रभाव में रस्सी सांप नहीं बन जाती। वह सांप जैसी प्रतीत होती है। इससे सर्प ज्ञान बाधित होता है। शंकर के अनुसार अध्यस्त वस्तु अपने मूल रूप में बनी रहती है। इसे असत नहीं कहेंगे। भ्रम काल में भी उसका अनुभव होता है और यह वस्तुतः सही नहीं होता है। हम भारतवासी अध्यात्मबोध को श्रेष्ठ मानते हैं, लेकिन ऐसा बोध माया की सीमा तक जाता है। माया की सीमा है। वह अनंत नहीं है।

स्मार्ट सिटी योजना में पीपीपी मॉडल का प्रयोग

साल 2015 में लॉन्च किए जाते समय 'स्मार्ट सिटीज मिशन' का उद्देश्य 100 शहरी क्षेत्रों का चयन करके उनके बुनियादी ढांचे को चमकदार बनाया जाना और निवासियों को बेहतर प्रशासनिक दक्षता उपलब्ध करवाने में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग प्रस्तावित था। 'शहरी विकास मंत्रालय' ने 20 वर्षों की इसकी लागत सात लाख करोड़ रुपये बताई थी। इस मिशन के लिए चुने गए शहरों में नई दिल्ली से लेकर भोपाल, भागलपुर, इंदौर, इंफाल, सलेम, सतना और अहमदाबाद आदि शामिल थे। केंद्र सरकार ने प्रारंभ में मिशन के लिए 48,000 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। इसमें कुछ राशि उन राज्यों द्वारा भी मिलाई जानी थी, जिनमें परियोजनाएं लागू की जानी थीं। मिशन ने यह सिफारिश की थी कि जलापूर्ति, स्वच्छता, सीवरेज और परिवहन जैसी सार्वजनिक सेवाएं निजी साझेदारों के माध्यम से 'पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप' (पीपीपी) के तहत प्रदान की जाएं। 1990 के दशक की शुरुआत में अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के बाद से भारत का शहरी विकास मॉडल निजी कंपनियों को सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता में शामिल करने और फिर नागरिकों से उनका शुल्क वसूलने की रणनीति पर आधारित रहा है।

गौरव द्विवेदी
एक्टिविस्ट

'स्मार्ट सिटी परियोजनाओं' के प्रमुख सहयोगी बहुराष्ट्रीय कॉर्पोरेशन्स और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान भी रहे हैं। उनमें 'सिस्को', 'आईबीएम', 'जनरल इलेक्ट्रिक', 'हिताची' और 'तोशिबा' आदि शामिल हैं। ऐसी स्मार्ट परियोजनाओं का उत्साहपूर्वक साथ देने वाले अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान भी हैं, जैसे 'वर्ल्डबैंक,' 'एशियन डेवलपमेंट बैंक' और कई 'इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन।' भारत के 'स्मार्ट सिटीज मिशन' को 'वर्ल्डबैंक' के अलावा 'इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन' का सहयोग प्राप्त है जो 'वर्ल्डबैंक' समूह की निजी क्षेत्र की शाखा है।

> एक रिपोर्ट ने निष्कर्ष निकाला है कि 'पीपीपी मॉडल' कई स्तरों पर विफल रहा है, जिससे वित्तीय और मानवीय दोनों तरह के प्रभाव उत्पन्न हुए हैं। इसका कारण यह है कि निजी कंपनियां नागरिकों के प्रति नहीं बल्कि अपने शेयरधारकों के प्रति जिम्मेदार होती हैं।

पिछले दो दशकों में भारत का निजी ऑपरेटरों के माध्यम से परियोजनाओं को लागू करने और सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने का अनुभव उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है। जलापूर्ति में पांच 'पीपीपी' पर वर्ल्डबैंक के अध्ययन ने चेतावनी दी है कि 'सिर्फ ऐसे निवेश ही प्रभावी नहीं होंगे, जिनमें कम जवाबदेही हो। आपूर्ति को ठीक से चलाने और मानकों को पूरा करने की कमी हो। कमजोर वाणिज्यिक रुझान हो। बाहरी संस्थाओं द्वारा संचालन में हस्तक्षेप हो और ग्राहक सेवा, वित्तीय स्थिरता पर केंद्रित नियामक ढांचे की अनुपस्थिति हो। इसी बीच, 'यूरोपियन नेटवर्क ऑन डॅट एंड डेवलपमेंट' की एक रिपोर्ट ने निष्कर्ष निकाला है कि 'पीपीपी' मॉडल 'कई स्तरों पर विफल रहा है,' जिससे वित्तीय और मानवीय दोनों तरह के प्रभाव उत्पन्न हुए हैं। इसी रिपोर्ट रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 'पीपीपी' की मानवीय लागत, विशेष रूप से सार्वजनिक सेवा वितरण में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। इसका कारण यह है कि निजी कंपनियां नागरिकों के प्रति नहीं, बल्कि अपने शेयरधारकों के प्रति जिम्मेदार होती हैं।

कॉफी की बूंदें बनाम मिल्क केक के ढेर

हाल में लंदन में एक महिला पर इसलिए 150 पाउंड जुर्माना लगा, क्योंकि बस पकड़ते समय उसने अपने कप में बची हुई कॉफी की बूंदें सडक के नाले में उंडेल दी थीं। पुलिस अधिकारियों ने तुरंत उसे रोककर बताया कि आपने प्रदूषक पदार्थ सार्वजनिक जल निकासी में डाला है। महिला ने माफी मांगी, पर जुर्माना लगा, क्योंकि वहां नियम भावनाओं से नहीं, व्यवस्था से तय होता है। इसके विपरीत अब जरा राजस्थान में अजमेर की तस्वीर देखिए। अजमेर में खाद्य विभाग ने 2000 किलो मिल्क केक जांच के बाद मिलावटी पाया। अधिकारियों ने वह सारा खराब मिल्क केक कागज के डिब्बों समेत सीधे नदी में बहा दिया। इसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, लेकिन न कोई जुर्माना लगा, न कोई जांच हुई और न किसी अधिकारी की जवाबदेही तय की गई। यह तुलना केवल दो देशों की नहीं है, बल्कि यह दो मानसिकताओं की कहानी है।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

लंदन के उदाहरण से पता चलता है कि वहां कानून व्यक्ति से ऊपर है, जबकि अजमेर के उदाहरण से साफ है, हमारे यहां कानून व्यक्ति के अनुसार चलता है। हम कानून सबके लिए समान होने की बातें कहते हैं, पर ऐसा सिर्फ किताबों में है। हमारे देश में नियमों की कमी नहीं है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से लेकर स्वच्छता अभियान तक हर विभाग के पास नियम-कायदे हैं, लेकिन ये लागू किस पर होते हैं? ज्यादातर आम नागरिक पर। असरदार तो आम तौर पर इससे बच ही जाते हैं।

एक आदमी बिना हेलमेट के निकल जाए तो फौरन चालान हो जाता है, मगर कोई ठेकेदार निर्माण के बाद बचा मलबा खुले नाले में डाल दे तो उसे अनदेखा कर दिया जाता है। लंदन के नाले में कॉफी गिराने वाली महिला की गलती व्यक्तिगत जिम्मेदारी की प्रतीक है, जबकि अजमेर की घटना संस्थागत लापरवाही का उदाहरण है। एक सरकारी विभाग टीम ने मिलकर नदी को प्रदूषित किया, लेकिन दोनों में फर्क देखिए- एक को सजा मिली, जबकि दूसरे को सरकारी संरक्षण हासिल है।

जब भी किसी संस्थागत लापरवाही का मुद्दा उठता है, तो उसे बहाने बनाकर अनदेखा कर दिया जाता है। अजमेर में 2000 किलो मिल्क केक नदी में फेंकते हुए, यह भी नहीं सोचा गया कि इतनी भारी मात्रा में सड़ा हुआ दूध, शक्कर और कागज मिलकर जलचरों के जीवन, ऑक्सीजन स्तर और पानी की गुणवत्ता को किस कदर प्रभावित करेगा? यह सीधे तौर पर पर्यावरण नियमों का उल्लंघन है। ऐसा करने वाला चाहे नागरिक हों या कोई अधिकारी, चूंकि यह उल्लंघन सरकारी विभाग की टीम ने किया है, इसलिए जवाबदेही की बात ही नहीं समझी जा रही है। यानी सरकारी विभाग जवाबदेही से ऊपर हैं। लंदन की महिला की गलती बेशक छोटी थी, पर वहां व्यवस्था ने यह दिखा दिया कि नियम सबके लिए एक हैं, जबकि हमारे यहां अजमेर की घटना यह याद दिलाती है कि जब कानून का पालन करने वाले ही कानून तोड़ते हैं, तब समाज का नैतिक ताना-बाना टूटने लगता है। किसी भी समाज में कानून का अर्थ केवल सजा देना नहीं होता, बल्कि विश्वास बनाना भी होता है।

किसानों की दुर्दशा व सरकारी व्यवस्था

निरंतर बढ़ती जनसंख्या, विकसित भारत के दृष्टिगत सड़कों के जाल और औद्योगिक इकाईयों की स्थापना को कृषि भूमि के अधिग्रहण से हमारे देश-प्रदेश की कृषि भूमि लगातार घट रही है। समय रहते इस दिशा में पहल नहीं की गई तो स्थिति विस्फोटक हो सकती है। कृषि प्रधान देश के नेतृत्वकर्ताओं ने यह तो महसूस किया कि भारत के समग्र विकास का रास्ता गांव और किसान के विकास से होकर ही आगे बढ़ता है। आजादी के बाद से तत्कालीन नेतृत्वकर्ताओं ने कृषि के समुचित विकास को कृषि विकास मंत्रालय के साथ कृषि बीज संवर्धन, कृषि रसायन, कीटनाशन प्रबंधन, रसायनिक खाद उत्पादन एवं वितरण, भूमि संरक्षण, कृषि कार्य के ऋण के लिए खाद व बीज वितरण को सोसाइटीज, गन्ना विकास के लिए अलग समितियां व विभाग, भूमि विकास बैंक, को-ऑपरेटिव बैंक स्थापित किए।

प्रदेश में कांग्रेस, भाजपा, सपा व बसपा की सरकारें रहीं, लेकिन रबी की बुवाई से पूर्व जरूरत के मुताबिक पोटाश खाद व फसल के लिए यूरिया का समय से प्रबंध नहीं कर पाईं और किसान को अपनी जरूरत के मुताबिक खाद मुहैया कराने के लिए जो पापड़ बेलने पड़ते हैं, उसका अंदाज भुक्तभोगी ही लगा सकता है। सत्तारूढ़ दल या विपक्षी दल रसायनिक खाद की जरूरत के समय तक उपलब्धता सुनिश्चित क्यों नहीं करा पाते? और छोटे व साधनविहीन किसानों को इधर-उधर भटकना क्यों पड़ता है?

ओमकार सिंह रघुवंशी
अधिवक्ता

अब किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई के लिए इतनी बिजली मिल पा रही है कि वे हाथ-पैर काले किए डीजल इंजन चलाने को नहीं भटक रहे हैं। यह दीगर बात है कि राजकीय नलकूप पर्याप्त नहीं हैं और जो हैं वे राजकीय नलकूप चालक की इच्छा शक्ति से संचालित हो रहे हैं और किसान खासकर छोटे किसान निजी नलकूप संचालकों के रहमो-करम से अपनी फसल बचा पा रहे हैं।

बढ़ती आबादी व विभिन्न योजनाओं में भूमि अधिग्रहण से अधिसंख्य किसान लघु और अत्याधिक लघु किसान के श्रेणी में आते जा रहे हैं। कृषि कार्य के कुशल संचालन को विकास खंड स्तर पर अपर खंड विकास अधिकारी (कृषि) व अन्य स्टाफ की नियुक्ति है, लेकिन इनके द्वारा राजकाज की व्यस्तता के चलते आम सभाएं करके किसानों को सरकारी योजनाओं की सार्वजनिक जानकारी देने का प्रयास नहीं किया जाता।

रबी में तोरिया, सरसों पर कीट प्रबंधन (माहू कीट) से रोकथाम, आलू की फसल में झुलसा आदि रोगों की रोकथाम को कीट प्रबंधन विभाग समाचार पत्रों को विज्ञप्ति जारी करके अपनी ड्यूटी का निर्वाह करता है। उसमें जो सुझाव दिए जाते हैं, वह प्रति हैक्टेअर दवा की मात्रा का जिक्र किया जाता है। उल्लेखनीय है कि जिस किसान पर बीस वर्ष पूर्व एक हेक्टेयर कृषि थी, आज उसके पौत्रों पर 2-3 बीघा कृषि भूमि रह गई है। अब वह हैक्टेअर की दर से दवा का उपयोग कैसे करे इस पर पंचायत या ग्राम स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित किए जाने की जरूरत है, लेकिन इसके प्रति जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता से नतीजा शून्य है। किसान अपने विवेक से कीट रसायन प्रयोग करके फसल तो बचा पा रहा है, लेकिन उत्पादित सब्जी व अन्न से आम आदमी की सेहत पर दुष्प्रभाव से किसी को कोई सरोकार नहीं है।

> मृदा परीक्षण के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रयोगशालाओं के लिए सरकार धन तो देती है, इसके सापेक्ष उसकी उपयोगिता पर सत्ता व विपक्ष के प्रतिनिधि दृष्टिपात नहीं करते। मृदा परीक्षण के परिणाम समय से न मिलने से पूरा विभाग सफेद हाथी साबित होता है।

आबादी के सापेक्ष खाद्यान्न उत्पादन के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है मृदा परीक्षण। मृदा परीक्षण के लिए नियुक्त अधिकारियों, कर्मचारियों पर प्रयोगशालाओं के रखरखाव पर सरकार द्वारा दिए जाने वाले धन के सापेक्ष उसकी उपयोगिता पर सत्ता व विपक्ष के प्रतिनिधि दृष्टिपात नहीं करते, लेकिन मृदा परीक्षण के परिणाम समय से न मिलने से पूरा विभाग सफेद हाथी साबित होता है। मृदा परीक्षण का परिणाम समय से देने के लिए क्षेत्रवार खेतों की मिट्टी के नमूने प्रयोगशाला तक पहुंचाया जाना, रिपोर्ट व परीक्षित मिट्टी वाले खेत के लिए फसल चयन पर सुझाव कम से कम दो सप्ताह पूर्व प्राप्त होने से तथा सुझाव के अनुरूप बीज व रसायनिक अथवा देसी खाद की उपलब्धता के लिए शासन व प्रशासन स्तर समग्र प्रयास किए जाने चाहिए।

समय की मांग है कि सभी राजनीतिक दलों को अपने कार्यक्षेत्र के किसानों की समस्याओं का आकलन कराकर उनके समाधान का प्रयास करना चाहिए। मात्र स्व महिमा मंडन अथवा अपने प्रतिद्वंद्वी की आलोचना से कुर्सी भले ही मिल जाए लेकिन देश, प्रदेश खुशहाली के लिए कृषि व किसानों के प्रति सकारात्मक सोच आवश्यक है।

कमजोर व ताकतवर के हिसाब से रूप बदलती वादाखिलाफी

किसी को कोई वचन देकर फिर वक्त आने पर मुकर जाना वादाखिलाफी कही जाती है। वादाखिलाफी करने वाला मजबूत रहता है, तो कमजोर पक्ष चुपचाप वादाखिलाफी झेलता है और यदि मजबूत है तो वह वादा निभाने को मजबूर करता है।

महाभारत का युद्ध वादाखिलाफी का परिणाम रहा है। पांडु के असमय मृत्यु हो जाने पर हस्तिनापुर का सम्राट धृतराष्ट्र को इन शर्तों पर बनाया गया कि पांडु पुत्र पांडव जब शासन करने में समर्थ हो जाएंगे, तो उन्हें गद्दी दे दी जाएगी, लेकिन धृतराष्ट्र ने पुत्रमोह के चलते पांडवों को राज्य देना स्वीकार नहीं किया और कृष्ण के समझाने के बावजूद 'सूई की नोक के बराबर भूमि नहीं दूंगा' कहकर पांच गांव देने से भी इनकार कर दिया।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

वादाखिलाफी से संबंधित कथा-सम्राट मुंशी प्रेमचंद की कहानी 'पंच परमेश्वर' भी है। कहानी के एक पात्र जुम्मन शेख ने अपनी बेवा खाला की सारी संपत्ति ले ली और वादा किया कि जुम्मन और उसकी बीबी खाला की भलीभांति देखभाल करेंगे, लेकिन कुछ ही महीनों में जुम्मन ने वादा तोड़ दिया। इस पर मामला पंचायत में गया और जुम्मन के खास दोस्त अलगू ने जुम्मन के खिलाफ फैसला दिया तथा वादा निभाने का आदेश दिया। दोनों में अनबन सी हो गई, लेकिन कुछ दिनों बाद जुम्मन को पंच परमेश्वर बनना पड़ा, क्योंकि अलगू चौधरी द्वारा एक व्यापारी को बेचे गए बैल के मर जाने के कारण व्यापारी ने पैसा देने से इनकार कर दिया था। इस बार जब जुम्मन ने पंच परमेश्वर के पद से अलगू चौधरी के पक्ष में फैसला दिया तथा कहा कि बैल खरीदते समय यदि पूरा पैसा अलगू को मिल गया होता तो पैसे का विवाद न होता।

पहले तो लोगों को उम्मीद थी कि जुम्मन द्वारा अलगू के खिलाफ फैसला दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जुम्मन ने न्याय का साथ दिया तथा वादा खिलाफी करने वाले व्यापारी के खिलाफ फैसला हुआ। समाज में आए दिन वादाखिलाफी को लेकर झगड़े होते हैं। कोर्ट-कचहरी तक लोग चक्कर लगाते हैं। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद फैसला होता है। यदि हर कोई अपनी अंतरात्मा की आवाज सुने, तो मालूम हो जाएगा कि कौन वादाखिलाफी कर रहा है?

स्कूल से पहले ससुराल भेज दी जाती हैं लड़कियां

हमारे देश में कुछ ऐसी सामाजिक बुराईयां आज भी मौजूद हैं, जिनके खिलाफ सख्त कानून तो बने हुए हैं, लेकिन इसके बावजूद वह जारी हैं। इनमें कम उम्र में लड़कियों की शादी प्रमुख है। भारत में प्रत्येक वर्ष 18 साल से कम उम्र की करीब 15 लाख लड़कियों की शादी हो जाती है, जिसके कारण भारत में दुनिया की सबसे अधिक बाल वधुओं की संख्या है, जो विश्व की कुल संख्या का तीसरा भाग है। 15 से 19 साल की उम्र की लगभग 16 प्रतिशत लड़कियां शादीशुदा हैं, हालांकि साल 2005-06 से 2015-16 के दौरान 18 साल से पहले शादी करने वाली लड़कियों की संख्या 47 प्रतिशत से घटकर 27 प्रतिशत हो गई है, परंतु यह अभी भी अधिक है। विशेषकर देश के ग्रामीण क्षेत्रों में इसका प्रतिशत अधिक है।

नजमा बानो
लेखिका

राज्य स्तर पर बात करें, तो राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्र इस बुराई से सबसे अधिक प्रभावित हैं। यहां के कई गांवों में लड़कियों की जल्दी शादी हो जाना आम बात है। हालांकि हाल के दशक में यह प्रथा घटने के संकेत दिखे हैं, पर जमीन पर मौजूद तस्वीर मिश्रित है। कुछ जगहों पर बदलाव तेज हैं, तो कई जगहों पर ये बुराई अभी भी जिंदा है। राष्ट्रीय सर्वेक्षणों के आंकड़ों से साफ होता है कि 2005–06 से लेकर 2019–21 तक इसमें स्पष्ट कमी आई है। राजस्थान में 20–24 आयु की महिलाओं में जो 18 साल से पहले शादी कर चुकी थीं, उनकी दर 2005–06 में बहुत ऊंची थी और 2015–16 में यह 35.4% तक आ गई; फिर 2019–21 में और घटकर लगभग 25.4% दर्ज हुई। यानी एक दशक में गिरावट तो हुई है, पर मामला अभी भी व्यापक है।

इन संख्याओं के पीछे हर एक आंकड़ा किसी परिवार की सुबह और किसी छात्रा की किताबों में छूटा हुआ अध्याय बनकर बैठा है। 2005 के बाद से जो गिरावट आई है, वह अक्सर स्कूलों में बढ़ते दाखिलों, स्थानीय जागरूकता अभियानों और कुछ इलाकों में जीवन शैली के बदलने की वजह से है। अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टें भी बताती हैं कि पूरे देश में बाल विवाह घट रहा है, पर कुछ राज्यों और उनके ग्रामीण हिस्सों में यह अभी भी बड़े पैमाने पर मौजूद है। राजस्थान की बदलती दर राष्ट्रीय औसत से भिन्न पैटर्न दिखाती है। कुछ जगहों पर तीक्ष्ण गिरावट हुई है और कुछ जगहों पर धीमी लेकिन लगातार कमी है।

इसी समय, यह भी ठीक है कि हाल के सालों में कुछ रिपोर्टों ने और ताजा स्थानीय पहलों का जिक्र किया है, जिनसे कुछ जिलों में हालिया वर्षों (2022–24) के बीच रोकथाम के अस्थायी या स्थायी नतीजे सामने आए हैं। पर यह जरूरी है कि इन छोटी-छोटी विजयों को व्यापक और गहरे स्तर पर मापा जाए। कुछ मीडिया रिपोर्टों और क्षेत्रीय सर्वेक्षणों ने तेज गिरावट के प्रमाण दिए हैं, फिर भी राष्ट्रीय सर्वेक्षणों का बड़ा फ्रेम (NFHS जैसी) समय-समय पर तुलनात्मक संकेत देता है।

लड़कियों की पढ़ाई पर इसका असर बहुत सीधा और गहरा होता है। जल्दी शादी से स्कूल छोड़ने की प्रवृत्ति बढ़ती है। 12वीं तक पहुंचने की संभावना कम हो जाती है और कई बार लड़कियां अपनी पढ़ाई अधूरी छोड़कर घरेलू जिम्मेदारियों या मां बनने की चुनौती में फंस जाती हैं। इससे आत्मनिर्भर बनने की संभावनाएं सीमित हो जाती हैं। नेशनल सर्वेक्षणों ने यह भी दिखाया है कि जिन इलाकों में बाल विवाह की दर अधिक है, वहां साक्षरता और शैक्षिक उपलब्धियां तुलनात्मक रूप से कम होती हैं। स्वास्थ्य के स्तर पर भी इसका असर होता है। किशोरावस्था में गर्भधारण से मां और शिशु दोनों के जोखिम बढ़ जाते हैं। प्रसव संबंधी जटिलताएं, न्यूट्रिशनल कमी और उच्च बाल-मृत्यु दर जैसी समस्याएं अधिक देखने को मिलती हैं। राष्ट्रीय आंकड़े बताते हैं कि किशोर मातृत्व की दर और किशोरों में गर्भधारण पर प्रभाव उस समुदाय की शादी की प्रथाओं से जुड़ा होता है, जहां शुरुआती शादी सामान्य है वहां ये स्वास्थ्य संकेतक नकारात्मक रहते हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

देश की तमाम शख्सियतों को लेकर मिमिक्री होना आम बात है। यह बरसों-बरस से हो रही है, बल्कि तमाम हस्तियां इसे एंज्वाय भी करती हैं। जैसे शाहरुख खान की हकलाने वाली मिमिक्री पर वह बुरा नहीं मानते या फिर नाना पाटेकर की खब्ती भरी गुस्से वाली मिमिक्री पर वह खूब हंसते हैं, लेकिन बात इससे कहीं ज्यादा बढ़ गई है। डीपफेक से अब उनकी इमेज को खराब करने की कोशिश की जा रही है। हूबहू उनकी ही शक्ल बनाकर ऊल-जलूल हरकतें या बातें कहलाई जा रही हैं। उनके चेहरे और आवाज का इस्तेमाल फर्जी विज्ञापनों में किया जा रहा है। इसकी वजह से यह सभी हस्तियां चिंता में हैं। कई मशहूर सेलिब्रिटी- अमिताभ बच्चन, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त, अनिल कपूर, आशा भोसले आदि पर्सनाल्टी राइट्स को लेकर अदालत पहुंचे हैं।

पर्सनालिटी राइट्स को लेकर परेशान सेलिब्रिटी

आलोक तिवारी
लेखक, लखनऊ

■ भारत में एक नया कानूनी युद्ध शुरू हो चुका है, जो न सीमाओं पर है, न संसद में, बल्कि अदालतों और सोशल मीडिया के बीच लड़ा जा रहा है। यह लड़ाई है "व्यक्तित्व अधिकारों" यानी पर्सनालिटी राइट्स की। हाल ही में देश के कई मशहूर हस्तियों, अमिताभ बच्चन, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त, अनिल कपूर, आशा भोसले सद्गुरु और श्री श्री रविशंकर ने अदालत का दरवाजा खटखटाया है और किसी व्यक्ति ने इनको मजबूर नहीं किया है, बल्कि एआई ने आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस ने इन लोगों के चेहरे आवाज और हाव भाव की इतनी अच्छी नकल कर के दिखाई है कि एक सामान्य नागरिक को भी असली और नकली का अंतर नहीं मालूम पड़ सकता और इसी बात ने इन्हें मजबूर किया है।

■ एआई के आने बाद प्रश्न खड़े हो रहे हैं कि क्या अब किसी व्यक्ति का नाम, चेहरा और आवाज भी उसकी संपत्ति मानी जाएगी, जिसे वह चाहे तो बेच सके, लाइसेंस दे सके या उसके उपयोग से रॉयल्टी कमा सके?

भारतीय न्यायालयों में विवाद

अब यही विवाद भारतीय न्यायालयों तक पहुंच गया है। कानूनी दृष्टि से भारतीय अदालतें अब तक इन मामलों में अनुच्छेद 21 यानी जीवन और निजता के अधिकार का सहारा लेती रही हैं। परंतु यहां एक गहरी दुविधा है। क्या यह अधिकार "निजता" का है या "संपत्ति" का? अमेरिका, जापान और जर्मनी जैसे देशों ने इसे संपत्ति के अधिकार के रूप में स्वीकार किया है। वहां मर्लिन मुनरो और एलवीश प्रेसले जैसे कलाकारों की मृत्यु के बाद भी उनकी पहचान से जुड़े अधिकार उनके परिवार या ट्रस्ट को मिलते हैं, जबकि भारत में ऐसा कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। उदाहरण के तौर पर, सुशांत सिंह राजपूत के पिता ने उनके जीवन पर आधारित एक फिल्म रोकने की कोशिश की थी, लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी कि "व्यक्तिगत पहचान मृत्यु के बाद स्वतः परिवार को ट्रांसफर नहीं होती।" यानी भारत में व्यक्तित्व अधिकार अभी विरासत योग्य नहीं हैं। हर बार जब कोई नया डीपफेक या बिना अनुमति विज्ञापन सामने आता है, तो अदालतों को "John Doe Orders" जारी करने पड़ते हैं। ऐसे आदेश, जो "अज्ञात व्यक्तियों" के खिलाफ होते हैं, लेकिन यह समाधान अस्थायी है। यह केवल तत्काल राहत देता है, न कि स्थायी कानूनी सुरक्षा। कई बार ये आदेश इतने व्यापक होते हैं कि वैध आलोचना, व्यंग्य और पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर भी अंकुश लगने लगता है। परिणामस्वरूप, यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर एक नकारात्मक प्रभाव डाल देता है।

■ सच्चाई यह है कि भारत में अब तक एआई और डीपफेक के लिए कोई ठोस कानून नहीं बना है। अदालतें केस-दर-केस फैसले दे सकती हैं, पर संपूर्ण नीति नहीं बना सकतीं। इसलिए अब समय आ गया है कि संसद इस विषय पर एक स्पष्ट और संतुलित Personality Rights Law बनाए, जो व्यक्ति की पहचान की रक्षा करे, लेकिन साथ ही कला, व्यंग्य, पत्रकारिता और जनहित की स्वतंत्रता को भी सुरक्षित रखे।

निजता के अधिकार का उल्लंघन

■ दरअसल अब यह बहस सिर्फ गोपनीयता तक सीमित नहीं रही। मामला यह है कि किसी की पहचान- जैसे चेहरा, आवाज या नाम का बिना अनुमति इस्तेमाल अगर किसी के आर्थिक लाभ के लिए किया जाता है, तो यह संपत्ति के अधिकार का उल्लंघन बन जाता है। अगर इसका इस्तेमाल किसी की बदनामी या अपमान के लिए किया जाए, तो यह निजता के अधिकार का उल्लंघन कहलाएगा। यानी Privacy Violation और Property Violation दोनों में बारीक, लेकिन बहुत अहम फर्क है। सोचिए, आपके मोहल्ले की नाई की दुकान के बाहर अमिताभ बच्चन की तस्वीर लगी हो और नीचे लिखा हो- "Amitabh Style Haircut Available Here!" या कोई आइसक्रीम बेचने वाला जैकी श्रॉफ का डायलॉग बोलता दिखे-"भिडू, सबसे झकास फ्लेवर यही मिलेगा।" तो यह भले ही मजाक लगे, लेकिन कानून की नजर में यह Personality Rights Violation है। क्योंकि इन छवियों या वाक्यों का इस्तेमाल बिना अनुमति किया गया है।

■ पहले यह सब इतना गंभीर नहीं माना जाता था। स्टेज शो में कलाकार, फिल्मी अभिनेताओं की नकल करते, आवाजें निकालते और मनोरंजन करते थे। परंतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डीपफेक टेक्नोलॉजी के आने के बाद तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। आज कोई भी व्यक्ति कुछ ही सेकंड में किसी भी सेलिब्रिटी की आवाज और चेहरा हूबहू बना सकता है। इतने सटीक वीडियो बनाए जा रहे हैं कि आम दर्शक के लिए असली और नकली में फर्क करना लगभग असंभव हो गया है।

यही कारण है कि अब अदालतों में एक नई किस्म की याचिकाएं बढ़ने लगी हैं। जैकी श्राफ कह रहे हैं- "भिड़ू" शब्द उनकी पहचान है, अनिल कपूर "झकास" पर अपना अधिकार बता रहे हैं, संजय दत्त "बाबा" शब्द पर दावा कर रहे हैं, तो कोई अपनी तस्वीर या वीडियो के गलत इस्तेमाल से परेशान है। आशा भोसले जैसी दिग्गज गायिका भी कह चुकी हैं कि लोग बिना अनुमति उनके गीतों पर उनकी तस्वीर चिपकाकर वीडियो बना देते हैं। यहां तक की श्री श्री रविशंकर और सद्गुरु भी कोर्ट से गुहार लगा रहे है कि उनके आध्यात्मिक प्रवचनों का प्रयोग उनकी एआई फोटो और आवाज के साथ किया जा रहा है और जो बात हम लोगों ने कहा भी नहीं है वो भी जनता को बताई जा रही है, जो हमारा ही नहीं संस्कृति और अध्यात्म का भी गलत प्रस्तुतिकरण है, जो हमारे धर्म को ही नष्ट कर देगा।

मॉडल आफ द वीक

नाम: स्वाति यादव
टाउन: कानपुर
एजूकेशन: बी कॉम
अचीवमेंट: इंडियन नेशनल अवार्ड 2020
ड्रीम: प्रोफेशनल मॉडलिंग, एक्टर

जोकर के खौफ की कहानी 'इट'

स्टीफन किंग के हॉरर उपन्यास 'इट' ने पाठकों और दर्शकों के मन में ऐसा भय पैदा किया, जो दशकों बाद भी कम नहीं हुआ। इस उपन्यास का मुख्य खलनायक 'पेनीवाइज' हॉरर दुनिया का सबसे डरावना चेहरा बन चुका है। हालांकि 'पेनीवाइज' पूरी तरह काल्पनिक पात्र है, लेकिन इसकी जड़ें उन वास्तविक अपराधों और सामाजिक भय से जुड़ी दिखाई देती हैं, जिन्होंने अमेरिका को हिला दिया था।

ऐसे बनी 'इट' की पृष्ठभूमि

स्टीफन किंग ने कभी सीधा यह स्वीकार नहीं किया कि 'पेनीवाइज' किसी असल व्यक्ति पर आधारित है, लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि वे बच्चों के "सबसे गहरे और अनकहे डर" को कहानी में रूप देना चाहते थे। 1980 के दशक में अमेरिका में बच्चों के अपहरण और हत्या की घटनाओं में वृद्धि ने माता-पिता और समाज दोनों के मन में असुरक्षा की भावना भर दी थी। यही सामाजिक भय 'इट' की पृष्ठभूमि बना।

किंग का मानना था कि बच्चों की दुनिया में जोकर एक ऐसा चरित्र है, जिसके चेहरे पर मुस्कान होती है, पर असल भावनाएं छिपी रहती हैं। यह विरोधाभास ही डर पैदा करता है। इसी आधार पर जन्म हुआ पेनीवाइज जैसा राक्षसी जोकर, जो मासूमियत का मुखौटा पहने भय का खेल खेलता है।

एक मनोवैज्ञानिक सच

जोकरों से डर को 'कूलरोफोबिया' कहा जाता है। चमकीला मेकअप, अतिरंजित मुस्कान और छिपा हुआ चेहरा लोगों के लिए जोकर का असली स्वभाव समझना मुश्किल हो जाता है। यही अनिश्चितता डर की वजह बनती है।

'पेनीवाइज' इसी मनोवैज्ञानिक कमजोरी का फायदा उठाता है और बच्चों को उनके ही डर में फंसाता है।

जॉन वेन गेसी: वास्तविक दुनिया का 'किलर क्लाउन'

'पेनीवाइज' की कल्पना भले ही काल्पनिक हो, पर 'किलर क्लाउन' की वास्तविक कहानी जॉन वेन गेसी से मिलती-जुलती है। गेसी पार्टियों में 'पोगो द क्लाउन' बनकर बच्चों का मनोरंजन करता था, लेकिन बाद में वह 33 किशोरों और युवाओं का कुख्यात हत्यारा निकला। उसके अपराध उजागर होने के बाद समाज में जोकरों को लेकर नया भय पैदा हुआ, जिसने हॉरर कहानियों को एक नया आयाम दिया।

पेनीवाइज : रूप बदलने वाला आतंक

'पेनीवाइज' असल में इंटरडाइमेंशनल ईविल एंटिटी "इट" का रूप है, जो बच्चों के डर को खाना अपनी ताकत मानता है। यह हर 27 साल में लौटकर बच्चों को उनके सबसे बड़े भय से रूबरू कराता है। यही वजह है कि यह पात्र केवल एक जोकर नहीं, बल्कि डर का प्रतीक बन चुका है।

जिंदगी का सफर

सुबह सी नूतन

नूतन अपने दौर की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक थीं। उनका चेहरा इतना सौम्य था कि देखने पर हमेशा उन पर सुबह सी ताजगी नजर आती थी। उन्होंने अपनी सादगी, सशक्त अभिनय और बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी। नूतन समर्थ का जन्म चार जून 1936 को बंबई (अब मुंबई) में हुआ था। वह एक फिल्मी पृष्ठभूमि वाले परिवार से थीं। उनके पिता कुमारसेन समर्थ एक फिल्म निर्देशक और कवि थे। उनकी मां शोभना समर्थ एक प्रसिद्ध अभिनेत्री थीं। अभिनेत्री तनुजा उनकी छोटी बहन हैं और लोकप्रिय अभिनेत्री काजोल उनकी भतीजी हैं।

नूतन ने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 1950 में की थी। तब वह स्कूल की छात्रा थीं। बतौर बाल कलाकार फिल्म 'नल दमयंती' में उन्होंने काम किया था। इसी साल नूतन ने अपनी मां द्वारा निर्मित और निर्देशित फिल्म 'हमारी बेटी' (1950) में भी अभिनय किया। 1951 में 'मिस इंडिया' का खिताब जीतने के बाद, उन्होंने कई फिल्मों में काम किया। उन्हें फिल्म 'सीमा' (1955) से बड़ी सफलता मिली, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पहला फिल्मफेयर पुरस्कार मिला।

नूतन को महिला केंद्रित भूमिकाओं को पर्दे पर उतारने के लिए जाना जाता है, जो उस समय काफी दुर्लभ था। उनकी अभिनय शैली सहज और यथार्थवादी थी। उनकी कुछ सबसे यादगार फिल्मों में शामिल हैं, 'सीमा' (1955), 'सुजाता' (1959), 'बंदिनी' (1963)। इस फिल्म में एक जेल कैदी की भूमिका को उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ भूमिकाओं में से एक माना जाता है। जिस वक्त उन्होंने यह फिल्म की, वह गर्भवती थीं। इसके अलावा 'मिलन' (1967), 'सरस्वतीचंद्र' (1968), 'मैं तुलसी तेरे आंगन की' (1978) और 'मेरी जंग' (1985) जैसी फिल्में शामिल हैं। नूतन ने अपने करियर में कुल छह फिल्मफेयर पुरस्कार जीते, जिनमें से पांच सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए थे। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए सबसे अधिक फिल्मफेयर पुरस्कार जीतने का उनका रिकॉर्ड कई दशकों तक कायम रहा। भारतीय सिनेमा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें 1974 में भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्म श्री' से सम्मानित किया गया था।

11 अक्टूबर 1959 को नूतन ने भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट कमांडर रजनीश बहल से शादी की। उनका एक बेटा है, अभिनेता मोहनीश बहल। नूतन का 21 फरवरी 1991 को कैंसर के कारण 54 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। भारतीय सिनेमा में उनके योगदान और बेहतरीन अभिनय को आज भी याद किया जाता है।

टाटा केमिकल्स का मुनाफा सितंबर तिमाही में 60.30% घटा

मुंबई। टाटा केमिकल्स ने शनिवार को बताया कि सितंबर तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 60% से अधिक घटकर 77 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले उसका शुद्ध लाभ 194 करोड़ था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान टाटा केमिकल्स का परिचालन राजस्व 3 .05% घटकर 3,877 करोड़ रुपये रह गया, जबकि गत वित्त वर्ष इसी अवधि में यह 3,999 करोड़ रुपये था। प्रबंध निदेशक और सीईओ आर मुकुंदन ने दूसरी तिमाही के दौरान कीमतें कमजोर बनी रहीं।

अमृत विचार

मुरादाबाद, रविवार, 2 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

शैडोफैक्स ने सेबी में दाखिल किए दस्तावेज

नई दिल्ली। लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 2,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास अद्यतन दस्तावेज दाखिल किए हैं। अद्यतन दस्तावेजों के मसौदे (यूडीआरएचपी) के अनुसार, आईपीओ में 1,000 करोड़ के नए शेयर जारी किए जाएंगे और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 1,000 करोड़ की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जाएगी। ओएफएस के तहत फ्लिपकार्ट इंटरनेट, एट रोड्स इन्वेस्टमेंट्स, न्यूक्वेस्ट एशिया फंड, नोकिया ग्रोथ पार्टनर्स, आईएफसी, मिरे एसेट, क्वालकॉम एशिया पैसिफिक, और स्नैपडील के संस्थापक कुनाल बहल व रोहित बंसल अपने कुछ शेयर बेचेंगे। फ्लिपकार्ट, टीपीजी, एट रोड्स वेंचर्स, मिराए एसेट वेंचर्स और नोकिया ग्रोथ फंड्स शैडोफैक्स के प्रमुख निवेशक हैं।

अक्टूबर में बिजली की खपत 6% घटी

नई दिल्ली। देश में बिजली की खपत अक्टूबर में 6% घटकर 132 अरब यूनिट रह गई, जो पिछले साल इसी महीने 140 .47 अरब यूनिट थी। इसकी मुख्य वजह शीतलन उपकरणों का कम इस्तेमाल है। अक्टूबर में देश के कई हिस्सों में बारिश भी हुई। विशेषज्ञों के अनुसार बिजली की खपत में गिरावट का कारण देश के कुछ हिस्सों में इस महीने हुई बेमौसम बारिश और सर्दियों के मौसम की शुरुआत है। इस वजह से तापमान नियंत्रण में रहा। अक्टूबर में यह 210 .71 गीगावाट रही ।

पाकिस्तान का कपड़ा निर्यात सबसे अधिक

कराची। पाकिस्तान का कपड़ा निर्यात सितंबर में तीन साल के उच्चतम स्तर 1.6 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने शनिवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। कपड़ा निर्यात को मूल्यवर्धित श्रेणियों की मजबूत मांग और नए वैश्विक ऑर्डरों से मजबूती मिली। बुने हुए परिधानों का निर्यात 48 .5 करोड़ डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो पाकिस्तान के मूल्य-वर्धित क्षेत्र की मजबूती को रेखांकित करता है।

जीएसटी संग्रह हुआ 1.96 लाख करोड़

अक्टूबर का आंकड़ा त्योहारी सत्र की बिक्री व दबी हुई मांग के प्रभाव को दर्शाता है

नई दिल्ली, एजेंसी

● अगस्त-सितंबर में कर संग्रह क्रमश : 1.86 लाख करोड़ और 1.89 लाख करोड़ से थोड़ा कम

जीएसटी दरों में कटौती के बावजूद त्योहारी खरीदारी के कारण अक्टूबर में सकल जीएसटी संग्रह 4.6 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.96 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह चालू वित्त वर्ष में अब तक की सबसे धीमी दर है।

रसोई के सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल सहित 375 वस्तुओं पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नयी दरें 22 सितंबर से प्रभावी हुईं थीं। यह नवरात्रि का पहला दिन था और यह समय नए सामान खरीदने के लिए शुभ माना जाता है। अक्टूबर के जीएसटी संग्रह के आंकड़े त्योहारी सत्र की बिक्री और दबी हुई मांग के प्रभाव को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में दिवाली से पहले जीएसटी दरों में कटौती की घोषणा की थी। इसके बाद उपभोक्ताओं ने जीएसटी दरों में कटौती का इंतजार करते हुए अपनी खरीदारी का फैसला टाल दिया था।

शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में सकल जीएसटी संग्रह 1.96 लाख करोड़ रहा, जो अक्टूबर 2024 के 1.87 लाख करोड़ रुपये के संग्रह से 4.6% अधिक है। इस साल अगस्त और सितंबर में कर संग्रह क्रमशः 1.86 लाख करोड़ रुपये और 1.89 लाख करोड़ रुपये से थोड़ा कम रहा। हालांकि अक्टूबर में जीएसटी संग्रह में सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत की वृद्धि पिछले महीनों में देखी गई लगभग नौ प्रतिशत की औसत वृद्धि से कम है। सकल घरेलू राजस्व, जो स्थानीय बिक्री का एक संकेतक है, अक्टूबर में दो प्रतिशत बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये हो गया। आयात कर लगभग 13 प्रतिशत बढ़कर 50,884 करोड़ रुपये रहा। जीएसटी रिफंड भी सालाना आधार पर 39.6 प्रतिशत बढ़कर 26,934 करोड़ रुपये हो गया। रिफंड समायोजित करने के बाद अक्टूबर 2025 में शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.69 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.2% अधिक है।

बढ़ रही है लगातार मांग : जैन

प्राइस वाटरहाउस एंड कंपनी एलएलपी के पार्टनर प्रतीक जैन ने कहा कि 22 सितंबर से प्रभावी दरों में भारी कटौती के बावजूद घरेलू जीएसटी संग्रह में मामूली वृद्धि दर्शाती है कि मांग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जीएसटी रिफंड (घरेलू और निर्यात दोनों) में लगातार वृद्धि से कर प्रशासन के इस भरोसे का पता चलता है कि भविष्य में भी जीएसटी संग्रह सकारात्मक रहेगा।

आंकड़े दर्शाते है अर्थव्यवस्था की मजबूती

ईवाई इंडिया के टैक्स पार्टनर सौरभ अग्रवाल ने कहा कि जीएसटी संग्रह बढ़ने की धीमी गति मुख्य रूप से दरों को युक्तिसंगत बनाने और त्योहारी सत्र से पहले उपभोक्ता खर्च में देरी के कारण थी। डेलॉयट इंडिया के पार्टनर और अप्रत्यक्ष कर प्रमुख महेश जयसिंह ने कहा कि जीएसटी संग्रह के आंकड़े त्योहारी उत्साह और बेहतर अनुपालन के बीच अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाते हैं।

मालवाहक गलियारे का रेल परिचालन 48% बढ़ा : रेलवे बोर्ड सीईओ

नई दिल्ली। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 में मालगाड़ियों के परिचालन में 48% की वृद्धि दर्ज की। रेलवे बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और चेयरमैन सतीश कुमार ने भारत मंडपम में डीएफसीसीआईएल के 20वें स्थापना दिवस में यह बात कही।

डीएफसीसीआईएल 2,750 किमी लंबे पूर्वी और पश्चिमी गलियारों का प्रबंधन करती है। निगम ने बताया कि गत वित्त वर्ष में उसने प्रतिदिन औसतन 381 से अधिक मालगाड़ियों का परिचालन किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि भारत की लॉजिस्टिक लागत 24 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है और निगम के परिवर्तनकारी प्रभाव ने लॉजिस्टिक लागत को सकल घरेलू उत्पाद के 14 प्रतिशत से घटाकर लगभग 8-9 प्रतिशत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत को और अधिक विकेंद्रीकरण की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

● ईएसी-पीएम के चेयरमैन बोले- चीन और अमेरिका में विकेंद्रीकरण का स्तर कहीं अधिक

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन महेंद्र देव ने कहा कि भारत को और अधिक विकेंद्रीकरण की जरूरत है, लेकिन कई राज्यों में परिषदों को शक्तियां सौंपने का विरोध हो रहा है।

ग्रामीण विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए चौथे रोहिणी नैयर पुरस्कार समारोह में देव ने कहा कि चीन और अमेरिका में विकेंद्रीकरण का स्तर कहीं अधिक है। भारत को और अधिक विकेंद्रीकरण की जरूरत है, जिसमें पंचायतों और स्थानीय निकायों को अधिक शक्तियां देना, साथ ही ग्रामीण मजदूरी में सुधार के लिए कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का अधिक उपयोग शामिल होना चाहिए... कई राज्यों में स्थानीय परिषदों को शक्तियां सौंपने का विरोध हो रहा है।

देव ने कहा कि पंचायतों के माध्यम से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के कार्यान्वयन से न केवल मजदूरी में सुधार हुआ, बल्कि जमीनी स्तर पर लोकतंत्र में भरोसा भी बढ़ा है। उन्होंने पुणे की सामाजिक उद्यमी विद्या परशुरामकर को पोषण को अधिक सुलभ, टिकाऊ और समुदाय-संचालित बनाने में उनके योगदान के लिए रोहिणी नैयर पुरस्कार प्रदान किया। परशुरामकर एग्रोजी ऑर्गेनिक्स और इसकी प्रमुख पहल 'मिलेट्स नाउ' का नेतृत्व करती हैं।

चावल, गेहूं, दालें, चीनी नरम खाद्य तेलों में उतार चढ़ाव

नई दिल्ली, एजेंसी

● चावल की कीमत 33 रुपये घटी गेहूं चार रुपये हुआ कमजोर

घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल का औसत भाव गिर गया। गेहूं, दालों और चीनी के भाव भी टूट गये। वहीं, खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत 33 रुपये घटकर 3,826 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। गेहूं चार रुपये कमजोर हुआ और 2,859.91 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत 3,318.60 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रही। खाद्य तेलों में मूंगफली तेल की कीमत 221 रुपये प्रति क्विंटल लुढ़क गई। वनस्पति में सात रुपये और सूरजमुखी तेल में 35 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। सरसों तेल 35 रुपये और सोया तेल छह रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ। पाम ऑयल सात रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त में रहा। दाल-दलहनों में नरमी रही। चना दाल 38 और तुअर दाल 85 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। उड़द दाल 45 और मूंग दाल 42 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। मसूर दाल में 68 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी दर्ज की गयी। गुड़-चीनीः मीठे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत 14 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। हालांकि चीनी तीन रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई।

कोल इंडिया के उत्पादन में 9.8% की आई गिरावट

कोलकाता। देश की प्रमुख कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड का अक्टूबर 2025 में उत्पादन सालाना आधार पर 9.8% की गिरावट के साथ 5.64 करोड़ टन रह गया।

कंपनी की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर माह के दौरान कोयले का वितरण भी 5.9 प्रतिशत घटकर 5.83 करोड़ टन रह गया। अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान कंपनी का संचयी उत्पादन 38.53 करोड़ टन रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 4.5 प्रतिशत कम है। इस बीच, कोल इंडिया ने सनोज कुमार झा को अंतरिम चेयरमैन-सह-प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। यह नियुक्ति एक नवंबर से प्रभावी हो गई।

त्योहारी सीजन व जीएसटी में राहत से यात्री वाहनों की बंपर बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी

मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स व किआ इंडिया ने मासिक बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया

स्कोडा-निशान ने भी की सर्वाधिक बिक्री

स्कोडा इंडिया की बिक्री 8,252 इकाई रही जो उसकी सबसे अधिक मासिक बिक्री है। इस वृद्धि के पीछे सबसे बड़ी भूमिका स्कोडा इंडिया की पहली सब-4 मीटर एसयूवी 'काइलैक' की रही, जिसकी बिक्री बढ़ रही है। निसान मोटर इंडिया ने बताया कि इस साल सितंबर की तुलना में अक्टूबर में उसकी बिक्री 45 प्रतिशत बढ़कर 2,402 इकाई पर पहुंच गयी।

त्योहारी सीजन और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में राहत से अक्टूबर में देश में यात्री वाहनों की बिक्री में जबरदस्त वृद्धि हुई और मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स तथा किआ इंडिया ने मासिक बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया।

देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन कंपनी मारुति सुजुकी की घरेलू बिक्री 1,80,675 इकाई पर पहुंच गई। यह मासिक बिक्री का कंपनी का नया रिकॉर्ड है। वहीं, निर्यात 31,304 इकाई और मारुति के डीलर नेटवर्क से दूसरे विनिर्माता के वाहनों की 8,915 इकाई रही। उसने अक्टूबर में 85,210 कारें, 77,571 उपयोगी वाहन और 13,537 वैन बेचे। महिंद्रा ऑटो के उपयोगी वाहनों की घरेलू बिक्री अक्टूबर में 31% बढ़कर 71,624 इकाई हो गयी। वहीं, वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 18 प्रतिशत बढ़कर 44,503 इकाई पर पहुंच गयी। निर्यात का आंकड़ा 15 फीसदी की वृद्धि के साथ 4,015 पर रहा। हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड ने अक्टूबर में घरेलू बाजार में 53,792 वाहन बेचे। उसका निर्यात सालाना आधार पर 11% बढ़कर 16,102 इकाई पर पहुंच गया। कुल बिक्री 69,894 इकाई रही। उसके क्रेटा और वेन्यू मॉडलों की संयुक्त बिक्री 30,119 इकाई रही जो दूसरी सबसे बड़ी मासिक बिक्री है। टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की बिक्री अक्टूबर में 27% बढ़कर 61,295 इकाई रही। इसमें घरेलू बाजार में बिक्री 61,134 इकाई दर्ज की गई। दूसरे महीने उसने रिकॉर्ड बिक्री की। इसमें इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 73% बढ़कर उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। नवरात्र और दिवाली के बीच कंपनी ने एक लाख से अधिक वाहनों की डिलीवरी की जो पिछले साल के मुकाबले 33% की वृद्धि दर्शाता है। टाटा मोटर्स के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 10% बढ़कर 37,530 इकाई पर पहुंच गई। घरेलू बिक्री में सात प्रतिशत और निर्यात में 56% की सालाना वृद्धि रही। घरेलू बिक्री 35,108 इकाई और निर्यात 2,422 इकाई रही। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की बिक्री 39% बढ़कर 42,892 इकाई रही।

राष्ट्रीय

बिहार चुनाव विकास बनाम जंगलराज

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने गोपालगंज और समस्तीपुर की रैलियों को वर्चुअल किया संबोधित

पटना/गोपालगंज/समस्तीपुर, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि बिहार चुनाव राज्य की जनता के लिए प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकास का रास्ता चुनने और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेतृत्व वाले विपक्ष के 'जंगलराज' को वापस लाने के बीच का चुनाव है। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह बात गोपालगंज और समस्तीपुर जिलों में आयोजित रैलियों को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए कही। खराब मौसम से वह इन स्थानों पर नहीं पहुंच सके।

राजद प्रमुख लालू प्रसाद के गृह जिले गोपालगंज का उल्लेख करते हुए शाह ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के भाई और पूर्व विधायक साधू यादव के अत्याचारों का जिक्र किया और लोगों को चेताया कि अगर विपक्ष सत्ता में आया तो फिर से जंगलराज लौट आएगा। यह चुनाव ये तय करने का अवसर है कि बिहार का भविष्य किसे सौंपना चाहिए। एक ओर वे लोग हैं जिन्होंने राज्य में जंगलराज लाया था और दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश की जोड़ी है, जिन्होंने विकास का रास्ता दिखाया है।

उन्होंने कहा कि मुझे भरोसा है कि वे इस परंपरा को बनाए रखेंगे... गोपालगंज के लोगों से बेहतर कोई साधू यादव को नहीं जानता। साधू यादव, जो गोपालगंज से विधायक और सांसद दोनों रह चुके हैं। शाह ने उन घटनाओं का उल्लेख किया जिनमें यादव का नाम सामने आया था, जैसे 1999 में राबड़ी देवी की बड़ी बेटी मीसा भारती की शादी के दौरान शो-रूम से जबरन कारें उठवा लेने का मामला, जिसका जिक्र प्रधानमंत्री मोदी ने भी किया था। 90 के दशक के शिल्पी गौतम हत्याकांड में भी यादव का नाम आया था। हाल में यह मामला तब सुर्खियों में आया जब जनसुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी (जो उस वक्त राजद में थे) पर इस मामले में संलिप्तता का आरोप लगाया।

समस्तीपुर में शाह ने राहुल गांधी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उन्होंने वोटर अधिकार यात्रा निकालकर घुसपैठियों को बचाने की कोशिश की थी। राहुल जितनी यात्राएं निकाल लें, हर घुसपैठिए को देश से बाहर किया जाएगा।

बिहार में नहीं है डबल इंजन सरकार, सब कुछ दिल्ली से नियंत्रित होता है : प्रियंका गांधी

बेगूसराय। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने शनिवार को बिहार में बेरोजगारी और पलायन के मुद्दे पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर हमला करते हुए कहा कि राज्य में डबल इंजन की सरकार नहीं है, क्योंकि सब कुछ दिल्ली से नियंत्रित किया जाता है। बेगूसराय में पहली चुनावी सभा में प्रियंका ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य, दोनों जगह राजग की सरकारें विभाजनकारी राजनीति और झूठे राष्ट्रवाद का सहारा लेकर लोगों का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर रही हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि मतदान का अधिकार भारतीय संविधान का सबसे बड़ा वरदान है, लेकिन राजग सरकार ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए लोगों के वोट का अधिकार कमजोर कर दिया, जिसमें 65 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। बिहार में कोई डबल इंजन सरकार नहीं है, बल्कि एक ही इंजन है... सब कुछ दिल्ली से नियंत्रित किया जाता है। न तो आपकी सुनी जाती है और न ही आपके मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का सम्मान होता है। प्रियंका ने मतदाता सूची की समीक्षा प्रक्रिया को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मतदाताओं के नाम हटाना लोगों के अधिकारों का हनन है। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि पहले उन्होंने लोगों को बांटा, फिर लड़ाई करवाई, लेकिन जब जनता का ध्यान असली मुद्दों से नहीं हटा सके, तो अब वोट चुराने की कोशिश कर रहे हैं।

शहाबुद्दीन के बेटे को टिकट देना जंगलराज का सबूत : नड्डा

पटना/सीवान। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अगर सत्ता में आया तो वह बिहार में एक बार फिर जंगलराज लेकर आएगा। राजद द्वारा दिवंगत बाहुबली नेता मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे को उम्मीदवार बनाना इसका स्पष्ट संकेत है। खराब मौसम से सीवान नहीं पहुंच पाने पर नड्डा ने वर्चुअल सभा को संबोधित किया। राजद शासनकाल में बिहार ने जंगलराज देखा था। उस समय राज्य में अराजकता फैली हुई थी। कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी थी और अपहरण एक उद्योग बन गया था, जिसका सौदा तत्कालीन मुख्यमंत्री के आवास पर तय होता था। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि सीवान ने शहाबुद्दीन का आतंक झेला है और अब राजद ने विधानसभा चुनाव में उसके बेटे को टिकट देकर एक बार फिर वही भयावह दौर लौटाने का संकेत दिया है। लालू प्रसाद की पार्टी बिहार में जंगलराज वापस लाना चाहती है। राजद ने सीवान की रघुनाथपुर सीट से शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को उम्मीदवार बनाया है।

अलीनगर में राजनीतिक अनुभव की कमी को दूर करेंगी मैथिली ठाकुर

अलीनगर (दरभंगा)। एक दशक पहले जब बिहार की किशोरी ने मधुर आवाज़ से संगीत जगत में पहचान बनानी शुरू की थी, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि वही संकोची लड़की राजनीति में उतर जाएगी। अब बिहार चुनाव के सबसे चर्चित उम्मीदवारों में शामिल 25 वर्षीय मैथिली ठाकुर ने कहा कि मैं अलीनगर में घर बनाना चाहती हूं और इसे ही स्थायी ठिकाना बनाऊंगी। मेरे ननिहाल की जड़ें यहीं हैं। मैं कहीं और नहीं रहना चाहती। दरभंगा जिले के अलीनगर विस क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार ठाकुर को बाहरी होने के आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। वह मैथिली भाषा में निपुण हैं और उनकी पारिवारिक जड़ें मधुबनी में हैं। वह अपने माता-पिता और भाइयों के साथ दिल्ली में रह रही थीं। ठाकुर ने 14 अक्टूबर को भाजपा की सदस्यता ली, लेकिन इसके पहले से ही उनके राजनीति में आने की अटकलें तेज थीं। पांच अक्टूबर को, जब चुनाव की घोषणा से एक दिन पहले भाजपा महासचिव विनोद तावड़े और केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय के साथ उनकी तस्वीर वायरल हुई, तय ये माना जा रहा था कि वह चुनाव में उतरेंगी।

कन्नड़ की उपेक्षा कर हिंदी थोप रही केंद्र सरकार : सिद्धरमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शनिवार को केंद्र सरकार पर कन्नड़ भाषा की उपेक्षा और हिंदी थोपने का आरोप लगाया। उन्होंने लोगों से कन्नड़-विरोधी ताकतों का विरोध करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने राज्य स्थापना दिवस (राज्योत्सव दिवस) पर कहा कि केंद्र सरकार कर्नाटक के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य केंद्र को 4.5 लाख करोड़ का राजस्व देता है, लेकिन उसे उसका उचित हिस्सा नहीं मिलता और बदले में मामूली राशि दी जाती है। कन्नड़ भाषा के साथ अन्याय होने का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदी थोपने के प्रयास हो रहे हैं। हिंदी-संस्कृत के विकास के लिए अनुदान दिए जाते हैं, जबकि देश की अन्य भाषाओं की उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक को राज्य के विकास के लिए आवश्यक धन से वंचित किया जा रहा है। कन्नड़ जैसी शास्त्रीय भाषा के विकास के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं दी जा रही, जिससे उसके साथ अन्याय हो रहा है। हमें उन सभी का विरोध करना चाहिए जो कन्नड़-विरोधी हैं।

भारत-रूस संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाले आदेश पारित नहीं करना चाहते : सुप्रीम कोर्ट

बाल संरक्षण विवाद

दुर्लभ मामले में पॉक्सो की कार्यवाही हुई निरस्त

सुप्रीम कोर्ट ने दुर्लभ मामले में संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत पूर्ण शक्तियों का इस्तेमाल कर उस व्यक्ति के खिलाफ पॉक्सो की कार्यवाही निरस्त कर दी है, जिसने नाबालिग लड़की के साथ यौन संबंध बनाए और बाद में उससे शादी कर ली थी। न्यायालय ने कहा कि यह अपराध वासना का नहीं, बल्कि प्रेम का परिणाम था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और एजी मसीह की पीठ ने कहा कि पीड़िता (अब पत्नी) ने कहा है कि उसकी शादी उस व्यक्ति (दोषी) से हुई थी और उन दोनों का एक साल का बेटा भी है। वे अब खुशहाल जीवन जी रहे हैं। लड़की के पिता भी चाहते हैं कि उनकी बेटी के पति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही समाप्त हो। पीठ ने कहा कि अपराध एक व्यक्ति के विरुद्ध नहीं, बल्कि समग्र समाज के विरुद्ध है।

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह रूसी महिला का अपने भारतीय पति के साथ बच्चे को संरक्षण को लेकर जारी विवाद में ऐसा कोई आदेश पारित नहीं करना चाहता, जिससे भारत-रूस संबंधों को नुकसान पहुंचे। न्यायालय ने रूसी महिला का पता लगाने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चिंता व्यक्त की। रूसी महिला जारी विवाद के बीच बच्चे को लेकर मॉस्को चली गई है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत व जे बागची की पीठ ने समुचित समन्वय की जरूरत पर बल दिया। अदालत ने रेखांकित किया कि इस मुद्दे का समाधान ढूंढने और बच्चे को सुप्रीम कोर्ट की अभिरक्षा में वापस लाने के लिए विदेश मंत्रालय (एमईए), मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास और नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास के सामने एक कूटनीतिक चुनौती खड़ी हो गई है। विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट में बताया गया कि दूतावास ने पारस्परिक और सौहार्द के सिद्धांतों के आधार पर सहायता और सहयोग के लिए पहले ही अभियोजक जनरल के कार्यालय से संपर्क किया था और पारस्परिक कानूनी सहायता संधि (एमएलएटी) के तहत नए अनुरोध 17 अक्टूबर को मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से रूस के अभियोजक जनरल के कार्यालय को भेजे गये थे।

केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि विदेश मंत्रालय नेपाल के साथ एमएलएटी के माध्यम से नेपाली नागरिकों समेत अन्य संलिप्त व्यक्तियों की जांच के लिए दिल्ली पुलिस के साथ समन्वय कर रहा है। पीठ ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने रूसी अधिकारियों को नोटिस भेजकर विस्तृत जानकारी मांगी, लेकिन इसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। बच्चे की मां रूसी नागरिक है, जो 2019 से भारत में रह रही है।

साहित्यकार रामदरश मिश्र के अंतिम संस्कार में उमड़े लेखक व प्रकाशक

नई दिल्ली। प्रसिद्ध साहित्यकार रामदरश मिश्र का शनिवार को मंगलापुरी श्मशानघाट पर अंतिम संस्कार हुआ, जिसमें साहित्यकार, पत्रकार, लेखक व प्रकाशक शामिल हुए। प्रसिद्ध कवि और आलोचक ओम निश्चल ने बताया कि मिश्र का निधन शुक्रवार को उनके द्वारका स्थित आवास पर हुआ। वह 101 वर्ष के थे। डॉ मिश्र 99 साल में घर पर गिरने से चोटिल हो गए थे।

मिश्र के अंतिम संस्कार में प्रोफेसर नित्यानंद तिवारी, कथाकार भगवान दास मोरवाल, आलोचक जसवीर त्यागी, कवि ओम निश्चल, डॉ. प्रकाश मनु, श्रीहरि शंकर राही, उपेंद्र मिश्र, डॉ.वेदमित्र शुक्ल, भारतीय शिक्षा बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. सोनी पांडे, मशहूर नाटककार प्रताप सहगल, डॉ. पवन माथुर, लक्ष्मीशंकर वाजपेयी पूर्व महानिदेशक आकाशवाणी, डॉ. रेनू यादव, मशहूर ग़ज़लकार नरेश शांडिल्य, केंद्रीय हिंदी संस्थान के पूर्व निदेशक अनिल जोशी, साहित्य अकादमी के उपसचिव देवेंद्र कुमार देवेश, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन के अशोक शर्मा आदि शामिल हुए।

रांची से स्वच्छता और एकता का संदेश

रांची, अमृत विचारः केंद्रीय संचार ब्यूरो, रांची द्वारा जेएन कॉलेज, धुर्वा में राष्ट्रीय एकता दिवस, सतर्कता जागरूकता सप्ताह और विशेष स्वच्छता अभियान 5.0 के तहत दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी और सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी रहा।

कार्यक्रम में शाहिद रहमान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश का उल्लेख करते हुए राष्ट्रीय एकता और अखंड भारत की भावना पर बल दिया। रेल मंडल की वरिष्ठ वाणिज्यिक प्रबंधक शुचि सिंह ने सतर्कता शपथ दिलाई और रेलवे की स्वच्छता पहलों 'रेल मदद' ऐप, सीसीटीवी निगरानी और वेस्ट टू आर्ट जैसी परियोजनाओं की जानकारी दी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक शुचि सिंह, सीसीएल रणधीर सिंह, सहायक आयुक्त अमोद कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता चम्पा तिग्गा, सीआईएसएफ के अरविंद पाठक, बॉटनी विभागाध्यक्ष सत्यनारायण उरांव ने सभी को संबोधित किया। जया नलिनी एक्का ने धन्यवाद ज्ञापन किया। प्राचार्य डॉ. शमशुन नेहार सहित विद्यार्थी, शिक्षक और केंद्रीय संचार ब्यूरो के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। प्रतियोगिता में कंचन प्रिया, रूपा कुमारी, राज स्मिता सिन्हा, हेरम्बी होरो और दीप्ति मिंज ने क्रमशः प्रथम से पंचम स्थान पाया।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिकी रिफाइनरी में विस्फोट से फैला धुआं

आर्टेसिया। न्यू मेक्सिको में एक तेल रिफाइनरी में हुए विस्फोट के बाद संयंत्र से घना धुआं निकला जो आर्टेसिया शहर के कई हिस्सों में फैल गया। नवाजो रिफाइनरी के संचालक एच एफ सिंक्लेयर ने बताया कि आग बुझा दी गई है और तीन लोगों को चिकित्सा के लिए घटनास्थल से बाहर ले जाया गया है। किसी और के घायल होने की सूचना नहीं है। एच एफ सिंक्लेयर के प्रवक्ता कोरिन स्मिथ ने बताया कि रिफाइनरी और आस-पास के इलाके में वायु गुणवत्ता की समीक्षा से पता चलता है कि इससे लोगों को कोई खतरा नहीं है।

काठमांडू जा रहे विमान की आपात लैंडिंग

काठमांडू। नेपाल के लुम्बिनी प्रांत में गौतम बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को एक निजी एयरलाइन के विमान को तकनीकी खराबी आने के कारण आपात स्थिति में उतारना पड़ा। विमान में 82 लोग सवार थे। हवाई अड्डे के अधिकारियों के अनुसार, सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित बताए जा रहे हैं। काठमांडू जाने वाली श्री एयरलाइंस की उड़ान संख्या 222 ने सुदूर पश्चिम प्रांत के धनगढ़ी से सुबह लगभग 10 बजे उड़ान भरी थी। विमान की हाइड्रोलिक प्रणाली में खराबी आने पर उसे भैरहवा ले जाया गया, जहां गौतम बुद्ध हवाई अड्डे पर उतारा गया।

श्रीलंका के विपक्षी सांसदों ने मांगी सुरक्षा

कोलंबो। श्रीलंका के विपक्षी सांसदों ने देश के पुलिस प्रमुख से विभिन्न निर्वाचित निकायों में जनता के सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को व्यक्तिगत सुरक्षा प्रदान करने का अनुरोध किया है। विपक्षी सांसदों ने अध्यक्ष से अनुरोध किया कि वे इस मुद्दे पर चर्चा के लिए शुक्रवार को पुलिस प्रमुख प्रियंता वीरासूर्या को सदन में बुलाएं। मुख्य विपक्षी दल एसजेबी के सांसद रंजीत मद्दुमा बंडारा ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा करना सरकार का कर्तव्य है। वीरासूर्या ने सांसदों से कहा कि व्यक्तिगत सुरक्षा हटाने का फैसला सरकार का एक राजनीतिक फैसला है।

चीन ने अंटार्कटिका में भेजा अपना दल

बीजिंग। चीन ने अंटार्कटिका में ड्रिलिंग संबंधी प्रयोग करने के मिशन के तहत अपने 42वें दल को सबसे ठंडे महाद्वीप के लिए रवाना किया ताकि इसकी विकास प्रक्रिया और प्राकृतिक संसाधनों का पता लगाया जा सके। चीन अंटार्कटिका में समय-समय पर अपने दल भेजता रहा है। संसाधन-संपन्न महाद्वीप में अन्वेषण करने के लिए उसके पांच अनुसंधान केंद्र हैं लेकिन यह पहली बार होगा जब उसका दल महाद्वीप के तल में ड्रिलिंग पर ध्यान केंद्रित करेगा।

भारत से आज सबसे भारी संचार उपग्रह का प्रक्षेपण करेगा इसरो

श्रीहरिकोटा, एजेंसी

- एलवीएम3-एम5 के जरिए प्रक्षेपित करने की तैयारी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का 4,000 किलोग्राम से अधिक वजनी संचार उपग्रह सीएमएस-03 रविवार को इस अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किए जाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि लगभग 4,410 किलोग्राम वजन वाला यह उपग्रह भारत की धरती से भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में प्रक्षेपित किया जाने वाला सबसे भारी उपग्रह होगा। यह उपग्रह एलवीएम3-एम5 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किया जाएगा, जिसे इसकी भारी भारोत्तोलन क्षमता के लिए 'बाहुबली' नाम दिया गया है। बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को बताया कि प्रक्षेपण यान को पूरी तरह से तैयार कर लिया गया है और अंतरिक्ष यान के साथ एकीकृत कर दिया गया है तथा इसे प्रक्षेपण-पूर्व कार्यों के लिए यहां दूसरे प्रक्षेपण स्थल पर ले जाया गया है। इसरो ने बताया कि 4,000 किलोग्राम तक भारी पेलोड ले जाने की क्षमता के कारण 'बाहुबली' नाम से जाना जाने वाला 43.5 मीटर लंबा यह यान दो नवंबर यानी रविवार को शाम पांच बजकर 26 मिनट पर प्रक्षेपित होगा। उसने बताया कि एलवीएम3 (प्रक्षेपण यान मार्क-3) इसरो का भारी वजन वहन करने वाला प्रक्षेपण यान है।

इंटरनेट ब्राउजिंग का नया दौर लेकिन खतरे भी बढ़े

चैटजीपीटी एटलस

ओपनएआई ने हाल ही में चैटजीपीटी एटलस नामक एक नए ब्राउज़र को लॉन्च किया है, जो एआई तकनीक पर आधारित है और इंटरनेट ब्राउज़िंग के तरीके को बदलने का वादा करता है। चैटजीपीटी एटलस एक पूर्ण-विशेषता वाला वेब ब्राउज़र है जिसमें चैटजीपीटी असिस्टेंट बनाया गया है, जो उपयोगकर्ताओं को वेब पेजों को समझने, प्रश्नों का उत्तर देने और कार्यों को स्वचालित करने में मदद करता है।

एटलस को इस तरह से तैयार किया गया है कि यह उपयोगकर्ता के साथ हर वेबसाइट पर सक्रिय रहे, उनकी पसंद याद रखे, लेखों का सारांश दे और फ्लाइट बुक करने या किराने का सामान ऑर्डर करने जैसे कार्य तक स्वचालित रूप से पूरा करे। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इस अत्याधुनिक तकनीक के पीछे गंभीर सुरक्षा और गोपनीयता संबंधी खतरे छिपे हैं, जिनसे आम उपयोगकर्ता अनभिज्ञ हैं।

नई तरह के साइबर खतरे : सुरक्षा विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि एटलस की डिजाइन पारंपरिक ब्राउज़र सुरक्षा सीमाओं से आगे बढ़ जाती है। उदाहरण के तौर पर 'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन अटैक' के ज़रिए दुर्भावनापूर्ण वेबसाइटें छिपे हुए आदेशों के माध्यम से एआई के व्यवहार को नियंत्रित कर सकती हैं। ऐसी स्थिति में कोई वेबसाइट चैटजीपीटी को निर्देश दे सकती है कि वह खुले टैब जैसे बैंकिंग पोर्टल या ईमेल ड्राफ्ट आदि से निजी जानकारी निकाल ले, वह भी बिना किसी पासवर्ड एक्सेस के। एक वेबसाइट पर मौजूद दुर्भावनापूर्ण कोड दूसरे टैब में भी एआई की गतिविधियों को प्रभावित कर सकता है।

एजेंट मोड : जोखिम भी

एटलस की सबसे बड़ी खासियत इसका एजेंट मोड है, जो चैटजीपीटी को उपयोगकर्ता की ओर से वेब पर अर्ध-स्वायत्त रूप से कार्य करने की अनुमति देता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई उपयोगकर्ता कहे कि मेरे पास के किसी कॉकटेल बार में टेबल बुक करो तो यह सुविधा स्वत: बुकिंग करने का प्रयास भी करेगी।

डेटा चोरी के साथ अनधिकृत पहुंच

- **प्रॉम्प्ट इंजेक्शन हमले :** चैटजीपीटी एटलस पर प्रॉम्प्ट इंजेक्शन हमले हो सकते हैं, जिसमें हमलावर उपयोगकर्ता की निजी जानकारी चोरी कर सकते हैं।
- **डेटा चोरी :** चैटजीपीटी एटलस उपयोगकर्ताओं की ब्राउज़िंग इतिहास और संदर्भ को याद रखता है, जो डेटा चोरी के खतरे को बढ़ाता है।
- **अनधिकृत पहुंच :** चैटजीपीटी एटलस पर अनधिकृत पहुंच का खतरा हो सकता है, जिससे हमलावर उपयोगकर्ता के खाते और डेटा तक पहुंच सकते हैं।

उपयोगकर्ता को मिलती हैं कई सुविधाएं

- **एआई असिस्टेंट :** चैटजीपीटी एटलस में एक एआई असिस्टेंट है जो उपयोगकर्ताओं को वेब पेजों को समझने और प्रश्नों का उत्तर देने में मदद करता है।
- **व्यक्तिगत ब्राउज़िंग मेमोरी :** चैटजीपीटी एटलस में एक व्यक्तिगत ब्राउज़िंग मेमोरी है जो उपयोगकर्ताओं की ब्राउज़िंग इतिहास और संदर्भ को याद रखती है।
- **स्वचालित कार्य :** चैटजीपीटी एटलस उपयोगकर्ताओं के लिए कार्यों को स्वचालित कर सकता है, जैसे कि ऑनलाइन शॉपिंग या बुकिंग।
- **एक्सटेंशन समर्थन :** चैटजीपीटी एटलस क्रोमियम पर आधारित है, जो इसे विभिन्न एक्सटेंशनों के साथ संगत बनाता है।

एशिया प्रशांत क्षेत्र के विकास के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण

आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के वादे के साथ एपेक सम्मेलन का समापन

ग्योंगजू (दक्षिण कोरिया), एजेंसी

व्यापार युद्ध पर अस्थायी विराम लगाने को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच सहमति बनने के कुछ दिन बाद, एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं ने क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग पर जोर देने वाले एक बयान के साथ शनिवार को अपने वार्षिक आर्थिक शिखर सम्मेलन का समापन किया। दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दो दिनों के बाद एपेक नेताओं ने एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि एपेक नेता स्वीकार करते हैं कि वैश्विक व्यापार प्रणाली अब भी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है।

हम अपनी इस साझा मान्यता की पुष्टि करते हैं कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विकास और समृद्धि के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण हैं। संयुक्त बयान में दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं, अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तनाव से बुरी तरह प्रभावित वैश्विक अर्थव्यवस्था की साझा चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक सहयोग करने का वादा किया गया। एशियाई और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं ने आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने और साझा चुनौतियों से निपटने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को अपना वार्षिक शिखर सम्मेलन शुरू किया था। इससे एक दिन पहले ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने व्यापार के मामले में बढ़ते तनाव को कम करने के लिए कदम उठाने पर सहमति जताई थी। इस वर्ष दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में आयोजित दो-दिवसीय एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन पर ट्रंप-शी बैठक का काफी प्रभाव पड़ा है। ट्रंप ने गुरुवार को जिनपिंग के साथ हुई आमने-सामने की मुलाकात को बेहद सफल बताते हुए कहा था कि वह चीन पर लगाए गए शुल्क में कटौती करेंगे, जबकि बीजिंग ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात की अनुमति देने और अमेरिका से सोयाबीन क्रय पर सहमति दी।

एपेक शिखर सम्मेलन के समापन के दौरान सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष और प्रतिनिधि ● एजेंसी

घोषणा पत्र में कहा- वैश्विक व्यापार प्रणाली के समक्ष गंभीर चुनौतियां

एपेक के संयुक्त वक्तव्य में घोषणा की गई कि एपेक नेता स्वीकार करते हैं कि वैश्विक व्यापार प्रणाली अब भी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। इसमें कहा गया है कि हम अपनी इस साझा मान्यता की पुष्टि करते हैं कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विकास और समृद्धि के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण हैं। संयुक्त घोषणापत्र में यह भी कहा गया कि एपेक सदस्य पुत्रजया विजन 2040 को लेकर प्रतिबद्ध हैं, जो 2020 में अपनाया गया एक नया 20-वर्षीय विकास विजन है। यह व्यापार के लिए एक ऐसे वातावरण का आह्वान करता है जो मुक्त, खुला, निष्पक्ष, भेदभाव रहित एवं पारदर्शी हो। शी ने शुक्रवार को एपेक शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान कहा कि चीन वैश्विक मुक्त व्यापार और आपूर्ति शृंखला स्थिरता का समर्थन करेगा। यह उनके देश को ट्रंप की संरक्षणवादी नीतियों के विकल्प के रूप में स्थापित करने का एक स्पष्ट प्रयास है। एपेक के साथ आयोजित सीईओ शिखर सम्मेलन में भेजी गई लिखित टिप्पणी में शी ने कहा कि चीन में निवेश करना भविष्य में निवेश करना है। जिनपिंग ने शुक्रवार को एपेक शिखर सम्मेलन से इतर जापान, कनाडा और थाईलैंड के अपने समकक्षों से द्विपक्षीय मुलाकात की।

सामूहिक सुरक्षा दुनिया के हर देश की संप्रभुता की कुंजी : राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामक सैन्य गतिविधियों को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच शनिवार को कहा कि भारत का मानना है कि यह क्षेत्र खुला, समावेशी और किसी भी प्रकार के दबाव से मुक्त रहना चाहिए। कुआलालंपुर में आसियान सदस्य देशों और समूह के वार्ता साझेदारों के रक्षा मंत्रियों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने क्षेत्र के प्रत्येक राष्ट्र की संप्रभुता सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक सुरक्षा के दृष्टिकोण पर जोर दिया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत का संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) के पालन पर जोर और नौवहन तथा उड़ान की स्वतंत्रता का समर्थन किसी देश के खिलाफ नहीं, बल्कि सभी क्षेत्रीय हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए है। उन्होंने ऐसे समय में यह टिप्पणी की है जब आसियान के कई सदस्य और लोकतांत्रिक देश विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के बीच संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि के निरंतर पालन की मांग कर रहे हैं।

आसियान रक्षामंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ● एजेंसी

भविष्य की सुरक्षा सैन्य क्षमताओं पर ही निर्भर नहीं

रक्षा मंत्री ने कहा कि भविष्य की सुरक्षा केवल सैन्य क्षमताओं पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि साझा संसाधनों के प्रबंधन, डिजिटल और भौतिक बुनियादी ढांचे की सुरक्षा, और मानवीय संकटों के प्रति सामूहिक प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगी। सिंह ने कहा कि एडीएमएम-प्लस रणनीतिक संवाद को व्यावहारिक परिणामों से जोड़ने और क्षेत्र को शांति एवं साझा समृद्धि की ओर ले जाने वाला सेतु बन सकता है। उन्होंने कहा कि भारत इस ढांचे में अपनी भूमिका को साझेदारी और सहयोग की भावना के नजरिए से देखता है। हमारा दृष्टिकोण लेन-देन वाला नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और सिद्धांत-आधारित है।

गाजा से सौंपे गए अवशेष इजराइली बंधकों के नहीं

यरुशलम। हमास द्वारा इस सप्ताह रेड क्रॉस को सौंपे गए तीन लोगों के अवशेष इजराइली बंधकों के नहीं हैं। इजराइल ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह नवीनतम घटनाक्रम इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम के लिए अमेरिका की मध्यस्थता वाले समझौते को कमजोर कर सकता है। इजराइल द्वारा 30 फलस्तीनियों के शव शुक्रवार को गाजा को लौटाने के बाद ये अवशेष रेड क्रॉस को सौंपे गए थे। इससे पहले इसी सप्ताह चरमपंथियों द्वारा दो बंधकों के अवशेष सौंपे गए थे, जो इस बात का संकेत था कि इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम समझौते की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

तीन अज्ञात लोगों के अवशेष शुक्रवार देर रात इजराइल भेजे गए, जहां रात भर उनकी पड़ताल की गई। एक अन्य इजराइली सैन्य अधिकारी ने चेतावनी दी थी कि इजराइली खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिया था कि ये अवशेष सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजराइल पर हुए हमले के दौरान हमास द्वारा बंधक बनाए गए किसी भी व्यक्ति के नहीं थे।

मिस्र में विश्व के सबसे बड़े म्यूजियम का उद्घाटन

काहिरा, एजेंसी

- ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम में 50 हजार से ज्यादा कलाकृतियां

मिस्र की सभ्यता को प्रदर्शित करने वाले दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालय 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' का शनिवार को उद्घाटन किया गया। लगभग दो दशक में निर्मित इस संग्रहालय का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा पर्यटकों को आकर्षित कर देश के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देना है। राजधानी काहिरा के बाहरी इलाके में गीजा पठार पर स्थित 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' में प्राचीन मिस्र के जीवन की झलक देने वाली 50,000 से ज्यादा कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी। यह गीजा पठार पर तीन पिरामिड और 'ग्रेट स्फिंक्स ऑफ गीजा' के साथ एक प्रमुख पर्यटन केंद्र बनेगा।

मिस्र के राष्ट्रपति भवन ने 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' के निर्माण को मानव संस्कृति और सभ्यता के इतिहास में एक असाधारण घटनाक्रम करार दिया। उसने बताया कि इस संग्रहालय के भव्य उद्घाटन समारोह में विश्व के कई नेता, राष्ट्राध्यक्ष, शासनाध्यक्ष और शाही परिवारों के सदस्य शामिल होंगे। यह संग्रहालय मिस्र में राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सिसी के 2014 में पदभार ग्रहण करने के बाद संचालित सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक है। अल-सिसी ने दशकों की आर्थिक सुस्ती और 2011 की अरब क्रांति के बाद उपजी राजनीतिक अस्थिरता से कमजोर हुई अर्थव्यवस्था में नयी जान फूंकने के मकसद से बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश शुरू किया है। 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' के उद्घाटन समारोह से जुड़ी जानकारियां गुप्त रखी जा रही हैं। इस संग्रहालय को हाल के वर्षों में सीमित आगंतुकों के लिए खोला गया था, लेकिन पिछले दो हफ्तों से यह सभी के लिए बंद है। सरकार ने 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' और निकटवर्ती गीजा के तीन पिरामिड के आसपास के क्षेत्रों का पुनरुद्धार किया है। संग्रहालय तक पक्की सड़कें, एक मेट्रो स्टेशन भी निर्माण किया जा रहा है। संग्रहालय से 40 मिनट की दूरी पर, काहिरा के पश्चिम में स्फिंक्स अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा भी स्थापित किया गया है।

अमेरिका ने सीमित किया बच्चों के लिए फ्लोराइड का इस्तेमाल

वाशिंगटन। अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने बच्चों के दांतों को मजबूत बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले 'फ्लोराइड सप्लीमेंट' के इस्तेमाल को सीमित करने का निर्णय लिया है। यह अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. केनेडी जूनियर और उनके सहयोगियों की ओर से दंत चिकित्सा में व्यापक रूप से उपयोग होने वाले इस रसायन के खिलाफ उठाया गया एक और कदम है। एफडीए ने शुक्रवार को कहा कि अब तीन वर्ष से कम उम्र के बच्चों और उन बच्चों को यह इस्तेमाल करने की सलाह नहीं दी जाएगी जिनके दांतों में सड़न (कैविटी) का गंभीर खतरा नहीं है।

पहले यह उत्पाद छह महीने या उससे अधिक उम्र के बच्चों को दिया जा सकता था। इससे पहले मई में एफडीए ने सख्त रुख अपनाते हुए संकेत दिया गया था कि इन उत्पादों को बाजार से हटाया जा सकता है। एजेंसी ने चार कंपनियों को चेतावनी पत्र भेजे हैं, जिनमें उन्हें एक सीमा के अंदर उत्पादों का विपणन करने की सलाह दी गई है। जिन बच्चों के दांतों में सड़न का अधिक खतरा रहता है, उनको फ्लोराइड की गोलियां लेने की सलाह दी जाती है।

हिंदू धर्म से भी जुड़ें अमेरिकी उपराष्ट्रपति

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- अमेरिका के एक हिंदू संगठन ने जेडी वेंस से किया अनुरोध

अमेरिका के एक हिंदू संगठन ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से हिंदू धर्म से भी जुड़ने का अनुरोध किया है। संगठन का यह अनुरोध वेंस की इस टिप्पणी के बाद आया है कि उनकी पत्नी उषा ने कुछ साल पहले उन्हें उनके धर्म से फिर से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया था।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति मिसिसिपी विश्वविद्यालय में बुधवार को आयोजित टर्निंग प्वाइंट यूएसए कार्यक्रम में अपने अंतरधार्मिक विवाह के बारे में की गई टिप्पणियों के लिए आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। कार्यक्रम में एक दक्षिण एशियाई महिला ने वेंस से उनके धर्म और उषा के साथ उनके अंतर-धार्मिक विवाह के बारे में सवाल पूछे थे, जिनके जवाब में उपराष्ट्रपति ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि उषा, जो एक हिंदू परिवार में पली-बढ़ी हैं, कुछ हद तक उसी चीज से प्रभावित हैं, जिसके चलते वह चर्च से प्रभावित हुए थे। अपने आलोचकों पर पलटवार करते हुए वेंस ने शुक्रवार को कहा कि यह उनकी पत्नी ही थीं, जिन्होंने उन्हें ईसाई धर्म से फिर से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया था।

रूसी सेना की ईंधन आपूर्ति की पाइप लाइन पर यूक्रेन का हमला

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की सेना ने मॉस्को क्षेत्र में स्थित एक महत्वपूर्ण ईंधन पाइपलाइन पर हमला किया है। यह ईंधन पाइपलाइन रूसी सेना को ईंधन की आपूर्ति करती है। यूक्रेन की सेना के खुफिया विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। यूक्रेन ने यह दावा ऐसे समय में किया है जब रूस की ओर से ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए जा रहे हैं। टेलीग्राम मैसेजिंग चैनल पर दिए गए एक बयान के अनुसार यह हमला शुक्रवार देर रात को किया गया। समाचार एजेंसी एचयूआर के मुताबिक यह हमला रूसी सेना के लिए एक गंभीर झटका है।

एचयूआर ने कहा कि उसकी सेनाओं ने कोल्टसेवॉय पाइपलाइन पर हमला किया, जो 400 किलोमीटर (250 मील) तक फैली है और रूसी सेना को रियाजान, निजनी नोवगोरोड और मॉस्को की रिफाइनरियों से गैसोलीन, डीजल और जेट ईंधन की आपूर्ति करती है। एचयूआर ने बताया कि इस अभियान में रामेन्स्की जिले के निकट अवसंरचना को निशाना बनाया गया तथा तीनों ईंधन लाइनें नष्ट कर दी गईं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 2 नवंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 07 .31 तक तत्पश्चात द्वादशी 3 नवंबर 05 .07 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

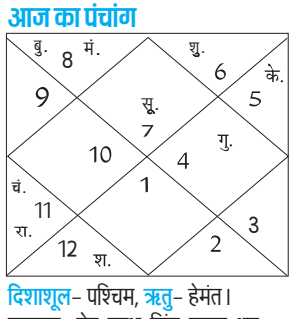

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- हेमंत।

चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।

ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र- पूर्व भाद्रपद 17 .03 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद।

मेष — आज कारोबार की जटिल समस्या भी हल हो सकती है। आपको बड़ा निवेश करने से लाभ मिल सकता है। आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। आपकी जीवनशैली में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।

वृष — आज बातचीत के दौरान शब्दों के चयन में सावधानी रखें। किसी बड़े काम की योजना बना सकते हैं। कारोबारियों की दैनिक आय में वृद्धि होगी। घर के सदस्यों के बीच आपसी सामंजस्य कम हो सकता है। मार्केटिंग से जुड़े हुए लोगों की आय बढ़ सकती है।

मिथुन — आज विवादों से दूर रहने का प्रयास करें। यदि आप शॉपिंग करने के मूड में हैं, तो बजट का ध्यान जरूर रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बारिश में भीगने से बचें। लोग आपकी बातों से आहत हो सकते हैं। सबके प्रति सौम्य और सहज व्यवहार रखें।

कर्क — आज सेहत की दृष्टि से दिन काफी अच्छा है। बुद्धिमान लोगों की संगत से आपको लाभ प्राप्त होगा। भविष्य को लेकर आशान्वित रहेंगे। आपका आत्मविश्वास और मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। अपनी उपलब्धियों पर गर्व की अनुभूति होगी।

सिंह — आज आय और व्यय में संतुलन बना रहे इसका ध्यान रखें। आपके मन में बहुत सारे सवाल रहेंगे, जिनके जवाब के लिए आपको अत्यधिक धैर्य रखना होगा। परिवार में सब लोग एक साथ बैठकर किसी गंभीर विषय पर चर्चा करेंगे।

कन्या — आज कारोबार में आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। लोग आपसे सहायता की मांग कर सकते हैं। अधिकारी आपके प्रति नकारात्मक भाव रख सकता है। सहकर्मियों से भिड़ने के बजाय उन्हें प्रेम से कोई बात समझाएं।

तुला — आज अधीनस्थ कर्मचारियों पर नियंत्रण बनाए रखें। नई तकनीक और गैजेट्स आदि में आप अत्यधिक रुचि ले सकते हैं। यात्रा आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। व्यावसायिक गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहेंगी।

वृश्चिक — आज अपने ज्ञान को बढ़ाने का प्रयास करें। आप जिस कार्य के लिए काफी समय से प्रयास कर रहे थे, उसे पूर्ण कर सकते हैं। धैर्य और संयम के साथ आपको काम करना चाहिए। इसका आपको काफी अच्छा परिणाम प्राप्त होगा।

धनु — आज आपको लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। आकस्मिक धन हानि होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपका दिन सामान्य रहेगा। दवाइयों और स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। आपकी सलाह लोगों के लिए अत्यंत सहायक रहने वाली है।

मकर — आज आपके आत्मबल में वृद्धि होगी। शत्रु आपके सामने काफी कमजोर हो जाएंगे। अपने लक्ष्यों को लेकर अत्यंत सावधान रहेंगे। ऑफिस में आपका पूर्ण प्रभाव रहेगा। संतान के प्रति आपका स्नेह और बढ़ेगा। करियर को लेकर सावधान रहें।

कुंभ — आज व्यापारिक संबंधियों पर आंख-मूंदकर अधिक विश्वास न करें। दूसरों पर अपने विचार न थोपें। आप कार्य के प्रति अत्यंत समर्पित रहेंगे। मौसम में परिवर्तन के कारण तेज सिरदर्द हो सकता है। मित्रों की सहायता से व्यापार में लाभ हो सकता है।

मीन — आज का दिन अधिकांश मामलों के लिए अत्यंत शुभ रहने वाला है। दांपत्य जीवन में प्रेम भावना बढ़ेगी। आपको सरकार से सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हो सकता है। लोग आपकी बातों को अत्यंत गंभीरता से लेंगे।

सुडोकू -148

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1					2	3		
	4		3	5				
	6		7					
7				8				
2								4
5				1				
		8			5			
		5		2	3			
		9	4					

सुडोकू - 147 का हल

1	9	4	2	5	3	7	6	8
7	8	2	9	1	6	4	5	3
5	3	6	7	8	4	1	2	9
3	5	7	6	9	1	8	4	2
4	2	8	5	3	7	6	9	1
9	6	1	4	2	8	5	3	7
6	1	5	3	7	9	2	8	4
8	4	3	1	6	2	9	7	5
2	7	9	8	4	5	3	1	6

महिला विश्व कप फाइनल में परफॉर्म करना मेरे लिए सम्मान की बात है। भारत फाइनल में है, स्टेडियम भरा होगा और ऐसे में माहौल जबरदस्त होगा। यह दिन हमेशा याद रहेगा। इस पल को यादगार बनाने की पूरी जान लगा लेंगे। उनके साथ 60 नर्तकों का एक समूह भी होगा।
– सुनिधि चौहान

स्टेडियम

मुरादाबाद, रविवार 2 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

चैंपियन टीम को मिलेंगे लगभग 40 करोड़ रुपये

नवी मंबई : दिलचस्प यह है कि सर्वजेता टीम को पुरस्कार के रूप में रिकॉर्डतोड़ राशि प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता के 13वें संस्करण की विजेता टीम को 4 .48 मिलियन डॉलर (लगभग 40 करोड़ रुपये) मिलेंगे। यह राशि 2022 में ऑस्ट्रेलिया को मिली ईनामी रकम (1.32 मिलियन डॉलर) से 239 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं उपजेता टीम को 2 .24 मिलियन डॉलर (लगभग 20 करोड़ रुपये) मिलेंगे। यह राशि 2022 में इंग्लैंड को मिली 600000 डॉलर से 273 प्रतिशत ज्यादा है। सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमों (ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड) को एक समान 1.12 मिलियन डॉलर (लगभग 9 .3 करोड़ रुपये) की रकम मिली है। पिछले संस्करण में ये राशि 300000 डॉलर थी।

सुनिधि आवाज से करेंगी मंत्रमुग्ध

नवी मुम्बई : बॉलीवुड की मशहूर गायिका सुनिधि चौहान रविवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले महिला क्रिकेट विश्वकप 2025 के फाइनल में अपने हिट गानों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगी। डीवाई पाटिल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित इस समारोह में सर्वाधिक लोकप्रिय गायिका उनके साथ 60 नर्तकों का समूह प्रस्तुति देगा। वह मैच से पहले राष्ट्रगान भी गाएंगी।

ICC WOMEN'S CRICKET WORLD CUP INDIA 2025

समय
3:00
बजे दोपहर से

जेमिमा रॉड्रिग्स।

इतिहास रचने को तैयार भारत

महिला विश्व कप : भारतीय टीम अपने तीसरे फाइनल में खिताबी सूखा खत्म करने के इरादे से उतरेगी

नवी मुंबई, एजेंसी

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड ने महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में अपने तीसरे प्रयास में खिताबी सूखे को खत्म किया था और कुछ ऐसी ही स्थिति भारतीय महिला टीम की है जो रविवार को यहां अपने तीसरे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की चुनौती का सामना करेगी। दक्षिण अफ्रीका का यह महिला विश्व कप का पहला फाइनल है। भारतीय टीम इससे पहले मिताली राज की अगुवाई में 2005 और 2017 में विश्व कप के फाइनल में पहुंच चुकी है। साल 2005 में दक्षिण अफ्रीका में खेले गए विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 98 रन से हराया था जबकि 2017 में इंग्लैंड ने घरेलू सरजमीं पर रोमांचक फाइनल में भारत पर नौ रन से जीत दर्ज की की। महिला विश्व कप के शुरुआती दो आयोजनों में विजेता का फैसला लीग चरण के अंकों के आधार पर हुआ था। जिसमें 1973 में इंग्लैंड और 1978 में ऑस्ट्रेलिया चैंपियन बना था।

विश्व कप में फाइनल मैच की प्रथा 1982 से शुरू हुई। इंग्लैंड को 1982 और 1988 में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से शिकस्त का सामना करना पड़ा लेकिन टीम ने 1993 में न्यूजीलैंड को हराकर पहली बार विश्व कप फाइनल जीता। न्यूजीलैंड इसके बाद 1997 में भारत में खेले गये विश्व कप के फाइनल में पहुंचा लेकिन इस बार उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। टीम ने हालांकि घरेलू सरजमीं पर साल 2000 में खेले गये विश्व कप के फाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया को हराकर इंग्लैंड की तरह ही अपने तीसरे प्रयास में सफलता हासिल की। भारत विश्व कप में अपना तीसरा फाइनल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने को तैयार है। दोनों देशों के बीच 33 वनडे मैचों 20 जीत के साथ भारत का पलड़ा भारी है लेकिन विश्व कप में मुकाबला बराबरी का है। वनडे विश्व कप के छह मैचों में भारत के नाम तीन जीत हैं लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने पिछले तीनों मैच में भारत को शिकस्त दी है। दक्षिण अफ्रीका इकलौती ऐसी टीम है जिसे भारत ने 2017 से इस वैश्विक आयोजन में नहीं हराया है। विश्व कप के इतिहास में इससे ज्यादा बार लगातार मैचों में ऑस्ट्रेलिया (आठ) और न्यूजीलैंड (पांच) ने भारत को हराया है। भारतीय टीम ऐसे में फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से विश्व कप में मिली लगातार तीन हार का बदला भी चुकता करना चाहेगी। दक्षिण अफ्रीका ने 2017 विश्व कप में भारत को 115 जबकि 2022 विश्व कप में तीन विकेट से हराया था। इस टीम ने मौजूदा विश्व कप में विशाखापत्तनम में भारत को तीन विकेट से शिकस्त देकर विश्व कप के मैचों में जीत की हैट्रिक पूरी की थी। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय महिला टीम के खिलाफ लगातार पांच वनडे मैचों की हार का सिलसिला तोड़ा था।

भारत ने फाइनल की मेजबानी कर रहे डीवाई पाटिल स्टेडियम में अपने दो मैचों जीत दर्ज की है जबकि बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार इस मैदान पर खेलेगी। महिला विश्व कप के फाइनल में यह पहला मौका है जब खिताबी मुकाबला ऐसी दो टीमों के बीच होगा जो कभी चैंपियन नहीं रही है।

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, उमा छेत्री, ऋचा घोष (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, श्री चरणी, राधा यादव।

दक्षिण अफ्रीका : लॉरा वोल्वार्ड (कप्तान), एनेके बॉश, तजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसन, सिनालो जाफ्ता, मारिजान काप, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, नोंडुमिसो टंगारियोन।

कप्तान हरमनप्रीत कौर (मध्य), स्मृति मंधाना और मुख्य कोच अमोल मजूमदार।

भारतीय टीम के लिए एक समय मंडरा रहा था लीग चरण से बाहर होने का खतरा

नवी मुंबई : भारत पर एक समय लीग चरण से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था, लेकिन बल्लेबाजों ने अहम समय पर लय हासिल कर टीम को खिताबी मुकाबले में पहुंचाया तो वहीं दक्षिण अफ्रीका को अपने अभियान के दौरान लीग चरण के शुरुआती मैच में इंग्लैंड और आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। इन दोनों मैचों के अलावा उसने हर मुकाबले में दबदबे वाला प्रदर्शन किया। मेजबान भारत ने सेमीफाइनल में सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया पर ऐतिहासिक जीत के साथ फाइनल में प्रवेश किया है। टीम ने जीत के लिए मिले 339 रन के विशाल लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर अपने बढ़ते मनोबल और बल्लेबाजी में असाधारण प्रतिभा का नमूना पेश किया। टीम के ज्यादातर बल्लेबाज लय में है और डीवाई पाटिल स्टेडियम की बल्लेबाजों की मुफीद पिच पर किसी भी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाने का माद्दा रखते हैं। टीम ने लीग चरण के अहम मैच में न्यूजीलैंड और फिर सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रमश तीन विकेट पर 340 और पांच विकेट पर 341 रन बनाकर इसे साबित भी किया है। सेमीफाइनल में भारतीय जीत की नायिका रहीं, जेमिमा रोड्रिग्स (नाबाद 127 रन) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (89 रन) से टीम इस तरह की एक और पारी की उम्मीद करेगी तो वहीं शीर्ष क्रम में स्मृति मंधाना भी शानदार लय में है। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों बल्लेबाजों की सूची में दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वुलवार्ड्ट (470 रन) के बाद 389 रन के साथ दूसरे स्थान पर है। मंधाना को हालांकि शीर्ष क्रम पर प्रतिका रावल (308 रन) की कमी खलेगी जो चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। उनकी जगह टीम में शामिल हुई युवा शेफाली वर्मा सेमीफाइनल में बल्ले से उपयोगी योगदान देने में नाकाम रही, लेकिन वह किसी भी गेंदबाजी के खिलाफ तेजी से रन बना सकती है। शेफाली विश्व कप के लिए रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में भी नहीं थी, ऐसे में वह इस चयन को सही साबित करने की पूरी कोशिश करेंगी। हरफनमौला दीप्ति शर्मा, विकेटकीपर रिचा घोष और अमनजोत कौर ने टूर्नामेंट में कई मौकों पर तेजी से रन जुटाये हैं और फाइनल में भी उन्हें इसे जारी रखना होगा। भारत की असल चिंता गेंदबाजी है।

दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी से रहना होगा सावधान, इंग्लैंड को कर चुकी चित

नवी मुंबई, एजेंसी

इंग्लैंड की बल्लेबाजी ध्वस्त करने वाली गेंदबाज मारिजान काप।

दक्षिण अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया की स्पिनरों ने परेशान किया था ऐसे भारतीय टीम को उनकी इस कमजोरी का फायदा उठाने का तरीका ढूंढना होगा। भारत को घरेलू मैदान का फायदा मिलेगा और दर्शकों का शोर टीम के लिए बारहवें खिलाड़ी का काम करेगा।

दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड की मजबूत टीम को 125 रनों के बड़े अंतर से हराकर अपनी क्षमता साबित की है। उनकी यह जीत बताती है कि वे किसी भी टीम को पछाड़ने की ताकत रखते हैं। प्रोटियाज टीम की कप्तान और सलामी बल्लेबाज वोल्वार्ड्ट इस समय विश्व की सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ 169 रन बनाने वाली वोल्वार्ड्ट फाइनल में भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होंगी। अनुभवी हरफनमौला मरिजान काप का प्रदर्शन शानदार रहा है और उन्होंने सेमीफाइनल में पांच विकेट लेकर इंग्लैंड की बल्लेबाजी को ध्वस्त किया था। उनकी तेज गेंदबाजी और मध्यक्रम की बल्लेबाजी टीम को संतुलन प्रदान करती है। दक्षिण अफ्रीका ने पूरे टूर्नामेंट में एक अनुशासित गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण इकाई के रूप में प्रदर्शन किया है। नादिन डी क्लार्क और क्लो ट्रायोन जैसी खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण मौकों पर टीम को मुश्किलों से निकाला है। टीम लीग चरण में भारत पर मिली जीत से आत्मविश्वास हासिल करना चाहेगी। भारत के खिलाफ डी क्लार्क और ट्रायोन ने आक्रामक साझेदारी कर मैच का रुख मोड़ा था। डी क्लार्क ने इस मुकाबले में 54 गेंद में नाबाद 84 रन की यादगार पारी खेली थी। यह विश्व कप के पिछले तीन मैच में दक्षिण अफ्रीका की भारत के खिलाफ तीसरी जीत थी।

भारत ने नवी मुंबई में बड़े लक्ष्य का पीछा करने का रिकॉर्ड बनाया है ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी का विकल्प चुन सकती है। लेकिन फाइनल का दबाव लक्ष्य का पीछा करने को कठिन बना सकता है। मैच पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है और तीन नवंबर को इसके लिए रिजर्व-डे रखा गया है। रिजर्व-डे को भी अगर मैच नहीं हो पाता है दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया जाएगा। इसकी संभावना हालांकि कम है।

भारतीय टीम ने किया हल्का अभ्यास, दक्षिण अफ्रीका ने बहाया पसीना

नवी मुंबई, एजेंसी

भारतीय महिला टीम ने शनिवार को हल्के अभ्यास के साथ थकान से उबरने पर ध्यान दिया तो वहीं दूसरी तरफ दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण अभ्यास में जमकर पसीना बहाया।

भारतीय टीम का अभ्यास सत्र दोपहर में फुटबॉल के साथ वार्म अप से शुरू हुआ, लेकिन इसके बाद खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में वापस चले गए और लगभग एक घंटे के अंतराल के बाद फिर से मैदान पर लौटे। भारतीय के अभ्यास सत्र में सबसे ज्यादा बल्लेबाजी अभ्यास शेफाली वर्मा ने किया जबकि स्मृति मंधाना, जेमिमा रॉड्रिग्स और हरलीन देओल भी नेट सत्र के दौरान बल्लेबाजी में हाथ आजमाते दिखी। चोटिल सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल की जगह टीम में आयी शेफाली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रही थी ऐसे में फाइनल से पहले वह कोई कोताही नहीं बरतना चाहती है। उन्होंने थ्रो-डाउन पर बल्लेबाजी अभ्यास करने के बाद आयु वर्ग के क्रिकेट के स्थानीय गेंदबाजों के खिलाफ रक्षात्मक और आक्रामक शॉट के अभ्यास किये। मंधाना ने भी इस दौरान बड़े शॉट खेलने का अभ्यास किया तो वही सेमीफाइनल में नाबाद 127 रन की पारी खेलने वाली जेमिमा स्पिनरों के खिलाफ कदमों का इस्तेमाल करते दिखी। राधा यादव और दीप्ति शर्मा ने गेंद से हाथ आजमाये जबकि ज्यादा गेंदबाजों ने मैदान पर सिर्फ 'वार्मअप' किया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम का मैच काफी थकान भरा था इसलिए खिलाड़ियों का ज्यादा ध्यान इससे उबरने पर था।

उन्होंने मैच से पहले संवाददाता सम्मेलन में कहाकल (फाइनल) का मैच काफी रोमांचक होने की संभावना है हम लोग अपने आप को मानसिक और शारीरिक तौर पर तैयार कर रहे हैं। उम्मीद है कि कल सब अच्छा होगा।

रेणुका सिंह ठाकुर। एजेंसी

शेफाली वर्मा। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीकी कप्तान लॉरा वोल्वार्ड।

भावुक पल | दो बार के पूर्व ग्रैंडस्लैम चैंपियन डबल युगल विशेषज्ञ के दो दशक के करियर पर लगा विराम

रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस से लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी और दो बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना ने शनिवार को पेशेवर टेनिस को अलविदा कह दिया जिससे एटीपी टूर पर उनके दो दशक से अधिक के कैरियर पर विराम लग गया। 45 वर्ष के बोपन्ना ने आखिरी बार इस सप्ताह पेरिस मास्टर्स में खेला जिसमे वह कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक के साथ पहले दौर में हार गए। कर्नाटक के कूर्ग के रहने वाले बोपन्ना ने अलविदा ..लेकिन अंत नहीं शीर्षक से अपने भावुक बयान में लिखा आधिकारिक रूप से खेल से विदा ले रहा हूं।

उन्होंने आगे लिखा आप उस चीज से विदा कैसे ले सकते हैं जिसने आपकी जिंदगी को मायने दिए। टूर पर बीस यादगार वर्ष बिताने के बाद अब विदा लेने का समय है। उन्होंने लिखा भारत के छोटे से शहर कूर्ग से सफर की शुरुआत करने से लेकर, सर्विस दमदार बनाने के लिए लकड़ी के टुकड़े कांटने, स्टेमिना बढ़ाने के लिए कॉफी के बागानों के बीच से जॉगिंग करने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े कोर्ट पर दूधिया रोशनी में अपने सपनों को पूरा करने तक। सब सपने जैसा लगता है। बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के बाद अंतरराष्ट्रीय कैरियर से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 2023 में डेविस कप से विदा ली थी और आखिरी बार लखनऊ में मोरक्को के खिलाफ खेला था। युगल विशेषज्ञ बोपन्ना ने 22 साल तक खेलने के बाद टेनिस को खेल से अधिक करार देते हुए कहा कि चुनौतीपूर्ण क्षणों में यह उनके लिए शक्ति, विश्वास और ध्येय का स्रोत रहा।

ऐसा रहा करियर

उन्होंने कई डेविस कप मुकाबलों, ग्रैंड स्लैम और ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोवस्की के साथ 2017 में फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल खिताब जीता जो उनका पहला ग्रैंडस्लैम था। इसके बाद 2024 आस्ट्रेलियाई ओपन में मैथ्यू एबडेन के साथ पुरूष युगल खिताब जीता। उन्होंने 2023 में एबडेन के साथ इंडियन वेल्स खिताब जीता तो 43 वर्ष की उम्र में सबसे उम्रदराज एटीपी मास्टर्स चैम्पियन बने। वह 2024 में सबसे उम्रदराज युगल नंबर एक खिलाड़ी भी बने।

प्रोत्साहन के लिए दिया परिवार को धन्यवाद

बोपन्ना ने अपने माता-पिता को उनके बलिदानों के लिए, बहन रश्मि को लगातार हौसलाअफजाई के लिए और पत्नी सुप्रिया को कोर्ट के बाहर सबसे अच्छी जोड़ीदार साबित होने के लिए धन्यवाद कहा। उन्होंने अपनी बेटी त्रिधा के लिये लिखा कि उसने उन्हें नया मकसद और ताकत दी है। उन्होंने कहा पिछले कुछ साल में मैने जितने भी मैच खेले, सब तुम्हारे लिये थे। तुम्हें दिखाने के लिए कि सपने सच करने के लिए लड़ना चाहिए और जीत से ज्यादा विनम्रता और साहस मायने रखता है। बोपन्ना 2000 के दशक की शुरुआत में पेशेवर खिलाड़ी बने और भारत के सबसे सफल युगल खिलाड़ियों में से एक बन गए। वह अपनी दमदार सर्व के लिए जाने जाते थे।

टी-20 सीरीज में बराबरी का मौका

होबार्ट (ऑस्ट्रेलिया) : भारत को टी-20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले तीसरे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीतकर बराबरी करने का मौका होगा। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में भारतीय बल्लेबाजों को थोड़ी राहत मिलेगी। सही लंबाई पर गेंद डालने में हेजलवुड की सटीकता और उछाल, भारतीय बल्लेबाजों के लिए दुःस्वप्न बन गई।

ऑस्ट्रेलिया को इस महीने के आखिर में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की सीरीज खेलनी है और उसे देखते हुए हेजलवुड को विश्राम दिया गया है।

स्टार सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने मेलबर्न में खेले गए दूसरे मैच के बाद कहा था यह निश्चित रूप से राहत की बात होगी। मैंने ऐसी गेंदबाजी का सामना पहले कभी नहीं किया।

इंडिया ए को जीत के लिए 154 रनों की दरकार, पंत का नाबाद अर्धशतक

बेंगलुरु, एजेंसी

कप्तान ऋषभ पंत की संयम से खेली गई नाबाद 64 रन की अर्धशतकीय पारी से भारत ए ने संभलकर खेलते हुए शनिवार को यहां चार दिवसीय मैच के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका ए द्वारा मिले 275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्टंप तक चार विकेट गंवाकर 119 रन बना लिए।

दक्षिण अफ्रीका ने सुबह बिना विकेट गंवाए 30 रन से खेलना शुरू किया लेकिन पूरी टीम 199 रन पर सिमट गई जिससे भारत को जीत के लिए 275 रन का लक्ष्य मिला। भारत ए को जीत के लिए अभी 166 रन की दरकार है।

स्टंप तक पंत (81 गेंद, आठ चौके, दो छक्के) के साथ आयुष बडोनी मौजूद थे जिन्होंने अभी खाता नहीं खोला है। अब टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने की जिम्मेदारी पंत के कंधों पर होगी। दक्षिण अफ्रीका ए के गेंदबाज अपनी रफ्तार और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान कर रहे थे। विकेटकीपर-बल्लेबाज पंत इसी समय रजत पाटीदार (28) का साथ निभाने क्रीज पर उतरे। भारत ए ने एक समय 32 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे जिसमें आयुष म्हात्रे, साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल पवेलियन लौट चुके थे। पंत ने अपने अंदाज में गेंदबाजों का सामना करते हुए चौथे विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी निभाई। वह क्रीज पर सिर्फ टिके रहने की कोशिश नहीं कर रहे थे बल्कि अपनी टीम को मैच में वापसी कराने के लिए दबदबा बनाना चाहते थे। पंत को 46 रन पर जीवनदान मिला जब तेज गेंदबाज टियान वैन वुरेन की गेंद पर ओकुहले सेले ने फाइन लेग पर उनका आसान कैच छोड़ दिया। जल्द ही उन्होंने प्रेनेलान सुब्रायन की गेंद पर कवर पर चौका लगाकर 65 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया।

कप्तान ऋषभ पंत।

- दक्षिण अफ्रीका ए से मिले 275 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट पर बना लिए 119 रन